@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 20 दिसंबर 2023

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 20 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

अभय चौटाला को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट से बड़ी राहत

चंडीगढ़, 19 दिसंबर। हरियाणा के ऐलनाबाद से विधायक और वरिष्ठ इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने पूर्व आईपीएस अधिकारी पीवी राठी द्वारा दायर मानहानि मामले में गुरुग्राम की अदालत से जारी समन को रद्द कर दिया है। याचिका में चौटाला ने 17 अप्रैल, 2010 को गुरुग्राम न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी द्वारा पारित समन आदेशों को रद्द करने के निर्देश देने की मांग की थी। उनका मुख्य तर्क यह है कि उन्होंने गुरुग्राम अदालत के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र के भीतर कोई अपराध नहीं किया है। याचिका पर अपना फैसला सुनाते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि शिकायतकर्ता के प्रारंभिक साक्ष्य यह स्थापित करने में विफल रहे कि चौटाला का 18 जून 2008 को मंडी डबवाली से दिया गया बयान किसी दुर्भावना के तहत दिया गया था। साथ ही शिकायतकर्ता ने जो शिकायत सौंपी थी, उसमें भी किसी भी परोक्ष मकसद, दुर्भावना, दुर्भावनापूर्ण इरादे या उसे बदनाम करने के इरादे को नहीं बताया गया। ऐसे में कानून की प्रक्रिया के दुरुपयोग को रोकने के लिए एक उपयुक्त मामला है क्योंकि शिकायत में लगाए गए आरोप और प्रारंभिक साक्ष्य यह इंगित नहीं करते हैं कि याचिकाकर्ता द्वारा कथित तौर पर दिए गए सार्वजनिक बयान किसी दुर्भावनापूर्ण इरादे से दिए गए थे। अगर इस मामले में हाईकोर्ट ने दखल नहीं दिया तो यह न्याय की हत्या के समान होगा।

गठबंधन के पीएम उम्मीदवार के लिए खरगे के नाम का प्रस्ताव

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 19 दिसंबर। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों और रणनीति बनाने के लिए विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं का राजधानी दिल्ली में महाजुटान हुआ। इसमें अलग-अलग पार्टियों के नेता शामिल हुए। इस बीच, इस बैठक को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि राजधानी के अशोका होटल में हुई इस बैठक में विपक्षी गठबंधन के पीएम उम्मीदवार को लेकर भी चर्चा की गई। दिल्ली में आयोजित इस बैठक में सभी राज्यों में आपस में सहयोग कर लोकसभा चुनाव लड़ने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 'इंडिया' गठबंधन के प्रधानमंत्री उम्मीदवार के रूप में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नाम का प्रस्ताव दिया। वहीं, सूत्रों ने बताया है कि कांग्रेस प्रमुख खरगे का कहना है पहले चुनाव जीतना महत्वपूर्ण है। इंडिया ब्लॉक के पीएम चेहरे पर अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि लोकतंत्र को बचाने के लिए हम सभी को लड़ना होगा और हम सभी इसके लिए तैयार हैं। हमने संसद में सुरक्षा उल्लंघन का मुद्दा उठाया। हम पहले से कह रहे हैं कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह या पीएम मोदी को संसद में आना चाहिए और संसद सुरक्षा चूक के मुद्दे पर लोकसभा और राज्यसभा में

बोलना चाहिए, लेकिन वे ऐसा करने से इनकार कर रहे हैं। खरगे ने कहा कि यह पहली बार है जब देश में 141 संसद सदस्यों को निलंबित किया गया है। यह गलत है, हम इसके खिलाफ लड़ेंगे। हम इसके खिलाफ लड़ने के लिए एकजुट हुए हैं। हमने 22 दिसंबर को सांसदों के निलंबन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है। 'इंडिया' गठबंधन की अब तक तीन बैठक पटना, बेंगलुरु और मुंबई में हो चुकी है। इसके बाद चौथी बैठक आज यानी मंगलवार को नई दिल्ली के अशोका होटल में हुई। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, जनता दल (यू) से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजीव रंजन सिंह, शिवसेना (यूबीटी) से उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की महबूबा मुफ्ती, अपना दल (के) से कृष्णा पटेल एवं पल्लवी पटेल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद, द्रमुक के टीआर बालू, सीपीआई-एम के सीताराम येचुरी, राजद के तेजस्वी यादव, समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव और राम गोपाल यादव, सीपीआई के डी राजा, एनसी के फारूक अब्दुल्ला, ईटी मोहम्मद बशीर, ई के इलांगोवन, आरएसपी के एन के प्रेमचंद्रन, केरल कांग्रेस (एम) के जोस के मणि, एनसीपी की सुप्रिया सुले और जेएमएम की महुआ माजी समेत अन्य शामिल हुए।

हाईकमान तक पहुंची राजस्थान चुनाव में कांग्रेस की हार की रिपोर्ट

जयपुर, 19 दिसंबर। राजस्थान विधानसभा चुनाव में हुई कांग्रेस की करारी हार की प्रारंभिक रिपोर्ट पार्टी हाईकमान के पास पहुंच गई है। इस रिपोर्ट में हार के पांच बड़े कारण बताए गए हैं। हालांकि, पार्टी हाईकमान इन कारणों से सहमत नहीं है, ऐसे में पार्टी नेताओं को डिटेल रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया है। चुनाव में कांग्रेस की हार का सबसे बड़ा कारण ध्रुवीकरण को बताया गया है। प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा गया कि भाजपा के नेता ध्रुवीकरण करने में कामयाब हुए, ये पार्टी की हार का बड़ा कारण है। रिपोर्ट में कहा गया कि सरकार की योजनाएं अच्छी थी, लेकिन यह बात जनता तक ठीक से नहीं पहुंचा पाए, न ही उन्हें यह बता पाए कि सरकार गई तो यह योजनाएं बंद कर दी जाएंगी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मीडिया को बताया कि पार्टी की हार की प्रारंभिक रिपोर्ट हाईकमान को सौंप दी गई है। अब हारण कारणों को लेकर डिटेल स्टडी की जा रही है। रिपोर्ट तैयार कर यह भी पार्टी हाईकमान को भेजी जाएगी। कम मार्जिन वाली सीटों पर स्थानीय नेताओं का जजमेंट सही नहीं बैठा, मतदाताओं को पोलिंग बूथ तक नहीं ला पाए। राजस्थान की 200 में से 199 सीटों पर 25 नवंबर को चुनाव कराए गए थे। कांग्रेस प्रत्याशी की मौत के कारण एक विधानसभा सीट करणपुर पर चुनाव स्थगित कर दिया गया था। चुनाव के नतीजे तीन दिसंबर को आए। चुनावी घमासान में भाजपा ने 115 सीटें जीतीं थीं। वहीं, कांग्रेस को 69 सीटों पर सिमट गई थी। 15 सीटें अन्य के खाते में गईं थीं।

एफटीए में देरी के कारण हो रही आलोचनाओं पर विदेश मंत्री की आपत्ति

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 19 दिसंबर। विदेश मंत्री एस जयशंकर एक बार फिर हमलावर दिखे। उन्होंने आलोचना करने वालों पर कड़ी आपत्ति जताई। दरअसल, ब्रिटेन के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर भारत की ओर से देरी हो रही है। मामले में नई दिल्ली और केंद्र सरकार की अलोचना की जा रही है। जयशंकर ने इसी मुद्दे पर आलोचना करने वालों के खिलाफ आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि मामले में सावधानी बरतने की आवश्यकता है। जांच की जा रही है। हम लोगों की आजीविका को प्रभावित नहीं कर सकते। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जयशंकर सोमवार को एक पुस्तक विमोचन समारोह में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैंने कई बार इसको लेकर नकारात्मक बातें सुनी हैं। भारत ब्रिटेन के साथ (एफटीए) पर जल्दी से हस्ताक्षर क्यों नहीं कर रहा। कोई यह क्यों नहीं कह रहा कि ब्रिटेन भारत के साथ जल्दी हस्ताक्षर करे। भारत और ब्रिटेन एफटीए को मजबूत करने के लिए

बातचीत कर रहे हैं। दोनों पक्षों ने एफटीए के 26 में से 20 अध्यायों को अंतिम रूप दे दिया है। पिछले साल अप्रैल में दोनों पक्षों ने दिवाली तक समझौते को पूरा करने की समय सीमा तय की थी। लेकिन कुछ मुद्दों पर मतभेद आए, जिस वजह से समझौते को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका। हम बातचीत कर रहे हैं। जयशंकर ने आगे कहा कि माना एफटीए उपयोगी है। लेकिन हमें इसकी जांच करने की आवश्यकता है। हमें एफटीए की खूबियों और नुकसानों पर विचार करना होगा। एफटीए समझौते का एक गलत निर्णय भारत के लाखों लोगों को प्रभावित कर सकता है।

कांग्रेस ने किया नेशनल एलायंस कमेटी का गठन: भूपेश बघेल

रायपुर, 19 दिसंबर। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर अपनी तैयारी शुरू कर दी है। इस संबंध में पार्टी ने नेशनल एलायंस कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को शामिल किया गया है। इसके अलावा कमेटी में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मुकुल वासनिक, सलमान खुर्शीद और मोहन प्रकाश का नाम शामिल है। कुल पांच नेताओं को कमेटी में जगह दी गई है। कांग्रेस के लिए ये पांचों सदस्य एलायंस को लेकर समंवय बनाने का काम करेंगे। पांचों नेताओं को कमेटी का संयोजक बनाया गया है। इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एलायंस का गठन किया है। नेशनल एलायंस कमेटी लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर कांग्रेस के लिए समन्वय बनाने का कार्य करेगी।

कुछ पार्टियां संसद सुरक्षा में सेंध की घटना का समर्थन कर रहीं: मोदी

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 19 दिसंबर। संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा से सांसदों के निलंबन के बाद भाजपा के संसदीय दल की मंगलवार को बैठक हुई। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों को संबोधित भी किया। उन्होंने संसद की सुरक्षा में सेंध की घटना पर विपक्षी पार्टियों को घेरते हुए कहा, कुछ पार्टियां संसद में हुई घुसपैठ का समर्थन कर रही थीं। यह सेंध लगने जितनी ही खतरनाक बात है। पीएम ने कहा कि जो भी लोग लोकतंत्र पर भरोसा करते हैं, उन्हें इस सुरक्षा में सेंध की साझा तौर पर आलोचना करनी चाहिए थी। पीएम ने संसद में विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शन को लेकर भी निशाना साधा और कहा कि उनका यही आचरण रहा तो 2024 के लोकसभा चुनावों में उनकी संख्या और कम हो जाएगी और इससे भाजपा को फायदा होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल हालिया विधानसभा चुनावों में अपनी हार से हताश और निराश हैं और इसलिए संसद की कार्यवाही बाधित कर रहे हैं। उन्होंने भाजपा सदस्यों से गरिमा बनाए रखने और

लोकतांत्रिक आचरण करने का आह्वान किया। गौरतलब है कि 13 दिसंबर को संसद में कार्यवाही के दौरान दो लोग दर्शक दीर्घा से लोकसभा कक्ष के अंदर कूद गए। शून्यकाल के दौरान सदन में मौजूद सांसदों ने उन्हें पकड़ लिया। विपक्ष ने इस मामले में सुरक्षा चूक का मुद्दा उठाया। हालांकि, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में संसद की सुरक्षा में हुई चूक को आरोपियों की बेरोजगारी और महंगाई से जोड़ा था। लोकसभा चुनाव में भाजपा को चुनौती पेश करने की कोशिश कर रहे इंडिया गठबंधन की बैठक को लेकर भी पीएम मोदी ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष का लक्ष्य उनकी सरकार को उखाड़ फेंकना है, लेकिन उनकी सरकार का लक्ष्य देश का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करना है। गौरतलब है कि इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा, अनुराग ठाकुर और अन्य केंद्रीय मंत्री-सांसद शामिल हुए। बताया गया है कि इस बैठक में प्रधानमंत्री संसद में भाजपा के आगे की रणनीति और पेश हुए विधेयकों पर चर्चा की। इसके अलावा सांसदों के निलंबन और विपक्षी रणनीति का सामना करने पर चर्चा की बात भी सामने आई है।

गौतम नवलखा को बॉम्बे हाईकोर्ट से मिली जमानत

मुंबई, 19 दिसंबर। बंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कार्यकर्ता गौतम नवलखा को जमानत दे दी है। उन्हें एल्गार परिषद मामले में गिरफ्तार किया गया था। न्यायमूर्ति ए एस गडकरी की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि नवलखा की जमानत याचिका को स्वीकार किया जाता है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अदालत से छह सप्ताह की अवधि के लिए आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाने का आग्रह किया। ताकि वह उच्चतम न्यायालय में अपील दायर कर सके। पीठ ने इस आदेश पर तीन सप्ताह के लिए रोक लगा दी। नवलखा को अगस्त 2018 में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें पिछले साल नवंबर में सर्वोच्च न्यायालय ने नजबरबंद करने की अनुमति दी थी। वह अभी नवी मुंबई में रह रहे हैं। उच्च न्यायालय ने नवलखा को एक लाख रुपये के मुचलके पर जमानत दे दी। वह इस मामले में सातवें आरोपी हैं जिन्हें जमानत दी गई है। इस साल अप्रैल में एक विशेष अदालत ने नवलखा को जमानत देने से इनकार कर दिया था। अदालत ने कहा था कि प्रथम दृष्टया यह दिखाने के लिए सबूत हैं कि वह प्रतिबंधित संगठन भाकपा (माओवादी) के सक्रिय सदस्य हैं। उच्च न्यायालय में दाखिल अपनी याचिका में नवलखा ने कहा कि विशेष अदालत ने उन्हें जमानत न देकर गलत किया है। नियमित जमानत के लिए उच्च न्यायालय में नवलखा की अपील का यह दूसरा दौर है। विशेष एनआईए अदालत द्वारा पिछले साल सितंबर में नियमित जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद नवलखा ने उच्च न्यायालय का रुख किया था। एनआईए ने तब नवलखा की जमानत याचिका का विरोध करते हुए दावा किया था कि उनकी भर्ती के लिए उन्हें पाकिस्तान इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) जनरल से मिलवाया गया था।

राम जन्मभूमि परिसर के पास पकड़ा गया संदिग्ध व्यक्ति

अयोध्या, 19 दिसंबर। श्रीराम जन्मभूमि के गेट नंबर दस पर तैनात सुरक्षा बलों ने मंगलवार की दोपहर को बाइक पर घूम रहे एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर थाना राम जन्मभूमि पुलिस को सौंप दिया। पकड़े गए व्यक्ति के हेलमेट पर कैमरा लगा हुआ था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि उक्त व्यक्ति मैप इन इंडिया का कर्मचारी है और वह सर्वे का काम कर रहा था। हालांकि इसके लिए अभी कंपनी को अनुमति नहीं मिली है। फिलहाल पुलिस व खुफिया एजेंसियां उससे पूछताछ कर रही हैं। मंगलवार की दोपहर छत्तीसगढ़ निवासी भानू पटेल बाइक पर सवार होकर यलो जोन में घूम रहा था। उसके हेलमेट पर कैमरा भी लगा हुआ था। यह देख राम जन्मभूमि के गेट नंबर दस पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने उसे रोक लिया व तलाशी आदि लेने के बाद पुलिस को सौंप दिया। थाना राम जन्मभूमि में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों व कई खुफिया एजेंसियों ने उससे पूछताछ की। सीओ अयोध्या एसपी गौतम ने बताया कि जांच में पता चला कि वह मैप इन इंडिया का कर्मचारी है। कंपनी ने जिला प्रशासन के पास सर्वे करने का आवेदन किया है लेकिन अभी अनुमति नहीं मिली है। इसके बावजूद उक्त कर्मी सर्वे कर रहा था। बताया कि उक्त व्यक्ति के बारे में कंपनी के अधिकारियों ने पुष्टि की है। बताया कि उसके आधार कार्ड व अन्य पहचान पत्र के आधार पर उसके पते आदि की भी तस्दीक कर ली गई है। बताया कि अभी उससे पूछताछ की जा रही है।

गिरावट की हद ही नहीं, मन बहुत दुखी: धनखड़

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 19 दिसंबर। संसद की सुरक्षा में चूक मामले पर विपक्षी दल लगातार कार्यवाही के दौरान चर्चा की मांग कर रहे हैं। इसी बीच, कार्यवाही में व्यवधान डालने के आरोप में कई विपक्षी सांसदों को दोनों सदनों से निलंबित कर दिया है। सांसदों की निलंबित करने की कार्रवाई शुक्रवार से शुरू हुई। मंगलवार तक निलंबित सांसदों का आंकड़ा 141 तक जा पहुंचा। सस्पेंड सांसदों ने संसद परिसर में जमकर हंगामा किया और धरने पर बैठ गए। इस दौरान, धरने पर बैठे सांसदों में से टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की नकल उतारी, जिसके बाद से ही सोशल मीडिया में उनका वीडियो जमकर वायरल हो रहा हैं। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा नकल किए जाने पर राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ में दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि मैंने सदन स्थगित कर दिया है। आपको पता नहीं है कि लोगों के मन में इसके खिलाफ किस तरह की प्रतिक्रिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि गिरावट की हद होती है। कार्यवाही के दौरान उन्होंने कल्याण बनर्जी और कांग्रेस का जिक्र करते हुए कहा, चिदम्बरम जी आप बहुत वरिष्ठ सदस्य हैं। कल्पना कीजिए कि जब

आपके वरिष्ठ नेता एक सांसद द्वारा चेयरमैन संस्थान का मजाक उड़ाते हुए वीडियोग्राफी कर रहे हों, तो मेरे दिल पर क्या गुजर रही होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि मैं आपको बता रहा हूं कि मुझे तकलीफ हुई है। इंस्टाग्राम पर कांग्रेस पार्टी ने एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसे बाद में वापस ले लिया गया। यह मेरे लिए शर्म की बात थी। आपके आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट का इस्तेमाल मुझे नीचा दिखाने, अपमान करने के लिए किया है। एक किसान के रूप में मेरी पृष्ठभूमि का अपमान किया, साथ ही एक जाट के रूप में मेरी स्थिति का भी अपमान किया। बता दें संसद परिसर पर अन्य निलंबित सांसदों के साथ विरोध प्रदर्शन के दौरान कल्याण बनर्जी को उपराष्ट्रपति की नकल करते देखा गया, जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अपने फोन का उपयोग करके तृणमूल सांसद का वीडियो बनाते देखा गया। साथ ही उन्होंने कहा कि गिरावट की कोई सीमा ही नहीं, यह निचले स्तर को दर्शाता है। दिग्विजय सिंह जी, मेरी बात ध्यान से सुनिए। मैंने टीवी पर देखा, आपका एक बड़ा नेता एक सांसद के असंसदीय व्यवहार का वीडियो बना रहे थे। वह बहुत बड़े नेता है, आपसे ज्यादा। मैं सिर्फ एक बात कहना चाहता हूं कि हर चीज की सीमा होनी चाहिए। वहीं संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी, राहुल गांधी और उनके दोस्तों द्वारा किए गए ड्रामे और उपराष्ट्रपति की मिमिक्री की जिसकी मैं निंदा करता हूं।

संजय राउत के खिलाफ राजद्रोह का आरोप हटा

नई दिल्ली, 19 दिसंबर। मुंबई की दिंडोशी पुलिस ने कार चोरी करने वाले एक गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से डेढ़ करोड़ की कीमत की पांच कारें बरामद की है। ये सभी कारें दिल्ली, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से चोरी की गई थी। पश्चिम बंगाल के हावड़ा के रानीहटी में एक पेपर मिल में भीषण आग लग गई। दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग को बुझाने की कोशिश कर रही है। हावड़ा अग्निशमन अधिकारी रंजन कुमार घोष ने कहा, सुबह के साढ़े चार बजे हमें घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद कुल पांच दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग को बुझाने में जुट गई। फिलहाल इस घटना में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। असम के डेमाजी के जोनई मिगोम डोलुंग इलाके में एक गोदाम में आग लग गई, जिसमें कई लाख रुपये की संपत्ति नष्ट हो गई। आग की सूचना पाकर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। कांग्रेस नेताओं के भाजपा में शामिल होने की खबरों पर गुजरात के मंत्री रुषिकेश पटेल ने बताया कि सिर्फ भाजपा ही नहीं कांग्रेस के कई कार्यकर्ता भी भाजपा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा, केवल विधायक ही नहीं कई कार्यकर्ता भी लक्ष्यहीन कांग्रेस का साथ छोड़कर राष्ट्र निर्माण करने वाली भाजपा के साथ जुड़ रहे हैं। हमारी पार्टी अपनी स्थापना के बाद से कभी भी अपने वादे से विचलित नहीं हुई है। इसलिए 21वीं सदी में हम अपने विश्वगुरु की उपाधि फिर से हासिल कर सकते हैं। महाराष्ट्र पुलिस ने शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक लेख लिखने को लेकर पार्टी के नेता संजय राउत के खिलाफ दर्ज मामले से देशद्रोह का आरोप हटा लिया गया है। संजय राउत सामना के कार्यकारी संपादक हैं। एक अधिकारी ने बताया पुलिस द्वारा कानूनी राय लेने और परामर्श करने के बाद राउत के खिलाफ राजद्रोह का आरोप हटा दिया गया। यवतमाल जिले की पुलिस ने 11 दिसंबर को शिवसेना (यूबीटी) नेता के खिलाफ मामला दर्ज किया था। राउत के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) धारा 124 (ए) (देशद्रोह), 153 (ए) (धर्म, नस्ल, जन्म स्थान, निवास, भाषा आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देना), धारा 505 (2) (वर्गों के बीच शत्रुता, घृणा या दुर्भावना पैदा करने या बढ़ावा देने वाले बयान) के तहत मामला दर्ज किया गया। ओडिशा के क्योंझर जिले में एक 46 वर्षीय व्यक्ति को एक करोड़ रूपये से अधिक मूल्य की हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि गुप्त सुचना के आधार पर अपराध शाखा के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की एक टीम ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-49 पर जोडियाघाटी इलाके के पास छापेमारी की और मादक पदार्थ तस्कर से 1.080 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया।

प्रह्लाद जोशी ने विपक्षी सांसदों पर लगाया प्रधानमंत्री का अपमान करने का आरोप

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 19 दिसंबर। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मंगलवार को लोकसभा में हंगामा करने के लिए विपक्षी सदस्यों पर निशाना साधा है। उन्होंने दावा किया कि वे हालिया विधानसभा चुनावों के परिणामों से मायूस हैं। केंद्रीय मंत्री ने विपक्षी नेताओं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अपमान करने का भी आरोप लगाया। एक दिन पहले 33 विपक्षी सदस्यों को लोकसभा के शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया है। इसके बाद आज विपक्षी सदस्यों के जोरदार विरोध के बीच जोशी ने कहा कि लोगों ने हाल के विधानसभा चुनावों में विपक्ष को सबक सिखाया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लोकसभा में अपनी टिप्पणी का एक वीडियो पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा, विपक्ष को हाल ही में हुए चुनावों में जनता ने सबक सिखाया है। जनता ने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को स्वीकारा है। इसकी मायूसी इनके चेहरे पर साफ दिख रही है, इसलिए ही ये सदन में ऐसा व्यवहार कर रहे हैं। इस तरह मास्क पहन कर प्रधानमंत्री का अपमान करना निराशाजनक है। पूरा सदन इसका खंडन करता है। मेरा निवेदन है इन पर कारवाई होनी चाहिए। इस साल नवंबर में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा ने तीन में जीत हासिल की है। जोशी ने सदन में अपनी टिप्पणी में आरोप लगाया कि विपक्षी सदस्य पीएम मोदी की विरूपित तस्वीर लेकर आए थे। उन्होंने कहा, मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं। बाद में फारूक अब्दुल्ला, सुप्रिया सुले, डिंपल यादव और शशि थरूर सहित 49 विपक्षी सांसदों को शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए लोकसभा से निलंबित कर दिया गया। एक दिन पहले विपक्ष के 33 सांसदों को निलंबित किया गया था। निलंबित किए गए सांसदों में कांग्रेस के वी वैथीलिंगम, गुरजीत सिंह औजला, सप्तगिरि शंकर उलाका, अडूर प्रकाश, मनीष तिवारी, प्रद्युत बोरदोलोई, गीता कोड़ा, फ्रांसिस्को सरदिन्हा, ज्योत्सना महंत, शशि थरूर, कार्ति

चिदंबरम, रवनीत सिंह बिट्टू, के सुधाकरण, मोहम्मद सादिक, एमके विष्णु प्रसाद और प्रतिभा सिंह, जदयू के गिरिधारी यादव, राजीव रंजन सिंह, संतोष कुमार, दुलाल चंद्र गोस्वामी, चंदेश्वर प्रसाद, आलोक कुमार सुमन, दिलेश्वर कामत; नेशनल कॉन्फ्रेंस के फारूक अब्दुल्ला, हसनैन मसूदी; द्रमुक के एस जगतरक्षकन, एसआर पार्थीबन, ए गणेशमूर्ति, पी वेलुसामी, सेंथिल कुमार, एम धनुष कुमार; एनसीपी की सुप्रिया सुले, अमोल कोल्हे और पीपी मोहम्मद फैजल; आप के सुशील कुमार रिंकू; सपा की डिंपल यादव और एसटी हसन, वीसीके के टी थिरुमावलवन और बसपा के निलंबित सांसद दानिश अली शामिल हैं। सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद यह कार्रवाई की गई। विपक्षी सदस्यों ने अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की और तख्तियां दिखाईं। विपक्षी सदस्य 13 दिसंबर को संसद की सुरक्षा में चूक को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे हैं। लोकसभा के 49 सांसदों को निलंबित किए जाने के साथ ही दोनों सदनों से निलंबित विपक्षी सांसदों की संख्या 141 हो गई है। शीतकालीन सत्र 22 दिसंबर तक चलेगा।

आइसलैंड में ज्वालामुखी का महाविस्फोट होने से धरती में बनी 3.5 किमी की दरार

-दहशत के साये में रहवासी, प्रशासन ने आपातकाल की अवधि बढ़ाई

रेक्जाविक । आइसलैंड में ज्वालामुखी का महाविस्फोट होने से धरती में 3.5 किमी की दरार बन गई है। इससे यहां के लोग दहशत में जी रहे हैं। हालांकि प्रशासन ने यहां पर आपातकाल बढ़ा दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 800 भूकंपों के बाद आखिरकार यहां पर ज्वालामुखी विस्फोट हो गया है। देश के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान कार्यालय ने मंगलवार को कहा कि दक्षिण-पश्चिम आइसलैंड के रेक्जेन्स प्रायद्वीप पर हफ्तों की तीव्र भूकंप के बाद एक ज्वालामुखी फट गया है। आइसलैंडिक मौसम विज्ञान कार्यालय के अनुसार विस्फोट ग्रिंडाविक से लगभग 4 किमी उत्तर पूर्व में सुंधनुकागिगर के करीब स्थित है, और इसे पास के वेब कैमरों पर देखा जा सकता है। मौसम केन्द्र के अनुसार सोमवार की रात लगभग 9 बजे शुरू हुए भूकंप के झटके के बाद रात 10.17 बजे विस्फोट शुरू हुआ था। मौसम कार्यालय ने बताया कि ज्वालामुखी में दरार की लंबाई लगभग 3.5 किमी है, इसमें लावा लगभग 100 से 200 क्यूबिक मीटर प्रति सेकंड की दर से बह रहा है। यह हाल के वर्षों में रेक्जेन्स प्रायद्वीप पर पिछले विस्फोटों की तुलना में कई गुना अधिक था। हालांकि विस्फोट के सटीक स्थान और आकार की पुष्टि करने के लिए एक तटरक्षक हेलीकॉप्टर को क्षेत्र में भेजा गया है। इस संबंध में आइसलैंड के राष्ट्रीय पुलिस आयुक्त ने बताया कि नागरिक सुरक्षा सेवा स्तर को अलर्ट से आपातकाल तक बढ़ा दिया गया है। वहीं नागरिक सुरक्षा समन्वय केंद्र को सक्रिय कर दिया गया है। फिलहाल अधिकारियों ने जनता से विस्फोट स्थल पर नहीं जाने को कहा है और आपातकालीन कर्मचारी स्थिति का आकलन कर रहे हैं। राजमार्ग 41 सहित ग्रिंडाविक शहर की सभी सड़कें बंद हैं और यातायात पूरी तरह से प्रतिबंधित है। रेक्जेनस प्रायद्वीप के उत्तरी हिस्से की मुख्य सड़क है, जो बड़े रेक्जाविक क्षेत्र और केफ्लाविक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को जोड़ती है। विस्फोट राजधानी रेक्जाविक से देखा जा सकता है। स्थानीय मीडिया ने प्रधान मंत्री कैटरीन जैकब्सडॉटिर के हवाले से कहा कि हाल ही में निर्माण शुरू होने वाले रक्षात्मक किलेबंदी से ज्वालामुखी विस्फोट से निपटने में महत्वपूर्ण अंतर आएगा।

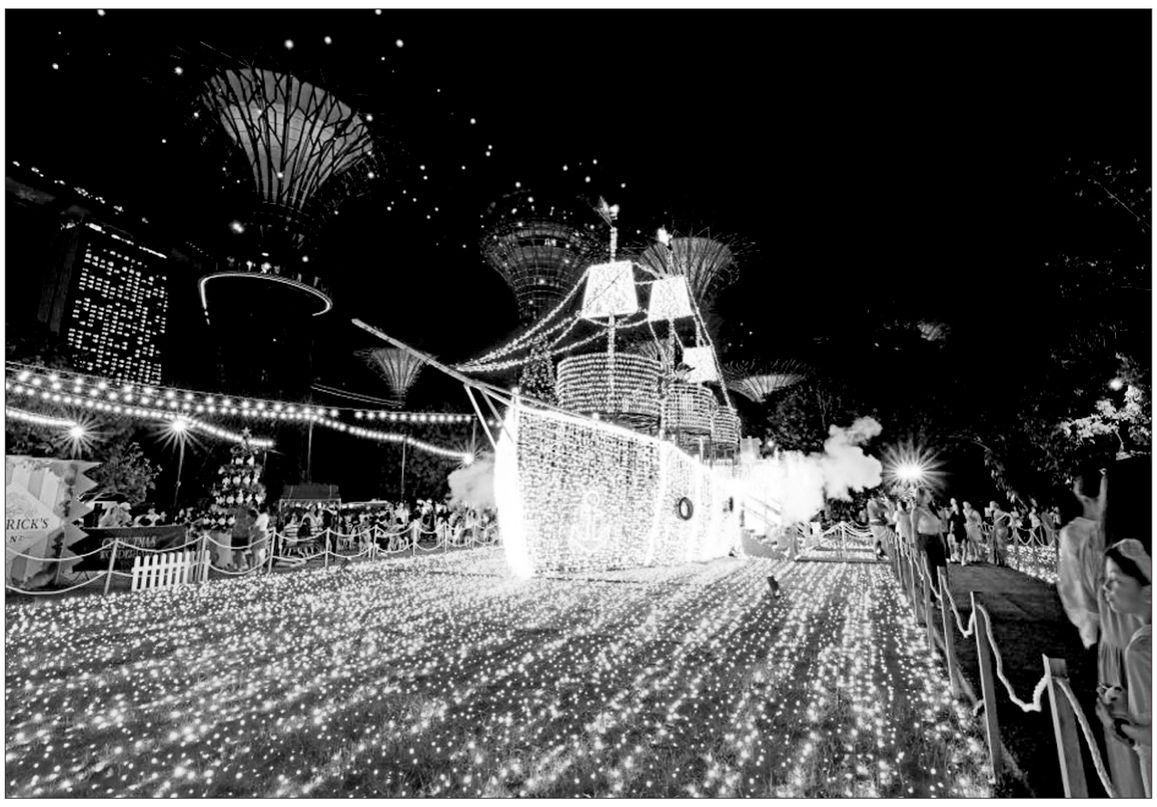

सिंगापुर गार्डन्स में क्रिसमस के लिए हुई रोशनी को देखते हुए लोग।

चीन में भूकंप से 111 लोगों की मौत, रिक्टर पर 6.2 तीव्रता मापी गई

बीजिंग । चीन के गांसु प्रांत में भूकंप आने से 111 लोगों की मौत होने की जानकारी मिली है। यहां पर आए रिक्टर पैमाने पर 6.2 तीव्रता के भीषण भूकंप के बाद अनेक घर ढह गए। अधिकारियों ने मंगलवार को चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र के हवाले से बताया कि भूकंप सोमवार रात 11.59 बजे आया था। इसकी गहराई 10 किमी बताई जा रही है। भूकंप का केंद्र लिउगौ टाउनशिप, लिनक्सिया हुई स्वायत्त प्रान्त, गांसु में जिशिशान बाओआन, डोंगज़ियांग, सालार स्वायत काउंटी की काउंटी सीट से लगभग 8 किमी दूर है। भूकंप किंघई के ज़िनिंग और हैडोंग शहरों में भी ज़ोर से महसूस किया गया, जहां कुछ घर ढह गए और उनमें दरारें आ गईं। हालां?कि गांसु और पड़ोसी किंघई से लोगों के मरने की सूचना भी मिली है। इसी दौरान प्रांतीय अग्निशमन और बचाव विभाग ने 88 अग्निशमन गाड़ियों, 12 खोजी और बचाव कुत्तों, 10,000 से अधिक उपकरणों के साथ 580 बचावकर्मियों को आपदा क्षेत्र में भेज दिया है। इधर रेलवे प्राधिकरण ने भूकंप क्षेत्र से गुजरने वाली यात्री और मालवाहक ट्रेनों को रोक दिया है और पटरियों की सुरक्षा जांच के आदेश दिये हैं। दहेजिया टाउनशिप में सुबह तापमान शून्य से 16 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया है। कड़ाके की सर्दी के बावजूद एक स्थानीय अस्पताल में 140 से अधिक चिकित्सा कर्मचारी घायलों की देखभाल में लगे हुए हैं। वहीं राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने गांसु में आए भूकंप से पूर्ण बचाव प्रयास करने का आदेश दिया है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि खोज और बचाव करने, घायलों का समय पर इलाज करने और हताहतों की संख्या को कम करने के लिए सभी प्रयास किए जाने चाहिए। बता दें कि गांसु, चीन के सबसे गरीब क्षेत्रों में से एक, तिब्बती और लोएस पठारों के बीच स्थित है और इसकी सीमा मंगोलिया से लगती है। चीन एक ऐसे क्षेत्र में स्थित है जहां कई टेक्टोनिक प्लेटें, विशेष रूप से यूरेशियन, भारतीय और प्रशांत प्लेटें मिलती हैं, और विशेष रूप से यहां पर भूकंप का खतरा बना है।

पराग्वे में पुलिस की कार्रवाई में 10 लोगों की मौत

असुनसियन। पराग्वे की राजधानी असुनसियन के ताकुम्बु में पुलिस और सेना की ओर से चलाए गए अभियान में करीब 10 लोग मारे गए। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार नौ कैदी और राष्ट्रीय पुलिस सामरिक समूह के एक कर्मी की मौत हो गई, जबकि 20 कैदी और 36 पुलिस और सैन्यकर्मी घायल हो गए। पुलिस के अनुसार यह अभियान ताकुम्बु जेल पर नियंत्रण पाने के लिए चलाया गया था, जो वर्षों से रोटेला कबीले के नाम से जाने जाने वाले आपराधिक समूह के नियंत्रण में था। रिपोर्ट में कहा गया है कि कैदियों के साथ तगड़ा टकराव के बाद पुलिस और सैन्यकर्मी आपराधिक गुट के नेता अरमांडो जेवियर रोटेला के ठिकाने तक पहुंच गए। इसके बाद उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया और उस विनस क्यू सैन्य जेल में भेज दिया गया है।

पाकिस्तानी पत्रकार आरजू काजमी का दावा, दाऊद को जहर दिया

करांची । जहां पाकिस्तान में दाऊद को जहर देने की खबर के बाद देश में हलचल तेज हो गई है। वहीं पाकिस्तानी पत्रकार आरजू काजमी का एक वीडियो भी इस समय खूब वायरल हो रहा हैं। वीडियो में पत्रकार ने दावा किया है कि दाउद इब्राहिम को जहर दे दिया गया है। उन्होंने कहा कि अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम को कराची में जहर दिया गया है। पाकिस्तान की वरिष्ठ पत्रकार आरजू काजमी का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। आरजू काजमी ने कहा कि सुनने में आ रहा है कि दाऊद इब्राहिम को किसी ने जहर दिया है। उसकी तबियत बहुत ज्यादा खराब हो गई है और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। आरजू आगे कहती हैं कि कराची के किसी हॉस्पिटल में उसको रखा गया है। ये खबर सोशल मीडिया पर गर्दिश कर रही है और ये बात कहां तक सही है, फिलहाल मालूम नहीं है। इतना ही नहीं वीडियो में आरजू ने कहा कि आप लोग जानते हैं कि अगर कोई भी नाम लेगा या कुछ भी कंफर्म करने की कोशिश करेगा तो फिर उसकी भी शामत आ जाएगी। बता दें कि आरजू काजमी पाकिस्तान की बेबाक पत्रकार हैं। वो हर वक्त अपनी बातों को बेहद ही बेबाकी से पेश करती हुई नजर आती हैं।

लाल सागर में जहाजों पर हमलों से निपटने नए अंतरराष्ट्रीय मिशन की तैयारी

वाशिंगटन । लाल सागर में जहाजों पर हो रहे हमलों से निपटने के लिए अमेरिका सहित कई अन्य देश नए अंतरराष्ट्रीय मिशन की तैयारी में जुट गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार ये देश लाल सागर से गुजरने वाले उन जहाजों की सुरक्षा के लिए एक नयी सेना तैयार कर रहे हैं, जिन पर यमन के हूती नियंत्रित क्षेत्रों से दागे गए ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला हुआ है। रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने बहरीन में मंगलवार को इसकी घोषणा की। हमले की गंभीरता को देखते हुए कई शिपिंग कंपनियों को अपने जहाजों को रुकने और बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य में तब तक प्रवेश न करने का आदेश दिया है। हालांकि यह तब तक है जब तक कि सुरक्षा स्थिति का समाधान नहीं हो जाता है। गौरतलब है कि हाल के दिनों में इस क्षेत्र में कई पोतों पर हमला हुआ है। रक्षा सचिव लॉयड ने एक बयान में कहा कि यह एक अंतरराष्ट्रीय चुनौती है, जो सामूहिक कार्रवाई की मांग करती है। ऑस्टिन ने घोषणा की कि ब्रिटेन, बहरीन, कनाडा, फ्रांस, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, सेशेल्स और स्पेन नए मिशन में शामिल होंगे। कुछ देश संयुक्त गश्त करेंगे जबकि अन्य दक्षिणी लाल सागर और अदन की खाड़ी में खुफिया सहायता प्रदान करेंगे। एक रक्षा अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि कई अन्य देश भी इस अभियान में शामिल होने के लिए सहमत हुए हैं, लेकिन वो सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा नहीं करना चाहते हैं। इस अंतरराष्ट्रीय मिशन का समन्वय पहले से मौजूद संयुक्त टास्क फोर्स 153 द्वारा किया जाएगा। जिसे अप्रैल 2022 में लाल सागर, बाब अल-मंडेब और अदन की खाड़ी में समुद्री सुरक्षा में सुधार के लिए बनाया गया था।

अमेरिका के पूर्वी तट में शक्तिशाली तूफान से मची तबाही, तीन लोगों की मौत

न्यूयॉर्क । अमेरिका के पूर्वी तट पर भयानक तूफान आने से तबाही का मंजर हो गया है। यहां पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में आए शक्तिशाली तूफान से तीन लोगों की मौत होने की सूचना है। इलाके में बिजली गुल हो गई, सड़कें बह गईं और एक समुदाय को वहां से निकलने के लिए मजबूर भी होना पड़ा है। मीडिया में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक दो मौतें पेंसिल्वेनिया और मैसाचुसेट्स में हुईं, जहां तूफान प्रणाली के कारण दिनभर तेज हवाएं चलीं और भारी बारिश हुई। वहीं तीसरी मौत दक्षिण कैरोलिना में हुई, जो सप्ताहांत में तूफान से प्रभावित हुआ था। यह तूफान पूरे पूर्वोत्तर में छाया रहा जहां तेज हवाएं और भारी बारिश शुरू कर दी, इससे 24 घंटों के भीतर अधिकांश क्षेत्र में 2-4 इंच पानी बह गया। साथ ही न्यूयॉर्क शहर के उत्तर-पश्चिम में पांच इंच से अधिक पानी होने की खबरें हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को न्यूयॉर्क सिटी आपातकालीन प्रबंधन ने स्टेटन द्वीप और ब्रुकलिन को जोड़ने वाले वेराज़ानो-नैरो ब्रिज को अस्थायी रूप से बंद कर दिया। वहीं क्वींस और ब्रोंक्स को जोड़ने वाला थ्रोग्स नेक ब्रिज और थ्रोग्स नेक ब्रिज, मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्टेशन अथॉरिटी ने भी कई सबवे रोक दिए है। प्रबंधन ने कहा कि शहर के बिजली आपूर्तिकर्ता कंसोलिडेटेड एडिसन, इंक. के 10,000 से अधिक ग्राहक इस समय बिना बिजली के हैं। शहर भर में पेड़ों के गिरने की 237 रिपोर्टें हैं। फ्लाइट अवेयर के आंकड़ों के अनुसार न्यूयॉर्क के लागार्डिया और जॉन एफ कैनेडी हवाई अड्डों और बोस्टन के लोगान अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगभग 400 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। हालांकि विगत सोमवार को तूफान के चलते 4,700 से ज्यादा उड़ानें भी देरी से उड़ीं। न्यूयॉर्क में लगभग 5,000 उपयोगिता कर्मचारियों के साथ अग्रिम चेतावनी और यात्रा सलाह जारी की है। पॉवरआउटेज. यूएस के अनुसार, पूर्वोत्तर में सोमवार रात तक 660,000 से अधिक ग्राहक बिना बिजली के हैं। उनमें से अधिकांश मेन में थे, जहां ट्रैक किए गए 852,000 से अधिक ग्राहकों में से 420,000 से अधिक ग्राहक अंधेरे में है। मीडिया में आई जानकारी के मुताबिक राष्ट्रीय मौसम सेवा केन्द्र ने अनुमान लगाया है कि यहां बह रही नदी मंगलवार तक लिटिल फॉल्स में बड़े बाढ़ चरण में पहुंच जाएगी। हालांकि अधिकारियों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि बाढ़ विनाशकारी हो सकती है। राष्ट्रीय मौसम सेवा केन्द्र ने कहा कि मेन और न्यू हैम्पशायर में, जल बचाव की कई रिपोर्टें हैं। हालांकि तूफान सोमवार देर रात कनाडा की ओर बढ़ गया लेकिन इसका प्रभाव लंबे समय तक रहने की उम्मीद है।

अब तक 19 हजार लोगों को निगल गई इजरायल और हमास की जंग

तेल अवीव(एजेंसी)। जंग कहीं भी और किसी के साथ हो,परिणाम हमेशा घातक ही होते हैं। दोनों ही देशों को तबाही के अलावा कुछ हाथ नहीं लगता है। इजरायल और हमास के बीच बीते 74 दिनों से जंग चल रही है,जिसमें अब तक 19 हजार से अधिक लोगों को मौत हो चुकी है। आगे यह सिलसिला कब तक चलेगा कोई नहीं जानता,पर इतना जरुर है कि लंबे समय तक लोगों के लिए तकलीफदायक होगा। गाजा में जारी बमबारी के बीच इजराइली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि युद्ध खत्म होने में समय लगेगा. इजराइली रक्षा मंत्री का यह बयान अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन के साथ मीटिंग के बाद आया है। इससे पहले भी उन्होंने गैलेंट ने यही बयान दिया था। इससे जाहिर होता है कि इजराइल गाजा में अभी युद्ध रोकने के मूड में नहीं है। इजराइली रक्षा मंत्री ने पिछले महीने एक बयान में कहा था कि गाजा में अभी कई महीनों तक जंग जारी रहेगा। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी कहा है कि इजराइल तब तक लड़ता रहेगा जब तक वह हमास को पूरी तरह खत्म और अपने बंधकों को रिहा नहीं करा लेता।

अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने सोमवार को इजराइली रक्षा मंत्री योव गैलेंट से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने गाजा में इजराइली अभियानों को कम करने को लेकर चर्चा की। ऑस्टिन और अन्य अमेरिकी अधिकारियों ने गाजा में बड़ी संख्या में नागरिकों की मौत के बारे में बार-बार चिंता व्यक्त की है मगर उन्होंने युद्धविराम को लेकर कोई बातचीत नहीं की।

इजराइली रक्षा मंत्री योव गैलेंट के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिकी रक्षा सचिव ने कहा कि यह इजराइल का ऑपरेशन है। मैं यहां समयसीमा या शर्तें तय करने के लिए नहीं आया हूं। अमेरिकी अधिकारियों ने हमास के लड़ाकों को खत्म करने, सुरंगों को नष्ट करने और बंधकों को बचाने के उद्देश्य से लक्षित अभियानों का आह्वान किया है। बता दें कि अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र में युद्धविराम के आह्वान को वीटो कर दिया था। बता दें कि गाजा में ढाई महीने से अधिक समय से जंग जारी है और यह जंग कब थमेगी, इसके बारे में कहना फिलहाल मुश्किल है। गाजा में अब तक यहां 1900 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। हमास के 7 अक्टूबर के हमलों के बाद इजराइल लगातार गाजा में बमबारी कर रहा है।

ईरान में हुए धमाके से दूसरे देशों में बढ़ा तनाव !

तहरीन (एजेंसी)। यहां एक बड़ा धमाका हुआ है। जिसे लेकर दूसरे देश भी अलर्ट हो गए है। वैश्विक स्तर पर भी चर्चा शुरु हो गई है। कई तरह की आशंकाएं व्यक्त की जाने लगी हैं। ये धमाका तेहरीन में ईरानी एविएशन एंड स्पेस फोर्स हेडक्वार्टर में हुआ है। धमाके के बाद हेडक्वार्टर से आग की

लपटे उठती दिखीं। भीषण धमाके ने मिडिल ईस्ट में संकट और बढ़ने की आशंका बयां की है। गाजा पट्टी और लेबनान बॉर्डर पर जारी जंग के बीच इस धमाके से अमेरिका और ईरान के बीच टकराव बढ़ सकता है। विस्फोट इतना जोरदार था कि आग की ऊंची-ऊंची लपटे काफी देर तक हेडक्वार्टर से उठती रहीं। जानकारी के मुताबिक एविएशन एंड स्पेस फोर्स के इस हेडक्वार्टर से ही मिसाइल और ड्रोन की सप्लाई होती थी। आशंका है कि इसी जगह से इजरायल और अमेरिका के खिलाफ युद्ध लड़ रहे हमास, हिज्बुल्लाह और हूती विद्रोहियों तक घातक हथियार भेजे जा रहे थे।

हालांकि अभी तक इस धमाके की असली वजह का खुलासा नहीं हुआ है। ये हादसा है या साजिश इससे लेकर अभी ईरान ने भी प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन गाजा जंग के बीच ऐसी घटना को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। अमेरिका और इजरायल ने प्रॉक्सी समूहों को लेकर हाल ही में ईरान को चेतावनी थी और कहा था कि ईरान आग से खेलना बंद करे। तनाव के बीच ईरान के गैस स्टेशनों पर इजरायली हैकर्स ने साइबर अटैक किया। ईरान के करीब 60 से 70 फीसदी गैस स्टेशनों पर कामकाज ठप होने से हाहाकार मच गया। ईरान ने गैस स्टेशनों पर हुए साइबर हमले का आरोप इजरायल और अमेरिकी हैकर्स पर लगाया है। ईरान तेल मंत्रालय के मुताबिक इस घटना की वजह से सोमवार को देशभर में सिर्फ 30 फीसदी तक ही गैस स्टेशनों पर कामकाज हुआ। साइबर हमले के लिए इजरायली हैकर्स समूह 'गोंजेश्को दारादे' को जिम्मेदार ठहराया। देश में कुल 33 हजार गैस स्टेशन हैं। लेकिन गैस आपूर्ति में आ रही दिक्कतों के वजह से गैस स्टेशनों पर दिनभर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लगी रहीं। इस दौरान स्टॉक और आपूर्ति डेटा में भारी गड़बड़ी देखने को मिली। 2022 में भी इजरायली हैकर्स के इसी समूह ने ईरान के एक प्रमुख स्टील कंपनी को हैक कर लिया था।

दुनियाभर में होने लगी चर्चा, दाऊद के बाद अब किसकी बारी ?

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत के मोस्ट वांटेड डॉन दाऊद इब्राहिम कराची के आगा खान अस्पताल में हैं। हालत गंभीर है और उपचार चल रहा है। दावा किया जा रहा है कि डॉन को जहर दिया गया था। हालांकि पाकिस्तान की ओर से इस पर कोई बयान नहीं दिया गया है। माना जा रहा है कि दाऊद उसी फेहरिस्त का हिस्सा हैं जो पिछले एक साल से पाकिस्तान में हो रहा है। यदि ऐसा है तो इस सूची में अगला नंबर हाफिज सईद और मसूद अजहर का हो हो सकता है।पाकिस्तान की पत्रकार आरजू काजमी ने दावा किया है कि दाऊद इब्राहिम को जहर दिया गया है। काजमी ने कहा कि दाऊद इब्राहिम अस्पताल में है और उसे जहर दिया गया है। उन्होंने ये भी कहा कि पाक सरकार इसे कभी स्वीकार नहीं करेगी और न ही इसे कंफर्म करेगी। आरजू ने कहा कि सिर्फ दाऊद ही नहीं बल्कि इस लिस्ट में अभी कई ऐसे नाम हैं जिनका नंबर जल्द ही आने वाला है।पत्रकार आरजू काजमी ने बताया कि दाऊद इब्राहिम कराची में रहता है। यहां के क्लिफटन इलाके में उसका घर है। हालांकि पाकिस्तान इसे स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने दावा किया कि कराची में दाऊद का इलाज चल रहा है। इसे लेकर पाकिस्तान की मीडिया में अजीब सी खामोशी छाई है। हालांकि पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर दाऊद को लेकर खूब बातचीत हो रही है।

आरजू काजमी ने दावा किया कि दाऊद की खबर को छिपाने के लिए ही सरकार ने पाकिस्तान में इंटरनेट बंद किया है।पाक पत्रकार आरजू काजमी ने दावा किया कि पाकिस्तान में पिछले एक साल से टारगेट किलिंग हो रही है। उन्होंने दावा किया कि इसमें पाकिस्तान का ही हाथ है। आरजू काजमी का कहना है कि नवाज शरीफ की पार्टी भारत से रिश्ते सुधारना चाहती है। इसीलिए आने वाले समय में हाफिज सईद और मसूद अजहर की भी टारगेट किलिंग हो सकती है। पाकिस्तान में हाफिज सईद लश्कर ए तैयबा का संस्थापक है और जमात उद दावा से संबंध रखता है। यह भारत की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल है।

किम जोंग उन की नई इंटर कॉन्टीनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल, जद में पूरा अमेरिका, स्पीड 30 हजार किमी

सियोल (एजेंसी)। दक्षिण कोरियाई अधिकारियों का कहना है कि उत्तर कोरिया ने संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों की अवहेलना करते हुए अपनी सबसे उन्नत लंबी दूरी की मिसाइल दागी है। अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) के प्रक्षेपण की पश्चिम से तत्काल निंदा हुई। यह जापान में होक्काइडो के पश्चिम में उतरा। यह तब हुआ है जब दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने पिछले सप्ताह उत्तर से परमाणु हमले का जवाब देने की योजना को अद्यतन करने के लिए मुलाकात की थी। प्योंगयांग ने जवाब में अधिक आक्रामक जवाबी कदम उठाने की कसम खाई थी।

सुबह स्थानीय समयानुसार लगभग 08:24 बजे (23:24 रविवार GMT) प्योंगयांग क्षेत्र से लंबी दूरी की मिसाइल लॉन्च की। दक्षिण कोरियाई और जापानी अधिकारियों ने कहा कि मिसाइल ने 73 मिनट तक यात्रा की, जिसमें लगभग 1,000 किमी (621 मील) की दूरी तय की गई। ICBM की सीमा उत्तरी अमेरिकी महाद्वीप तक पहुंचने की है। सोमवार का प्रक्षेपण इस साल उत्तर कोरिया का आईसीबीएम का पांचवां सफल प्रक्षेपण है। दक्षिण कोरिया, जापान और अमेरिका ने सोमवार को मिसाइल परीक्षण की तुरंत निंदा की और कहा कि यह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा

परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन है और इससे कोरियाई प्रायद्वीप कम सुरक्षित हो जाएगा।

उत्तर और दक्षिण के बीच तनाव पिछले महीने तब बढ़ गया जब प्योंगयांग ने संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हुए एक जासूसी उपग्रह को कक्षा में सफलतापूर्वक लॉन्च किया। सियोल ने उत्तर के साथ एक सैन्य समझौते को आंशिक रूप से निलंबित करके जवाब दिया, जिसका उद्देश्य सीमा पर सैन्य गतिविधि को सीमित करना और झड़पों की संभावना को कम करना था। इसके बाद प्योंगयांग पूरी तरह से समझौते से हट गया। उत्तर कोरिया ने तब से अपने सैनिकों को असैन्यीकृत क्षेत्र के पहले से निहत्थे क्षेत्रों में फिर से संगठित किया है जो उसके क्षेत्र को दक्षिण से अलग करता है।

जेल में बंद इमरान ने एआई की मदद से शुरु किया चुनाव प्रचार

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान में फरवरी 2024 में आम चुनाव होने हैं। सलाखों के पीछे होने के बावजूद, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख और पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के द्वारा सक्रिय रूप से चुनाव अभियान में शामिल हो गए हैं। उनकी पार्टी की ओर से विपक्षी नेता की ओर से जोशीला भाषण देने का एक वॉयस क्लोन जारी किया गया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) द्वारा सोशल मीडिया पर चार मिनट के संदेश को वर्चुअल रैली नाम दिया गया। पीटीआई ने कहा कि खान का भाषण उस पाठ से तैयार किया गया था जो उन्होंने जेल से लिखा और जिसे उनके वकीलों ने मंजूरी दी थी। इमरान खान अगस्त से जेल में हैं और उन पर गोपनीय डेटा लीक करने का मुकदमा चल रहा है, उनका दावा है कि ये आरोप उन्हें फरवरी के आम चुनाव में भाग लेने से रोकने के लिए लगाए जा रहे हैं।

पीटीआई पार्टी ने इमरान का चार मिनट का संदेश तैयार करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल किया, जो इंटरनेट व्यवधानों के बावजूद सोशल मीडिया पर आयोजित एक वर्चुअल रैली का शीर्षक था। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने कहा कि इमरान खान ने वकीलों के माध्यम से एक शॉर्टहैंड स्क्रिप्ट भेजी थी, इस उनकी अलंकारिक भाषा में शामिल किया गया था। इसके बाद एआई के एक टूल का उपयोग करके टेक्स्ट को ऑडियो में डब किया गया, जो मौजूदा भाषण नमूनों से वॉयस क्लोन बनाने की क्षमता का दावा करता है। इमरान की नकल करते हुए आवाज ने कहा कि मेरे साथी पाकिस्तानियों, मैं सबसे पहले इस ऐतिहासिक प्रयास के लिए सोशल मीडिया टीम की प्रशंसा करना चाहूंगा। ऑडियो को फेसबुक, एक्स और यूट्यूब पर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ समर्थकों के भाषणों की पांच घंटे की लाइव-स्ट्रीम के अंत में प्रसारित किया गया था, और इमरान के ऐतिहासिक फुटेज और स्थिर छवियों के साथ कवर किया गया था। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अनुसार इस एक समय के क्रिकेट स्टार के पूर्व भाषणों के वास्तविक वीडियो क्लिप के साथ बुक किया गया था, लेकिन बीच-बीच में एक कैप्शन दिखाई दिया, जिसमें इमरान की एआई आवाज उनके नोट्स के आधार पर के रूप में चिह्नित किया गया था। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के सोशल मीडिया प्रमुख जिब्रान इलियास ने कहा कि यह हमारे लिए कोई बड़ी बात नहीं थी, जब इमरान खान वास्तव में एक राजनीतिक रैली में मिलने के लिए मौजूद नहीं हैं।पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पाकिस्तान की पहली राजनीतिक पार्टी थी जिसने सोशल मीडिया की क्षमता का व्यापक रूप से उपयोग किया, युवा दर्शकों को लक्षित करने के लिए एप का उपयोग किया, जिन्होंने उन्हें पांच साल पहले सत्ता में पहुंचाया था।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

बीजेपी के टिकट पर 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ेंगी कंगना रनौत

मंडी। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत 2024 में लोकसभा का चुनाव लड़ने जा रही हैं। वह बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ेंगी। हालांकि कंगना को लेकर लगातार चुनाव लड़ने की चर्चाएं चल रही हैं। वहीं, अब उनके पिता ने यह घोषणा करके इन चर्चाओं को विराम लगा दिया है। कंगना के पिता ने उनके लोकसभा चुनाव लड़ने की बात स्वीकार की है। हालांकि, पिता ने कहा कि भाजपा तय करेगी कि बेटी कंगना को कहां से चुनाव लड़वाना है। अभिनेत्री कंगना रनौत के पिता अमरदीप ने एक बयान में कहा कि कंगना भाजपा के टिकट पर ही चुनाव लड़ेंगी, लेकिन वह कहां से चुनाव लड़ेंगी, इस बात को पार्टी नेतृत्व ने ही तय करना है। बड़ी बात यह है कि कंगना ने दो दिन पहले ही कुल्लू में अपने घर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की थी। मुलाकात के बाद से उनके चुनाव लड़ने की चर्चाओं को और बल मिला था। लेकिन अब पिता ने यह कहकर स्पष्ट कर दिया है कि कंगना चुनाव लड़ेंगी। बीते साल हिमाचल के बिलासपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तरफ से सोशल मीट कार्यक्रम करवाया गया था। इसमें भी कंगना पहुंची थी और कहा था कि आरएसएस की विचारधारा, उनकी विचारधारा से मेल खाती है। यहां गौरतलब है कि कंगना के मंडी लोकसभा सीट या फिर चंडीगढ़ से चुनाव लड़ने की भी चर्चाएं हैं। फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत मूलतः मंडी जिला के सरकाघाट विधानसभा क्षेत्र के भांबला गांव की रहने वाली हैं। उन्होंने मनाली में भी अपना एक घर बना रखा है। उनका बाकी परिवार अब मनाली में ही रहता है। बताया जा रहा है कि कुछ माह पहले ही कंगना रनौत ने गुजरात के द्वारका में मीडिया से बातचीत में यह स्पष्ट किया था कि अगर भगवान की कृपा रही तो वह जरूर चुनाव लड़ेंगी। इसके बाद तभी से कंगना के चुनाव लड़ने को लेकर खबरों का बाजार गर्म हो गया था।

योगी के नाम पर ठगी, योगी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया बनाकर दिया झांसा

गोरखपुर। यूपी के गोरखपुर में योगी के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। यहां पर पुलिस के हत्थे दो ऐसे जालसाज चढ़े हैं जो फर्जी पते पर, फर्जी संस्था बनाकर लोगों को ठगते थे। इन्होंने आम लोगों के साथ-साथ कई स्थानीय बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं को अपना निशाना बनाया है। ये कभी संस्था में पद दिलाने के नाम पर ठगी करते तो कभी सीएम से मिलवाने के नाम पर लोगों को गुमराह कर रहे थे। लोगों को झांसे में लेने के लिए इन्होंने अपने नाम में योगी टाइटल भी जोड़ रखा था। ठगों ने एक कंपनी बनाई, जिसका नाम भी योगी कॉर्पोरेशन ग्रुप ऑफ इंडिया रख रखा था। इतना ही नहीं कंपनी का पता इन्होंने गोरखनाथ मंदिर दर्शाया था। इसी मंदिर के सामने ये सेल्फी क्लिक कर सोशल मीडिया पर डालते और लोगों को झांसे में लेते रहे। गोरखपुर पुलिस ने जानकारी दी कि योगी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया नामक संस्था बनाकर लोगों को बीजेपी संगठन में पद दिलाने का वादा करने वाले दो घोटालेबाजों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने अपने नाम के साथ योगी और पते के रूप में गोरखनाथ मंदिर का उल्लेख किया है। इस ठगी के मामले में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि गाजियाबाद निवासी हर्ष चौहान उर्फ योगी हर्षनाथ और महाराजगंज निवासी योगी केदारनाथ उर्फ केदारनाथ अग्रहरि को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। साथ ही उनका बैंक खाता भी सीज कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि घोटालेबाजों ने 13 दिसंबर को योगी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के नाम से एक एमएसएमई बनाई और अपने दावे को सच साबित करने पता गोरखनाथ मंदिर का दे दिया। इतना ही नहीं दोनों घोटालेबाजों ने अपने नाम के आगे योगी टाइटल भी जोड़ लिया था। पकड़े गए दोनों जालसाज पूरे देश में 1100 रुपये प्रति वर्ष पर सदस्यों का फर्जी नामांकन कर रहे थे। फर्जी आइकार्ड के उनसे पैसे ले लेते थे। कुछ ही दिनों में दोनों ने मोटी रकम जमा कर ली। हालांकि, अब उनका बैंक खाता जब्त कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, पुलिस को दोनों जालसाजों के पास से 87 फर्जी नियुक्ति पत्र, 83 नकली लेटरहेड, आठ आवेदन पत्र, सीएम के जनता दर्शन में शामिल होने के अनुरोध वाले पत्र, दो मोबाइल फोन और फर्जी आईडी कार्ड बरामद हुए हैं। आम लोगों की समस्याओं से संबंधित कुछ पत्र भी बरामद किये गए हैं। इन ठगों की शिकायत कानपुर बीजेपी की मंडल मंत्री रंजना सिंह ने पुलिस से की थी, इसके बाद उन पर यह कार्रवाई की गई है।

भारी बारिश ने दक्षिण तमिलनाडु में मचाई आफत, बचाव में जुटी इंडियन आर्मी

चेन्नई। दक्षिण तमिलनाडु में इन दिनों भारी बारिश ने आफत मचाई हुई है। इससे पहले चेन्नई और आसपास के जिलों में चक्रवात मिचौंग कहर ढाया था। इसके बाद, चक्रवाती हवाओं के कारण भारी बारिश होने लगी। इसका सामना करने के लिए चार दक्षिणी जिलों, विशेष रूप से तिरुनेलवेली और तूतीकोरिन तैयार हैं। यहां पर सोमवार को तीनों सशस्त्र बल फंसे हुए लोगों को बचाने में जुट गए हैं। तमिलनाडु सरकार भी लगातार इसे साथ राहत कार्यों में सहयोग कर रही है। यहां पर दो जिलों में भारी बारिश ने तबाही मचाई थी। जानकारी के मुता?बिक तिरुनेलवेली जिले में बारिश से संबंधित घटनाओं में तीन की मौत हो गई। राज्य सरकार ने बारिश को अभूतपूर्व करार दिया और तिरुनेलवेली में राहत सामग्री पहुंचाने के लिए सुलूर हवाई अड्डे से भारतीय वायुसेना के हेलिकॉप्टरों को लगाया। तूतीकोरिन के कयालपट्टिनम में सोमवार सुबह 8.30 बजे समाप्त हुई 24 घंटे की अवधि में ऐतिहासिक 95 सेमी बारिश दर्ज की गई, जबकि तूतीकोरिन के कई शहरों में 60 सेमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। यहां पर ज्यादातर नदियां और नाले उफान पर हैं। दरअसल जलग्रहण क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश के कारण पापनासम, मणिमुथर, पेचिपराई और पे रुंचनिम सहित क्षेत्र के प्रमुख जलाशय लबालब हो गए हैं। इस क्षेत्र के 37 वर्षा निगरानी स्टेशनों ने अत्यधिक भारी वर्षा दर्ज की थी। बाद में शाम को केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से तिरुनेलवेली, तूतीकोरिन सहित चार जिलों में अभूतपूर्व बारिश के कारण कटे हुए लोगों को बचाने के लिए नावों और हेलीकॉप्टरों सहित अतिरिक्त एनडीआरएफ सहायता प्रदान करने को कहा है। आईएमडी ने अनुमान लगाया है कि यहां कन्याकुमारी, तूतीकोरिन, तिरुनेलवेली और तेनकासी में एक या दो स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

धर्म परिवर्तन मामला : सुप्रीम कोर्ट ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों को गिरफ्तारी से प्रदान की सुरक्षा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कथित जबरन धर्म परिवर्तन के एक मामले में सैम हिगिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज (इलाहाबाद) के कुलपति और पांच अन्य अधिकारियों को गिरफ्तारी से सुरक्षा दे दी। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और केवी विश्वनाथन की अवकाश पीठ ने 12 जनवरी या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, रोक लगा दी, पिछले हफ्ते इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश में राजेंद्र बिहारी लाल और अन्य को 20 दिसंबर तक आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया था। छह लोगों ने उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया, जिसमें विश्वविद्यालय के एक पूर्व कर्मचारी ने उनके खिलाफ 4 नवंबर को उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में ईसाई धर्म अपनाने के लिए राजी करने के लिए नौकरी की पेशकश और अन्य प्रलोभन का आरोप लगाते हुए दायर मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया था। शिकायतकर्ता ने सामूहिक बलात्कार का भी आरोप लगाया है और एक अन्य महिला पर उसे फंसाने और नियमित रूप से चर्च में ले जाने का आरोप लगाया है।

सीएम शिंदे ने किसानों को दिये राहत राशि के चेंक

नागपुर। बेमौसम बारिश से हुए नुकसान से किसानों को सहायता वितरण की शुरुआत मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा की गई। ये बेमौसम बारिश नवंबर में हुई थी। इस बारिश से फसल को हुए नुकसान से राहत मिल सके, इसलिए प्रभावित किसानों को मंगलवार को प्रतिनिधिक स्वरूप में चेक दिए गए। विधान भवन के मंत्रिमंडल सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल, मदद व पुनर्वास मंत्री अनिल पाटिल, राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल, वन मंत्री सुधीर मुनगंटीवार, राज्य उत्पादन शुल्क मंत्री शंभूराज देसाई, ग्रामीण विकास मंत्री गिरीश महाजन, लोक निर्माण मंत्री दादाजी भुसे, मुख्य सचिव मनोज सौनिक सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

राहुल, खरगे और प्रियंका की भी यूपी से लड़ने की योजना?

– सपा से गठबंधन होने पर कांग्रेस को कितनी सीटें मिलेंगी, यह बड़ा सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्ष के इंडिया गठबंधन की बैठक से पहले ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ने बंगाल में कांग्रेस को महज 2 सीटें देने के संकेत दिए हैं। वहीं सपा भी कई बार यह दोहरा चुकी है कि जिसकी जहां ज्यादा ताकत है, उसे वहां अधिक मौके मिलने चाहिए। ऐसे में यूपी में सपा से गठबंधन होने पर कांग्रेस को कितनी लोकसभा सीटें चुनाव लड़ने के लिए मिलेंगी, यह बड़ा सवाल है। हाल ही में ऐसे ही तमाम सवालों को लेकर यूपी कांग्रेस के नेताओं की राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से दिल्ली में बैठक हुई। इस बैठक में यूपी कांग्रेस के ज्यादातर नेताओं और प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की सलाह थी कि सपा से ही गठबंधन किया जाए। कुछ नेताओं ने तो बसपा का साथ लेने की भी बात कही, लेकिन मायावती के एकला चलो वाले रुख को देखते हुए उस पर चर्चा नहीं हुई। इस बीच सपा से गठबंधन की स्थिति में कई नेताओं ने सवाल उठाया कि यह समझौता सम्मानजनक होना चाहिए और हमें सीटों को लेकर समझौते से बचना होगा। दरअसल कांग्रेस नेताओं को अखिलेश यादव का रुख देखते हुए लग रहा है कि वह कांग्रेस को रायबरेली और अमेठी के अलावा अन्य सीटें देने में आनाकानी कर सकते हैं। ऐसे में कांग्रेस पहले ही सपा पर दबाव बनाने की कोशिश में है।

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि पार्टी 2004 और 2009 में जीती हुई सीटों पर दावा कर सकती है। कांग्रेस मानती है कि कुछ शहरी सीटें जैसे कानपुर, प्रयागराज, फूलपुर आदि में उसकी अच्छी पकड़ रही है। ऐसे में यहां सपा को त्याग करना चाहिए। इस बैठक में एक और रणनीति पर चर्चा हुई है। वह यह कि सोनिया गांधी तो रायबरेली से चुनाव लड़ती ही हैं। उनके अलावा अमेठी से राहुल गांधी मैदान में उतरें और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी यूपी की ही किसी सीट से चुनावी समर में जाएं। प्रियंका गांधी वाड्रा को भी यूपी की किसी सीट से चुनाव लड़ाने की बात बैठक में कही गई। खुद कांग्रेस के यूपी अध्यक्ष अजय राय ने यह सुझाव दिया। इसके अलावा कांग्रेस का कहना है कि उसके साथ मुस्लिम वर्ग एकमुश्त होकर आ रहा है। इसलिए सपा को उन सीटों पर भी बड़ा दिल दिखाना चाहिए, जहां मुस्लिम आबादी की बहुलता है। इन सीटों में मुरादाबाद, सहारनपुर आती हैं। इसके अलावा पूर्वांचल में मऊ और गाजीपुर जैसी सीटों पर भी कांग्रेस दावा ठोक सकती है।

इस बार भी ईडी के सामने पेश नहीं होंगे अरविंद केजरीवाल, राघव चड्ढा ने की पुष्टि

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली शराब नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तलब किया है। हालांकि, वह 10 दिवसीय विपश्यना ध्यान सत्र में जाने की अपनी योजना जारी रखेंगे। पार्टी नेता नेता राघव चड्ढा ने पुष्टि की। चड्ढा ने कहा कि आप सुप्रीमो के विपश्यना शिविर की योजना पहले से तय थी और नेताओं से कानूनी सलाह ली जा रही है। केजरीवाल लंबे समय से विपश्यना का अभ्यास कर रहे हैं, जो एक प्राचीन भारतीय ध्यान तकनीक है जिसमें अभ्यासकर्ता मानसिक कल्याण को बहाल करने के लिए लंबे समय तक संचार के किसी भी माध्यम से दूर रहते हैं और बेंगलुरु सहित कई ऐसे शिविरों में गए हैं। आप नेता हर साल 10 दिन का विपश्यना कोर्स करते हैं। इस वर्ष का पाठ्यक्रम 19 से 30 दिसंबर तक निर्धारित है। इस बीच, ईडी ने अब खत्म हो चुकी दिल्ली शराब नीति में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के सीएम को 21 दिसंबर को पेश होने के लिए बुलाया है। केजरीवाल को यह दूसरा समन है। पहले उन्हें 2 नवंबर को जांच एजेंसी के सामने पेश होने के लिए कहा गया था। केजरीवाल ने नवंबर के समन को नजरअंदाज कर दिया था और इसे अवैध और राजनीति से प्रेरित बताया था। अप्रैल में दिल्ली शराब मामले के सिलसिले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भी उनसे पूछताछ की थी। राघव चड्ढा ने भाजपा पर अरविंद केजरीवाल से 'डरने' और उन्हें 'कमजोर' करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर आज सत्येन्द्र जैन, मनीष सिसौदिया और संजय सिंह बीजेपी में शामिल होते हैं तो वे ढोल-नगाड़ों के साथ उनका स्वागत करेंगे और मामले खत्म करा देंगे। बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने रविवार को दिल्ली के सीएम पर तंज कसते हुए कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि वह कब तक जेल से दूर रह पाएंगे।

विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन की बैठक के दिन पटना में लगे पोस्टर, नीतीश को अहम भूमिका देने की मांग

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी भूमिका सौंपने की मांग वाले पोस्टर मंगलवार को राज्य की राजधानी पटना के कई हिस्सों में लगाए गए। कुमार विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन की एक महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली गए हुए हैं। यहां लगाए गए इन पोस्टर के बारे में कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की ओर से त्वरित स्पष्टीकरण आया है कि उसका इन पोस्टर से कोई लेना-देना नहीं है। जदयू के सर्वोच्च नेता कुमार ने पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि उनकी कोई व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं, उनका एकमात्र उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता को मजबूत करना है। बिहार में जदयू के साथ महागठबंधन सरकार में शामिल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने अपनी ओर से यह स्पष्ट कर दिया है कि प्राथमिक लक्ष्य लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराना है और अगर इस प्रक्रिया में मुख्यमंत्री को शीर्ष पद मिलता है, तो यह बिहार के लिए गर्व की बात होगी।

जदयू के मुख्य प्रवक्ता और विधानपरिषद नीरज कुमार ने कहा, यह ज्ञात नहीं है कि पोस्टर किसने लगाए हैं। लेकिन इसके निश्चय (संकल्प) में कोई भी दोष नहीं निकाल सकता है। वह कुमार की तस्वीर वाले पोस्टरों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिनमें लिखा है, अगर सच में विजय चाहिए तो फिर एक निश्चय चाहिए। पोस्टर में वर्णित शब्द निश्चय नीतीश कुमार सरकार के

सात निश्चय कार्यक्रम की याद दिलाते हैं जो समाजवादी नेता और और बिहार में सबसे लंबे लंबी अवधि तक मुख्यमंत्री रहे कुमार के निचले स्तर तक का विकास मॉडल है। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि राष्ट्रीय राजधानी में होने वाली बैठक में विभिन्न पार्टियां इस बहुदलीय गठन में कुछ हद तक एकजुटता लाने के लिए सत्तर वर्षीय कुमार को 'इंडिया' गठबंधन के संयोजक के रूप में नामित करने पर सहमत हो सकती हैं।

कुमार ने जून में यहां देश भर के भाजपा विरोधी नेताओं की पहली बैठक की मेजबानी की थी और एक महीने बाद बेंगलुरु में आयोजित सम्मेलन में 'इंडिया' गठबंधन नाम पर सहमति बनी थी। कुमार सहित गठबंधन के अधिकांश नेताओं की राय रही है कि सबसे बड़ी पार्टी होने के कारण कांग्रेसको राष्ट्रीय समूह में सबसे आगे होना चाहिए। वह बिहार के सत्तारूढ़ महागठबंधन में एक 'जूनियर पार्टनर' भी है। हालाँकि, महागठबंधन के सूत्र इस बात से सहमत हैं कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में हाल के विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में पुनर्विचार का आह्वान किया जा सकता है, जहां कांग्रेस ने खराब प्रदर्शन किया। इस बीच, बिहार के सत्तारूढ़ महागठबंधन के सबसे बड़े घटक राजद ने कहा कि अगर जदयू द्वारा पोस्टर लगाए भी गए तो भी उसमें कोई दिक्कत नहीं है।

राजद संस्थापक लालू प्रसाद और नेहरू-गांधी परिवार के बीच व्यक्तिगत समीकरणों के आधार पर राजद का कांग्रेस के कट्टर सहयोगी के रूप में देखा जाता है। राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा, हर पार्टी अपने नेताओं को आगे बढ़ते हुए देखना पसंद करती है। भले ही नीतीश कुमार की पार्टी ने पोस्टर लगाए हों, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। अगर हमारे मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री बनते हैं, तो यह हर नागरिक के लिए गर्व की बात होगी। हालाँकि, उन्होंने यह भी कहा, ये गौण बातें हैं। हमारे नेता तेजस्वी यादव ने विधानसभा के पटल पर कहा है कि वह उपमुख्यमंत्री के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करके खुश हैं और नीतीश कुमार का उत्तराधिकारी बनने की जल्दी में नहीं हैं।

सांसदों के निलंबन पर एनसीपी प्रमुख पवार ने मोदी सरकार को सुना दी खरी-खरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने संसद सुरक्षा चूक पर मोदी सरकार से बयान मांगने के बाद सांसदों को निलंबित करने के फैसले की जमकर आलोचना की। राज्यसभा सांसद पवार ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को पत्र लिखकर सुरक्षा चूक की घटना के लिए स्पष्टीकरण मांगने वाले सांसदों को निलंबित करने के फैसले को जवाबदेही और पारदर्शिता के सिद्धांतों के प्रतिकूल बताया। एनसीपी प्रमुख पवार ने कहा, सांसदों को स्पष्टीकरण मांगने और संसदीय माहौल की सुरक्षा सुनिश्चित करने का वैध अधिकार है, जो हमारे देश के लोकतंत्र का प्रतीक है। हालांकि, मोदी सरकार ने न केवल इस तरह के बयान से खुद को दूर कर लिया, बल्कि देश की सर्वोच्च कानून बनाने वाली संस्था की सुरक्षा में चूक पर स्पष्टीकरण/ बयान मांगने वाले सांसदों को निलंबित करने की कार्रवाई भी की। ये दुर्भाग्यपूर्ण है। पवार ने कहा कि उन्हें बताया गया है कि कुछ सांसद जो सदन के वेल में नहीं गए, नारेबाजी नहीं की और लगातार व्यवधान में शामिल नहीं थे, उन्हें भी निलंबित सांसदों की सूची में शामिल किया गया है। पवार ने कहा, हमले और उसके बाद निलंबन के मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए, मैं आपसे संसदीय प्रक्रियाओं और मिसालों और लोकतांत्रिक मूल्यों की अखंडता को बनाए रखने के हित में इस मामले को संबोधित करने का अनुरोध करूंगा।

पवार ने कहा कि पिछले बुधवार को संसद पर एक कनस्तर हमला हुआ था, जिसमें दो लोग दर्शक दीर्घा से सदन में कूद गए थे, हालांकि उनको काबू कर लिया गया। संसद के बाहर दो अन्य लोग भी थे जिन्होंने रंगीन धुआं छोड़ा और सदन परिसर में नारे लगाए और अब उन चारों को उनके अन्य साथियों के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है। पवार ने उस दिन की घटना को बेहद परेशान करने वाली बताया, खासकर इसलिए तब जब उसी दिन (13 दिसंबर) आतंकवादी हमले की बरसी थी।

बीजेपी ने दिल्ली में किया सातों सीटें जीतने का दावा, फूंका लोकसभा चुनाव का बिगुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर दिल्ली में बीजेपी ने बिगुल फूंक दिया है। इस सिलसिले में रविवार को दिल्ली बीजेपी की एक बड़ी संगठात्मक बैठक आयोजित की गई, जिसे पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल. संतोष ने संबोधित किया। पार्टी नेताओं ने एक बार फिर दिल्ली की सातों लोकसभा सीटें जीतने का दावा किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को नसीहत देते हुए कहा कि वह निश्चिंत ना हों और अपनी तैयारियों में कोई कोर कसर ना छोड़ें। बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई। बैठक को दिल्ली प्रदेश प्रभारी बैजयंत जय पांडा, प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन राणा समेत अन्य वरिष्ठ भी विजय हासिल करनी है।

भाजपा नेता ने कहा ?कि विकसित भारत अभियान और बूथ सशक्तिकरण अभियान को सफल बनाने के लिए भी हमें पूरी मेहनत करनी है और दिल्ली के सभी 13,000 से अधिक बूथों की संगठात्मक भागीदारी सुनिश्चित करनी है। उन्होंने मोदी सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियानों और कार्यक्रमों की सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि जिन कार्यकर्ताओं के संपर्क में अगर कोई स्कूल हो, तो वीर बलिदान दिवस के दिन उन स्कूलों में किसी कार्यक्रम का आयोजन करें। पिछले 70 सालों से हम सिर्फ चिल्ड्रंस डे मना रहे हैं, लेकिन बच्चों ने हमारे सामने क्या आदर्श प्रस्तुत किया है, इसकी जानकारी आज तक किसी ने नहीं दी।

बाबरी मस्जिद पर सब्र किया, ज्ञानवापी पर नहीं करेंगे: तौकीर रजा

–आइएमसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सड़क पर लड़ाई लड़ने की दी धमकी

लखनऊ (एजेंसी)। आइएमसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा ने कहा है कि बाबरी मस्जिद पर बहुत सब्र किया है लेकिन ज्ञानवापी पर जरा भी सब्र नहीं करेंगे। उन्होंने भड़काऊ बयान देते हुए कहा कि अबकी बार सड़क पर लड़ाई लड़ी जाएगी। यूपी में इस समय काशी- मथुरा का मुद्दा गरमाया हुआ है। लगातार कोर्ट में इन दोनों मुद्दों को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ी जा रही है। इसी बीच इत्तेहाद- ए- मिल्लत काउंसिल (आइएमसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा का यह भड़काऊ बयान सामने आया है। उन्होंने इस मामले में देश की सरकार को घेरने की कोशिश की है। उन्होंने लोगों के बीच धर्म की खाई पैदा करने का आरोप लगाया है। ज्ञानवापी मस्जिद मामले पर मौलाना तौकीर रजा ने कहा है कि देश में फूट डालो और राज करो की साजिश चल रही है। ज्ञानवापी पर हक को लेकर सड़कों पर लड़ाई होगी। मौलाना तौकीर राजा ने मौजूदा सरकार और पिछली सरकार को घेरते हुए कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। मुसलमानों को लेकर उन्होंने कहा कि हमें मोहताजी नहीं, हिस्सेदारी चाहिए। उन्होंने सीधे तौर पर केंद्र की मोदी और यूपी की योगी सरकार निशाना साधा है।

मौलाना तौकीर रजा ने कहा कि अंग्रेजों ने फूट डालो और राज करो वाली नीति अपनाई थी। देश पर राज किया। तौकीर रजा ने विवादित बयान देते हुए कहा कि अंग्रेजों के इस तरीके पर आज की सरकार हुकूमत कर रही है। अगर हमने उसके तरीके को पहचान लिया है तो तमाम गरीब, पिछड़ों को एकजुट होना चाहिए। मौलाना राजा ने कहा कि आज हिंदुस्तान में कानून को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। जब हुकूमत से फैसले होंगे, पुलिस खुलेआम एनकाउंटर करेगी। अदालतों तक जब बात नहीं पहुंचेगी, तो फिर कानून के राज पर सवाल खड़ा होता है। तौकीर रजा दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में तकरीर कर रहे थे।

तौकीर रजा ने कहा कि आज सवाल कानूनी संस्थाओं की अहमियत पर है। हम अदालतों की रक्षा के लिए खड़े हैं। हम कानून की हिफाजत के लिए खड़े हैं। ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर मौलाना तौकीर राजा ने कहा कि हमारी आस्था की भी अहमियत है। हमने बाबरी मस्जिद पर सब्र किया है। ज्ञानवापी पर सब्र नहीं करेंगे। यह लड़ाई सड़कों पर लड़ी जाएगी। हमारे वकील कोर्ट में इसकी लड़ाई लड़ेंगे। लेकिन, हम मुसलमान सड़कों पर इसको लेकर उतरेंगे। हमारी सत्ता में मोहताजी नहीं चाहिए। हमें हिस्सेदारी चाहिए। हम अपने लोगों का काम खुद करना चाहते हैं। हम तुम्हारे मोहताज नहीं रहना चाहते हैं।

नोएडा एनटीपीसी कार्यालय पर धरना दे रहे 35 किसान बीमार

नोएडा। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सेक्टर-24 स्थित एनटीपीसी के मुख्य कार्यालय पर धरना दे रहे हैं 35 महिला-पुरुष किसान ठंड लगने के चलते बीमार हो गए। उन्हें उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। किसानों के बीमार होने की सूचना के बाद जिला प्रशासन के हाथ पैर फूल गए। मौके पर पुलिस और जिला प्रशासन के आला अधिकारी पहुंच गए हैं। किसानों में एनटीपीसी और प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि इनकी लापरवाही के चलते किसानों की हालत खराब हुई है। भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने बताया कि 24 गांवों के किसानों द्वारा कल से भारतीय किसान परिषद के बैनरतले सेक्टर-24 स्थित एनटीपीसी के मुख्य कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना चल रहा है। उन्होंने बताया कि एनटीपीसी के अधिकारियों से सोमवार को वार्ता हुई थी, लेकिन वार्ता विफल रही। उनकी जो भी जायज मांग है उसे अधिकारी नहीं मान रहे है। धरने के दौरान देर रात को ठंड लगने से 35 किसान बीमार हो गए हैं। बीमार होने वालों में सर्वाधिक संख्या महिलाओं की है। शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ और समान मुआवजे की मांग को लेकर किसानों ने एनटीपीसी कार्यालय के बाहर कल से अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है।

NOTICE
I, Sukhjeet Singh S/o Kulwinder Singh R/O Village Nagal Thandal PO Ajnoha Tehsil Garshankar Hoshiarpur Punjab-144404 inform That Given Name Sukhjeet and surname Singh.

NAME CHANGE
I Harshita Shokeen D/o Babu Dayal, r/o H. No-457, Dichaon Kalan, Najafgarh, New Delhi-110043 have changed my Name from Harshita to Harshita Shokeen for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Mohd Aarif Son of Sh Hazi Mohd Ismail R/O House Number V-159, Gali No-18, V-Block, Vijay Park, Maujpur, North East, Delhi-110053, have changed my name Mohd Arif Ansari for all future purpose

NAME CHANGE
I, Mohd Javed Son of Mohd Aarif R/O House Number 159, Gali No-18, Vijay Park, Maujpur, North East, Delhi-110053, have changed my name Mohd Javed Ansari for all future purpose

NAME CHANGE
I, hitherto known as MUKESH KUMAR alias MUKESH SINGHAL S/o Ram Kumar residing at 53-A , U & V, West Shalimar Bagh, North West, Delhi - 110088 have changed my name and shall hereafter be known as MUKESH SINGHAL.

NAME CHANGE
I, PH DAIJIE RANI DEVI W/O MITHUN SUBHASHCHANDRA CHAKRABORTY R/O HOUSE NO.08, BLOCK NO.01, ARJAN VIHAR, DELHI CANTT, DELHI-110010 have changed my name to DAISY MITHUN CHAKRABORTY FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, SURENDER PAL KALONIA S/O NANU RAM residing at RZS-126 S-BLOCK NEW ROSHAN PURA NAJAFGARH DWARKA DELHI-110043 have changed my name to SURENDER PAL for all future purpose.

NAME CHANGE
I, KRISHNA KUMAR S/O SHIV SHANKAR PARSHAD residing at ADD-189 DUGRA GALI MAUJPUR DELHI-110053 have changed my name to KRISHNA KUMAR PREM for all future purpose.

NAME CHANGE
I, GEETA DEVI Wife of NO-14670075H Rank-HAV Name-RAM SAJIWAN VERMA R/O VILL-SHUKULPUR, POST-SANDWA CHANDIKA KISHUNGANJ, TEH-SADAR, DIST- PRATAPGARH, STATE-UTTAR PRADESH, PIN-230503 have changed my name from GEETA DEVI to GEETA VERMA for all future purposes vide Affidavit Dated 19/12/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SWITI ADIK SHINDE Wife of NO-17043389L Rank-CFN Name-BARKADE ABHIJEET SANJAY R/O AT-HARALI, TAL-KHANDALA, POST-DHAWADWADI, DIST-SATARA, STATE-MAHARASHTRA, PIN-412802 have changed my name from SWITI ADIK SHINDE to BARKADE SWITI ABHIJEET for all future purposes vide Affidavit Dated 19/12/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, KULVEER KAUR Mother of No. No-19004727N Rank-NK Name-RUPINDER SINGH presently residing at VILL-MEHRAMPUR, TEH-KHARAR, DIST-SAS NAGAR (MOHALI), PUNJAB-140110 have changed my name from KULVEER KAUR to KULBEER KAUR for all future purposes vide Affidavit Dated 19/12/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
This is to inform General Public that my client MS. NEETU GUPTA W/O MR. ABHISHEK GUPTA R/O 6, ALIPUR ROAD, CIVIL LINES, DELHI-110054, has purchased the property i.e. ENTIRE FIRST FLOOR AND ENTIRE SECOND FLOOR, with roof / terrace rights, having its area measuring 225 sq. yds. Approx. on each floor, being part of built-up property bearing No.D-46, situated at Old Gupta Colony, Village Rajpura Chhaoni, Delhi, alongwith the proportionate share of freehold land underneath from MRS. JOGINDER KAUR CHADHA, W/O S. MANJIT SINGH CHADHA R/O 1/18, 3rd FLOOR, MODEL TOWN-II, DELHI-110009 and my client is now absolute owner and in possession of the aforesaid property and anybody deals with the same, will do the same at his/her own risk and responsibilities.
Bhupinder Singh Saini (ADVOCATE)
En No.D-357/86
DELHI HIGH COURT
Off: Ch. No Y-25,Civil Wing.
Tis Hazari Courts, Delhi-110054

NAME CHANGE
I, SUPRIYA JWALA W/o No. GS-165451H Rank OFFICE SUPRINTENDENT Name PREM KUMAR, R/o VILL-BEGAMPUR PAR POKHARA, BEGAMPUR, BYPASS CHOKEE, PATNA (BIHAR)-800009 have changed my name from SUPRIYA JWALA to MANJU BALA for all future purposes. Vide Affidavit dated 09/12/2023 before Notary Delhi (India)

PUBLIC NOTICE
My client Shri Satbir S/o Sh. Mangat Ram R/o D-47, Aali Vihar, Sarita Vihar, New Delhi-110076 has debarred/ disowned his son Sanjeev Kumar from all his moveable/immovable properties and assets and severed all relations with him due to his misbehavior towards my client, my client shall not be responsible for any acts done by him in future
AJIT SINGH TOMAR Advocate
531, LAWYER'S CHAMBER BLOCK,
SAKET COURT,
NEW DELHI-110017

PUBLIC NOTICE
We, JAGBIR SINGH S/o Shri Shish Ram & Mrs. Sunita w/o Shri Jagbir Singh both R/o H.No. A-1, Laxman Puri, Vipin Garden, Uttam Nagar, New Delhi-110059 declare That we have disowned/debarred/discarded our daughter and son-in-law Ms. Monika her husband Mr. Ravi respectively all our movable and immovable property/assets and has also ceased all relations in very respect and it is further declared that any person whosoever deals with him/them shall do entirely at his/their own costs and risks and responsibilities. That we are disowning our above named daughter and son-in-law, with own sweet will and without any pressure, coercion or undue influence. That if the above said persons will involve in any criminal activity in future then we will not be responsible.

NAME CHANGE
I, HITHERTO TO KNOWN AS NAVDEEP KUMAR SON OF LATE SH RAJKUMAR RESIDING AT 114/B5 3RD FLOOR SECTOR 7 ROHINI NEW DELHI 110085, HAVE CHANGES MY NAME AND SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS NAVDEEP VINAYAK.I ALSO UNDERTAKE THAT NAVDEEP KUMAR AND NAVDEEP VINAYAK IS THE NAME OF SAME PERSON. IT IS CERTIFIED THAT I HAVE COMPLIED WITH OTHER LEGAL REQUIREMENTS IN THIS CONNECTION.

PUBLIC NOTICE
MY CLIENT JAI PAL SINGH (A/N 9133 9065 0028) S/O LATE SH. SANGAT RAM, AGE 65 YEARS PRESENTLY RESIDED AT K-468-469, DAKSHIN PURI EXTN., NEW DELHI-110062 DISOWNING OUR BOTH SON'S AND DAUGHTER-IN-LAW NAMELY JITENDRA KUMAR SINGH (A/N 9365 3180 8981) AGE 39 YEARS AND HIS WIFE SIMPAL KUMARI (A/N 5836 3052 2982) AGE 33 YEARS AND SURENDER KUMAR (A/N 3134 7790 5970) AND HIS WIFE JYOTI (A/N 8818 5121 0266) PRSENTLY RESIDING K-468-469, DAKSHIN PURI EXTN., NEW DELHI-110062 AT THEIR RESPECTIVE FLOORS FROM OUR ALL MOVABLE AND IMMOVABLE PROPERTIES WHICH IS HERE OR ANYWHERE OF HIS FREE WILL AND CONSENT AS DUE TO CERTAIN ISSUES, PERSONAL DIFFERENCES, IRREGULAR BEHAVIOUR AND WAS NOT ACCORDING TO HIM. THE ABOVE NAMED SON'S AND HIS WIVES IS BEYOND HIS CONTROL AND SUPERVISION. ANY CRIMINAL OR CIVIL ACT DONE BY THEM WHICH EVEN INCLUDE MONEY, PROPERTY, EMOTIONAL ACTIVITIES IS NOT RELATED TO ME. I AM NOT LEGALLY RESPONSIBLE FOR ANY CLAIM MADE BY THEM OF ANY KIND.
NISCHAL SHARMA
ADVOCATE
101, CENTRAL MARKET DAKSHIN
PURI NEW DELHI-110062

स्वामी सम्पूर्णानंद पहुंचे रमेश सैनी के निवास पर

करनाल। आर्य जगत के जाने माने विद्वान तथा आर्य गुरुकुल नली खुर्द के प्रमुख स्वामी सम्पूर्णानंद जी आज कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव रमेश सैनी के निवास पर पहुंचे। उन्होंने सैनी का हाल चाल जाना। सैनी का पिछले दिनों कांग्रेस की बैठक से लौटते समय जोरदार एक्सीडेंट हो गया था। इससे उनकी कई पसलियां टूट गई थीं। उसके बाद वह अपने निवास पर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। उनको देखने के लिए आने वालों का तांता लगा हुआ हैं। उन्हें देखने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री भपेंद्र सिंह हुड्डा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी,पूर्व विधायक करण सिंह दलाल, सुमिता सिंह,पूर्व स्पीकर कुलदीप शर्मा, पूर्व सासंद गुरदयाल सैनी, पूर्व मंत्री भीम सैन मैहता, कांग्रेस के जिला संयोजक त्रिलोचन सिंह, कांग्रेस के प्रवक्ता गोपाल नारसर, हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष आजाद सिंह के साथ साहित्यकार पत्रकार राजनेता पहुंच रहे हैं। स्वामी सम्पूर्णनंद ने उनको जल्द सही होने की दुआ दी। तथा हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने करनाल और प्रदेशकी राजनीति पर चर्चा की। स्वामी जी ने लोकसभा और विधानसभा के चुनावों को लेकर चर्चा की। इस अवसर पर दिलबाग सिंह भी उपस्थित थे।

बाढड़ा हल्के के घसौला गांव में बनेगा दादरी जिले का मेडिकल कॉलेज, विस सत्र में सीएम मनोहर लाल ने की घोषणा-नैना चौटाला

चंडीगढ / चरखी दादरी- दादरी जिले में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज का निर्माण बाढड़ा विधानसभा क्षेत्र के गांव घसौला में करवाया जाएगा। प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा गांव घसौला में मेडिकल कॉलेज के लिए भूमि का चयन किया गया था। जिसे मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। जल्द ही दादरी में मेडिकल कॉलेज का निर्माण करवा दिया जाएगा। यह घोषणा आज प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने विधानसभा सत्र में दादरी मेडिकल कॉलेज के बारे में जानकारी देते हुए की।

उल्लेखनीय है कि हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र 2022-23 के दौरान मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने दादरी जिले में राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय बनाने की घोषणा की थी। विभाग द्वारा चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना के लिए भूमि चयन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। दादरी जिला में मेडिकल कॉलेज के निर्माण के लिए भिवानी-महेंद्रगढ़ से सांसद धर्मवीर सिंह ने गांव बिरहीं कलां में 102 एकड़ निशुल्क भूमि देने का प्रस्ताव प्रदेश सरकार के सामने रखा था। इसके अतिरिक्त विधायक नैना सिंह चौटाला ने भी गांव घसौला की 102 एकड़ भूमि मेडिकल कॉलेज बनाने के लिए निशुल्क देने के लिए ग्राम सभा का प्रस्ताव प्रदेश सरकार के सम्मुख रखा था। चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के पत्र पर कार्यवाही करते हुए जिला प्रशासन द्वारा मेडिकल कॉलेज के लिए प्रस्तावित गांव घसौला बिरहीं कलां, छप्पार, हुड्डा सेक्टर 10 तथा गांव मकडाना की जमीनों का निरीक्षण किया गया। विधायक नैना सिंह चौटाला ने बताया कि प्रदेश सरकार ने दादरी जिले को बड़ी सौगात देते हुए गांव घसौला में ग्राम पंचायत द्वारा निशुल्क दी गई 102 एकड़ जमीन को उपयुक्त मानते हुए स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। विधायक नैना सिंह चौटाला ने बताया कि दादरी जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हो जाने से जिले के विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि जल्द ही प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल से मिलकर मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्य को शुरू करवाने के लिए आवश्यक बजट भी स्वीकृत करवाया जाएगा।

पीएम के सपने को साकार करने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा का किया जा रहा है आयोजन:उमा

कुरुक्षेत्र। जिला परिषद की निर्वतमान अध्यक्षा उमा सुधा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को साकार करने के लिए विकसित भारत संकल्प एवं जनसंवाद यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह संकल्प यात्रा प्रदेश के हर जिले के वार्ड व गांवों में पहुंच कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने और वंचित पात्र व्यक्ति को मौके पर ही लाभ दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रयासों से समाज के अंतिम व्यक्ति को घर बैठे सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। सरकार की योजनाओं से वंचित लोगों को भी लाभ देने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प एवं जनसंवाद यात्रा एक मील का पत्थर साबित होगी।

निर्वतमान अध्यक्षा सोमवार को थानेसर के डेरा संता सिंह में विकसित भारत जनसवांद संकल्प यात्रा के दौरान आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों को सम्बोधित कर रही थी। इससे पहले निर्वतमान अध्यक्षा उमा सुधा व गांव के सरपंच अरशदीप सिंह ने विकसित भारत संकल्प एवं जनसंवाद यात्रा का जोरदार स्वागत किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समावेशी विकास की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री

मनोहर लाल ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून व्यवस्था, महिला सशक्तिकरण, युवा उत्थान और अंत्योदय को हासिल करने के लिए अनेक योजनाएं शुरू की। सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर व्यवस्था परिवर्तन किया है। बी.पी.एल. परिवारों के लिए आय सीमा 1.20 लाख से बढ़ाकर 1.80 लाख सालाना की गई है। उन्होंने आयुष्मान भारत, चिरायु योजना, निरोगी हरियाणा योजना, सामाजिक सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री अत्योदय परिवार उत्थान योजना आदि की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि समाज की सेवा सबसे पहला कार्य है, जरूरतमंद व्यक्ति का कार्य समय रहते और समय पर हो जाए इससे ज्यादा बडी बात नहीं हो सकती है। केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेश में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य लगातार किए जा रहे है और सम्बन्धित व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। गांव अभिमन्युपुर व डेरा संत नगर में सैंकडों लोगों ने एलईडी वैन के जरिए हरियाणा व राज्य सरकार की उपलब्धियों को डॉक्यूमेंट्री फिल्मों को देखा। इस फिल्मों के जरिए लोगों को सरकार की तमाम उपलब्धियों और योजनाओं की जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में ही ड्रोन प्रणाली से नैनो खाद का प्रयोग करने की प्रक्रिया को भी बारीकी से देखा। इस कार्यक्रम में मेरी कहानी मेरी जुबानी के तहत विभिन्न विभागों के लाभार्थियों ने अपनी सफलता की कहानी के अनुभवों को भी साझा किया। इस दौरान दर्जनों लोगों ने विभिन्न विभागों के स्टॉलों से योजनाओं की जानकारी हासिल की और योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन भी दिया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रयासों से समाज के अंतिम व्यक्ति को घर बैठे सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की तमाम योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का 100 फीसदी लाभ पहुंचाने की गारंटी लेकर यात्रा थानेसर विधानसभा के गांव अभिमन्युपुर व डेरा संतनगर में पहुंची है। इस यात्रा के दौरान योजनाओं से वंचित लोगों को लाभ दिया जा रहा है। यह एक अनूठी यात्रा है और इस यात्रा के सार्थक परिणाम भी सामने मिलेंगे। इस अवसर पर मास्टर बलदेव, बीडीपीओ अमित कुमार, ग्राम सचिव सुरेन्द्र, दिलबाग सहित भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

निर्वतमान अध्यक्षा सोमवार को थानेसर के डेरा संता सिंह में विकसित भारत जनसवांद संकल्प यात्रा के दौरान आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों को सम्बोधित कर रही थी। इससे पहले निर्वतमान अध्यक्षा उमा सुधा व गांव के सरपंच अरशदीप सिंह ने विकसित भारत संकल्प एवं जनसंवाद यात्रा का जोरदार स्वागत किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ भी दिलाई।

संस्कारों और संस्कृति को सहेजने का काम कर रहा है अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव:बतान

कुरुक्षेत्र। भाजपा के जिला अध्यक्ष रवि बतान ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव देश की प्राचीन संस्कृति और संस्कारों को सहेजने का काम कर रही है। इस महोत्सव के मंच पर रामलीला जैसे कार्यक्रमों का मंचन निश्चित तौर पर युवाओं के जहन में एक नई ऊर्जा का संचार करेंगे। यह महोत्सव निश्चित ही युवा पीढ़ी को एक नई दिशा और राह दिखाने का काम कर रहा है।

भाजपा जिलाध्यक्ष रवि बतान सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में ब्रहमसरोवर पुरुषोत्तमपुरा बाग में मुख्य मंच पर श्रीमद्भगवद गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इससे पहले भाजपा के जिलाध्यक्ष रवि बतान, हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष धुमन सिंह किरमच, भाजपा के वरिष्ठ नेता महेश पार्चा, स्कूल प्रबंधक कमेटी के सदस्य एवं केडीबी सदस्य अशोक रोशा ने दीपशिखा प्रज्वलित

करके सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड की तरफ से मेहमानों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्कूल के विद्यार्थियों ने रामलीला की प्रस्तुति दी और इस प्रस्तुति की सभी पर्यटकों ने खूब सराहना की है।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रयासों से ही गीता जयंती को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मुकाम हासिल हुआ। इस महोत्सव को अब देखने के लिए हर वर्ष लाखों लोग पहुंचते है। यह महोत्सव आमजन का महोत्सव बन चुका है। इस महोत्सव का इंतजार प्रदेश का हर व्यक्ति करता है। इस महोत्सव के कारण कुरुक्षेत्र के छोटे व्यापारियों को आर्थिक रुप से फायदा होता है और पर्यटन की दृष्टि से भी कुरुक्षेत्र का विकास तेज गति के साथ हो रहा है। यह महोत्सव छिपी प्रतिभाओं को एक मंच उपलब्ध कर रहा है और इस मंच पर प्राचीन संस्कृति और संस्कारों को संरक्षित करने का काम भी किया जा रहा है।

दिग्विजय चौटाला ने देश की सबसे बड़ी ग्रामीण क्रिकेट कॉस्को टूर्नामेंट की ट्रॉफी लॉन्च की

चंडीगढ़। देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की स्मृति में आगामी दो जनवरी से कॉस्को बॉल ग्रामीण क्रिकेट प्रतियोगिता के आगाज का होने जा रहा है। यह प्रतियोगिता देश की सबसे बड़ी ग्रामीण क्रिकेट कॉस्को प्रतियोगिता होगी। सोमवार को जेजेपी के प्रदेश प्रधान महासचिव दिग्विजय सिंह चौटाला ने इस टूर्नामेंट की ट्रॉफी को लॉन्च किया है। जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला इस क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ करेंगे। इस टूर्नामेंट में विजेता टीमों को लाखों रुपए के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। सैकड़ों टीमें इस खेल प्रतियोगिता में भाग लेगी। जेजेपी प्रधान महासचिव दिग्विजय चौटाला ने कहा कि जेजेपी राजनीतिक क्षेत्र के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र में भी अपना दायित्व बखूबी से निभा रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में खेल को बढ़ावा देने के लिए जेजेपी क्रिकेट की बड़ी प्रतियोगिता सिरसा जिले के गांव चौटाला, रिसालियाखेड़ा, खारियां और माधोसिंघाना में आयोजित करवाने जा रही है। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि इससे पहले इतनी बड़ी कभी भी ग्रामीण स्तर पर क्रिकेट कॉस्को टूर्नामेंट नहीं हुई। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि प्रतियोगिता में न केवल ग्रामीण आंचल से बल्कि शहरों के प्रत्येक वार्डों से भी बड़े पैमाने पर टीमों के पंजीकरण किए जाने के लिए अभी से आवेदन आने लगे हैं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के आगाज के दौरान अनेक दिग्गज पंजाबी कलाकार भी खिलाड़ियों के मनोरंजन के लिए अपना कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। आगामी 21 से 23 दिसंबर तक इच्छुक टीमें सिरसा चौटाला हाऊस पर पंजीकरण करवा सकते हैं। इस विशाल क्रिकेट प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार तीन लाख रुपए का दिया जाएगा जबकि दूसरे व तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों

को क्रमशः दो लाख और 51 हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। प्रतियोगिता में चौथे स्थान पर रहने वाली टीम को भी 51 हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। प्रतियोगिता में मैन ऑफ द टूर्नामेंट में बुलेट बाईक, बेस्ट बॉलर व बेस्ट बल्लेबाज को क्रमशः 21-21 हजार का पुरस्कार दिया जाएगा। वहीं फाइनल मैच में श्रेष्ठ खिलाड़ी को 5100 रुपए का पुरस्कार दिए जाने का प्रावधान किया गया है।

एक पहल आओ अपने क्लस्टर को मॉडल बनाएं के तहत मिला सम्मान

करनाल। जिला करनाल में एफएलएन कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए एक पहल की गई। जिला शिक्षा अधिकारी राजपाल चौधरी ने क्लस्टर स्तर पर मेंटर, शिक्षक और सीआरसी को उनके अच्छे प्रयासों के लिए जिला स्तर पर सम्मानित किया। जिला समन्वयक विपिन कुमार के नेतृत्व में जिले में पायलट प्रोजेक्ट तीन माह के लिए क्रियान्वयन किया गया और आज आखिरी चरण के सम्मान पुरस्कार वितरण कर इस पहल का समापन किया गया।

पहले चरण से अब तक के चरण में चुने गए मॉडल क्लस्टर के रूप मे असंध ब्लॉक से जलमाना, पाढ़ा और बाहरी, निसिंग ब्लॉक से बस्तली, गोंदर और जुंडला, करनाल ब्लॉक से मंगलपुर और कुंजपुरा, नीलोखेड़ी ब्लॉक से

नीलोखेड़ी और अंजनथली, इंद्री ब्लॉक से उड़ाना, कलरी जागीर, घरौड़ा ब्लॉक से घरौंडा, देवीपुर, चौरा को सम्मानित किया गया। इस पहल के सफल क्रियान्वयन में जिला समन्वयक विपिन कुमार, मारग्रेट, इमरान और ब्लॉक स्तर के सभी समन्वयकों ने अहम भूमिका अदा की। इस मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी राजपाल चौधरी ने कहा कि एफएलएन शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। किसी भी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मिलजुल कर काम करना बेहद जरूरी है। उन्होंने सम्मानित सीआरसी, शिक्षकों और मेंटर को शुभकामनाएं दी।

हरियाणा से हो रही है एथेनॉल और शराब की तस्करी, जहरीली शराब से मर रहे लोग: किरण चौधरी

चंडीगढ़। जहरीली शराब पर कांग्रेस विधायक एवं पूर्व मंत्री किरण चौधरी ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में कहाकि दुर्भाग्य की बात है कि प्रदेश में एक के बाद एक जहरीली शराब से मौत हो रही हैं। सरकार इसमें कुछ भी नहीं कर रही हैं। किरण चौधरी ने सरकार से जानना चाहा कि जहरीली शराब जिन जगहों में बनती है उनके एरिया में एक्साइज और पुलिस के लोगों पर क्या कार्रवाई की गई है। किरण ने कहाकि डिस्टलरीज में जीपीएस सिस्टम क्यों नहीं लगाए गए हैं। अगर लगाए जाते तो मॉनिटरिंग भी होती। जब भी शराब की गाड़ी फैक्ट्री से निकलती है तो गाड़ियों पर लगे जीपीएस से पता चलता रहता कि कहीं कोई गड़बड़ी तो नहीं हो रही। लेकिन, गड़बड़ी होने दी जा रही हैं। किरण ने कहाकि हरियाणा से शराब की खुले तौर पर तस्करी हो रही है। हरियाणा की शराब अवैध तौर पर कई राज्यों में पकड़ी गई है। बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, दिल्ली, गुजरात से हजारों पेटियां पकड़ी गई हैं। उन्होंने कहा कि फ्लो मीटर काम नहीं कर रहे अगर सरकार ने प्रबंध किए हैं तो फिर शराब की तस्करी कैसे हो रही है।

किरण चौधरी ने कहा शराब के मामले में स्टैंडिंग ऑपरेटिंग प्रोसीजर नहीं अपनाया जा रहा है। एथेनॉल की तस्करी हो रही है। इसी से जहरीली शराब बनती है। गरीब परिवार के लोग अवैध शराब का ज्यादा सेवन करते हैं। जिससे वे ज़हरीली के कारण अपना जीवन खो बैठते हैं।

प्रदेश सरकार के पर्यटन विभाग की यूनिट अब कमाने लगी है मुनाफा-अरविंद

कुरुक्षेत्र। हरियाणा पर्यटन विभाग के चेयरमैन डा. अरविंद यादव ने कहा कि राज्य सरकार की नीतियों के कारण अब पर्यटन विभाग की सभी यूनिट मुनाफा कमाने लगी है। इस सरकार के कार्यकाल में पर्यटन विभाग ने एक नया स्वरूप धारण किया है। इस प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार की कई योजनाएं पाइप लाइन में है। इन योजनाओं को शीघ्र ही अमलीजामा पहनाने का काम किया जाएगा। अहम पहलू यह है कि अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 22 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के संत सम्मेलन में शिरकत करने के लिए पहुंच रहे है। चेयरमैन डा. अरविंद यादव सोमवार को देर सायं अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में शिरकत करने के लिए पहुंचे। चेयरमैन ने केडीबी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने पर्यटन विभाग को एक नया रुप देने का काम किया है। इस सरकार की नीतियों के कारण पर्यटन विभाग से जुड़ी सभी संस्थाए लाभ में पहुंच चुकी है। इन संस्थाओं को ओर आगे बढ़ाने के लिए सरकार की तरफ से कई योजनाएं तैयार की गई है। इन योजनाओं को मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रयासों से शीघ्र ही अमलीजामा पहनाने का काम किया जाएगा। इस सरकार की नीतियों के कारण पर्यटन विभाग ने एक नया मुकाम हासिल किया है। इतना ही नहीं कुरुक्षेत्र को भी पर्यटन की दृष्टि से

विकसित करने का काम किया जा रहा है। इस गीता स्थली ज्योतिसर में करोड़ों रुपए की लागत से महाभारत थीम पर आधारित प्रोजेक्ट को तैयार किया गया है। यह प्रोजेक्ट विश्व दर्शनीय होगा।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव हिंदुस्तान की ही नहीं पूरी दुनिया का महोत्सव बन चुका है। इस महोत्सव का शुभारंभ करने के लिए स्वयं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और मुख्यमंत्री मनोहर लाल पहुंचे। इस महोत्सव का आयोजन प्रदेश ही नहीं पूरी दुनिया में किया जा रहा है और लाखों लोग इस महोत्सव के साथ जुड़ चुके है। इस महोत्सव को देखने के लिए हर साल लाखों लोग पहुंचते है। इसी पावन धरा पर हजारों वर्ष पूर्व भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कर्म करने का संदेश देने के उद्देश्य गीता के उपदेश दिए, यह उपदेश आज भी पूर्णतः पूरे विश्व के लिए प्रासंगिक है। उन्होंने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम मंदिर का उद्घाटन करने जा रहे है। इस सरकार के कार्यकाल में भारत वर्ष में आर्थिक दृष्टि से खुब तरक्की की है, जिसके कारण आज भारत दुनिया की 5वीं नंबर की अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्द ही तीसरे नंबर पर पहुंच जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना और गारंटी है कि वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित देश के रुप में स्थापित करना है। इस उद्देश्य को लेकर सरकार विकसित भारत संकल्प एवं जनसंवाद यात्रा आमजन तक पहुंच रही है। इस यात्रा से आमजन को फायदा मिल रहा है। इससे यह स्पष्ट हो चुका है आने वाला समय भारत का है। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अशोक प्रधान, केडीबी सदस्य अशोक रोशा भी मौजूद थे।

लोगो को भारत विकसित संकल्प यात्रा से संतुष्ट करना हमारी प्राथमिकता : सांगवान

शाहबाद। भाजपा प्रदेश कार्यकारणी सदस्य रविन्द्र सांगवान ने कहा कि विकसित भारत संकल्प एवं जनसंवाद यात्रा हर समस्या का तोड साबित हो रही है। इस यात्रा का लाभ समाज के अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यवस्था परिवर्तन का परिणाम है कि सरकारी अधिकारी गांव-गांव जाकर पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दे रहे हैं। उनके कुशल नेतृत्व में मौजूदा प्रदेश सरकार ने अंत्योदय के मूल मंत्र के साथ विभिन्न प्रकार की सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे वास्तविक हकदार तक पहुंचाने का काम किया है। भाजपा प्रदेश कार्यकारणी सदस्य रविन्द्र सांगवान सोमवार को विकसित भारत संकल्प एवं जनसंवाद यात्रा के गांव फतेहगढ चम्मू व गांव शांति नगर में पहुंचने पर स्वागत करने उपरांत मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ जरूरतमंद नागरिकों तक पहुंचाने के लिए प्रदेश सरकार ने परिवार पहचान पत्र को क्रियान्वयन का सशक्त माध्यम बन गया है। क्षेत्रवासियों को सरल व सुगम माध्यम से सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए हरियाणा सरकार की ओर से शुरू की गई परिवार पहचान पत्र योजना का असर अब अब धरातल पर पर दिखाई देने लगा है। इसके अलावा उन्होंने अनेक सरकार की कल्याणकारी नीतियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के माध्यम से ना केवल लोगों की समस्याओं समाधान हो रहा है, सरकारी योजनाओं की पहुंच प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक हुई है। यह यात्रा ग्रामीण क्षेत्र का कायाकल्प करने में अहम साबित होगी और विकसित भारत के सपने को साकार करने में प्रत्येक व्यक्ति का योगदान होगा। उन्होंने कहा कि यात्रा में अब लोगों की उपस्थित बढ़ती जा रही है और उसी अनुसार लोगों को सुविधाएं उपलब्ध करवाने का प्रयास रहेगा।

अपनी और धरती मां की सेहत का ध्यान रखें-धनखड़

चंडीगढ़। अमृत काल में वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए अपनी और धरती मां की सेहत का ध्यान रखना जरूरी है। वर्तमान पीढ़ी के साथ आने वाली पीढ़ी का भी अहम योगदान रहेगा। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने बादली हलके के सिलाना, गिरधरपुर व रायपुर गांवों में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद कार्यक्रमों में उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए यह बात कही। श्री धनखड़ ने कहा कि पीएम मोदी के सशक्त नेतृत्व में देश प्रगति के पथ पर तेजी से अग्रसर है। भारत दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थ व्यवस्था ,सुरक्षा व रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर,आईटी, तकनीक व मेडिकल और कृषि व औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी देश के रूप उभर रहा है। पीएम मोदी का लक्ष्य अगले कुछ वर्षों में भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है। हमारा दायित्व बनता है कि हम अपनी सेहत और धरती मां की सेहत का ध्यान रखें। रासायनिक खादों पर निर्भरता कम करें और ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा दें। सरकार भी इसी दिशा में कार्य कर रही है।

- धारा 370 हटने और राम मंदिर बनने का सपना हुआ साकार

राष्ट्रीय सचिव श्री धनखड़ ने कहा कि युवा वर्ग बड़ी सोच और सपने के साथ लक्ष्य तय करें। हमने युवा व्यवस्था में सपना देखा था कि कश्मीर से धारा 370 हटे और अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो। इसके लिए बड़े स्तर पर प्रयास हुए और आज हम अपने सपने को साकार होते देख रहे हैं। केंद्र में भाजपा की मोदी सरकार ने धारा 370 हटा दी, माननीय सुप्रीम कोर्ट ने मुहर लगा दी। अयोध्या में श्रीराम का भव्य राम मंदिर बनकर तैयार हो रहा है और 22 जनवरी 2024 को भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा होगी। यह देशवासियों के लिए गौरव के पल होंगे। आज की युवा पीढ़ी वर्ष 2047 तक देश को दुनिया का सिरमौर राष्ट्र बनाने का सपना देखे और इस कार्य में मोदी के साथ संकल्प लेकर जुट जाएं।

--हमारा संकल्प विकसित भारत - बोले धनखड़

राष्ट्रीय सचिव श्री धनखड़ ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से हर लाभार्थी को उनके गांव में ही योजनाओं का लाभ देने की मोदी की गारंटी साकार हो रही है। प्रधानमंत्री स्वयं विकसित भारत संकल्प यात्रा की मॉनिटरिंग कर रहे हैं और बार बार लाभार्थियों से सीधा संवाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी एक -एक पात्र लाभार्थी के बारे में सोचते हैं और योजनाओं का लाभ पंहुचाने के लिए सजग हैं। हर पात्र नागरिक को आयुष्मान चिरायु योजना से ईलाज की गारंटी, फ्री रसोई गैस कनैक्शन, हर घर नल से जल, हर घर शौचालय जैसे कार्य होने से पात्र नागरिक सम्मान के साथ जीवनयापन कर रहे हैं।

गांव गांव पंहुच रहा मोदी की गारंटी का रथ

भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद कार्यक्रमों के तहत बादली हलके के सिलाना, गिरधरपुर व रायपुर गांवों में लाभार्थियों से सीधा संवाद करते कहा कि मोदी-मनोहर सरकार हर लाभार्थी तक गांव - गांव पंहुच रही है। उन्होंने कहा कि पहले लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ते थे। अब मोदी के सेवाकाल में अधिकारी योजनाओं का लाभ देने के लिए मोदी की गारंटी का रथ लेकर गांव-गांव आ रहे हैं। मोदी की सोच है कि हर पात्र व्यक्ति को लोक हितैषी योजनाओं का लाभ मिलना सुनिश्चित हो। राष्ट्रीय सचिव ने कार्यक्रम में स्टॉलों का अवलोकन किया, पात्र महिलाओं को गैस कनैक्शन सौंपे, विकसित भारत बनाने के संकल्प की शपथ दिलाई और सराहनीय कार्य करने वाले नागरिकों व छात्रों को सम्मानित किया।

इस दौरान क्षेत्र की सरदारी, रोहतक लोकसभा संयोजक आनंद सागर, प्रवक्ता विकास बाल्मिकी, मंडल अध्यक्ष भीष्मपाल कुलाना व संदीप हसनपुर,मनीष नंबरदार, अनिल मातनहेल,राकेश सरपंच, नरेंद्र सरपंच, सोनू सरपंच, रामेश्वर सरपंच,चरण सिंह, सुनील, पिन्नु, मेहर सिंह,दीप बामनौला, श्रीभगवान, सतीश तुंबाहेड़ी,गुड्डू पाटौदा, समशेर,करतार सिंह, हरेंद्र सुबाना, मांगेराम, रविंद्र गिरधरपुर, दीप ठेकेदार, मनोज, अनूप, सुनील, अशोक, रोबीन, सुभाष, समस्त ग्राम पंचायत व प्रशासन की ओर से सीईओ जिप डॉ सुभिता ढ़ाका, एसडीएम विशाल कुमार, ओएसडी टू डीसी अंकित कुमार एचसीएच, बीडीपीओ उमेद सिंह, पूजा शर्मा व राहुल सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

जनधन योजना से अब तक 51 करोड़ लोगों को हुआ लाभः वित्त मंत्रालय

- योजना के कुल लाभार्थियों में से 55.5 प्रतिशत महिलाएं हैं

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) ने बैंकिंग सेवाओं से वंचित नागरिकों के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और इससे अब तक लगभग 51 करोड़ लोगों को लाभ हो चुका है। पीएमजेडीवाई को 28 अगस्त, 2014 को वित्तीय समावेश के लक्ष्य के साथ शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य बैंक सुविधा से वंचित हर वयस्क को बैंक सुविधाओं और बुनियादी बैंक खातों तक पहुंच मुहैया कराना था। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा है कि इस योजना के कुल लाभार्थियों में से 55.5 प्रतिशत महिलाएं हैं। मंत्रालय के मुताबिक 22 नवंबर तक इन खातों में कुल 2.10 लाख करोड़ रुपये जमा थे। हालांकि इस योजना के तहत खोले गए कुल 4.30 करोड़ खातों में शून्य राशि ही जमा थी। इसकी वजह यह है कि जनधन खातों में कोई भी न्यूनतम राशि रखने की बाध्यता नहीं है। मंत्रालय ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत दिए गए दो लाख रुपये के दुर्घटना बीमा से 41 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को फायदा पहुंचा है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना ने 18 करोड़ से अधिक लाभार्थियों और उनके परिजनों को लाभान्वित किया है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सुधार की पहल से पारदर्शी और स्मार्ट बैंकिंग के जरिये ग्राहकों की पहुंच और संतुष्टि सुनिश्चित की जा रही है। इसके मुताबिक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) की शुद्ध गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) मार्च 2023 में घटकर 1.36 लाख करोड़ रुपये (0.95 प्रतिशत) रह गई जबकि पहले यह 2.04 लाख करोड़ रुपये (1.67 प्रतिशत) थी।

वेदांता ने 2023 के चौथे डिविडेंड का ऐलान किया

- निवेशकों को दिया 11 रुपये का डिविडेंड

नई दिल्ली ।

अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांत लिमिटेड ने 2023 के चौथे डिविडेंड का ऐलान किया है। वेदांत ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 1 रुपये की फेस वैल्यू पर 1100 फीसदी डिविडेंड का ऐलान किया है। कंपनी हर शेयर पर 11 रुपये का डिविडेंड देगी। स्टॉक एक्सचेंज की फाइलिंग में कंपनी ने बताया कि उसने 4,089 करोड़ रुपये के डिविडेंड के भुगतान के लिए 27 दिसंबर, 2023 की तारीख को रिकॉर्ड तिथि के लिए निर्धारित किया है। 18 दिसंबर को कंपनी के बोर्ड ऑफ डॉयरेक्टर्स की मीटिंग में दूसरे अंतरिम डिविडेंड को मंजूरी दी गई। इसके तहत कंपनी ने 1 रुपए के फेस वैल्यू पर 11 रुपए प्रति शेयर का ऐलान किया। इसका मतलब यह है कि वेदांत लिमिटेड में निवेश करने वाले शेयरहोल्डर्स जितने भी शेयर खरीदे होंगे, उन्हें वेदांत की तरफ से 11 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से डिविडेंड मिलेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक 14 दिसंबर को कंपनी द्वारा अंतरिम डिविडेंड घोषित करने के बाद से वेदांत के शेयरों में लगभग 4 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। 18 दिसंबर को बीएसई पर कंपनी के शेयर 1.34 फीसदी चढ़कर 260.60 के लेवल पर बंद हुए। वहीं एनएसई पर भी कंपनी के शेयरों में 3.80 अंकों का उछाल देखने को मिला। कंपनी के शेयर 1.48 फीसदी उछलकर 261 रुपये पर बंद हुए। गौरतलब है कि वेदांत लिमिटेड 2023 में शेयरहोल्डर्स को 3 डिविडेंड दे चुकी है। पहला डिविडेंड कंपनी ने 23 जनवरी को दिया था। कंपनी ने प्रति शेयर पर 12.50 रुपये का डिविडेंड दिया था। इसके बाद 23 मार्च को 20.50 रुपये का डिविडेंड और 18 मई को 18.50 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड दिया गया था।

चालू विपणन वर्ष में चीनी उत्पादन 11 फीसदी कम हुआ

नई दिल्ली ।

चालू विपणन वर्ष की एक अक्टूबर से 15 दिसंबर के दौरान भारत में चीनी उत्पादन सालाना आधार पर 11 फीसदी कम होकर 74.05 लाख टन रह गया। इसका मुख्य कारण महाराष्ट्र और कर्नाटक में कम उत्पादन है। एक उद्योग संगठन इस्मा ने यह जानकारी दी। चीनी विपणन वर्ष अक्टूबर से सितंबर तक होता। भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) के अनुसार चालू विपणन वर्ष 2023-24 में 15 दिसंबर तक चीनी उत्पादन 74.05 लाख टन तक रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 82.95 लाख टन था। चालू कारखानों की संख्या सालाना आधार पर 497 ही है। इस्मा के अनुसार इस वर्ष महाराष्ट्र और कर्नाटक की चीनी मिल में पिछले वर्ष की तुलना में करीब 10-15 दिन बाद काम शुरू हुआ। उत्तर प्रदेश में चीनी उत्पादन विपणन वर्ष 2023-24 के 15 दिसंबर तक बढ़कर 22.11 लाख टन हो गया, जबकि एक साल पहले समान अवधि में यह 20.26 लाख टन था। इस्मा के आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन 33.02 लाख टन से घटकर 24.45 लाख टन रह गया। कर्नाटक में उत्पादन 19.20 लाख टन से घटकर 16.95 लाख टन हो गया। इस्मा ने पिछले हफ्ते अनुमान लगाया था कि विपणन वर्ष 2023-24 में कुल चीनी उत्पादन 325 लाख टन होने की उम्मीद है। देश के पास 56 लाख टन का भंडारण है। खपत 285 लाख टन रहने का अनुमान है। घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने और कीमतों पर रोकथाम करने के लिए सरकार ने चालू विपणन वर्ष में चीनी निर्यात की अनुमति नहीं दी है। विपणन वर्ष 2022-23 में भारत ने 64 लाख टन चीनी का निर्यात किया था।

सरकार ने डीजल और कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स घटाया

- नई टैक्स दरें मंगलवार 19 दिसंबर से लागू

नई दिल्ली ।

सरकार ने देश में उत्पादित कच्चे तेल और डीजल के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स में उल्लेखनीय कटौती की है। एक ऑफिशियल नोटिफिकेशन के अनुसार घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाने वाला कर 5,000 रुपये प्रति टन से घटाकर 1,300 रुपये कर दिया गया है। डीजल के निर्यात पर एसएईडी को 1 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 0.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। हालांकि जेट ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर लेवी पहले के शून्य से बढ़ाकर 1 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। पेट्रोल पर एसएईडी शून्य रहेगा। नई टैक्स दरें मंगलवार 19 दिसंबर से लागू हो गई है। भारत ने पहली बार पिछले साल 1 जुलाई को विंडफॉल टैक्स लगाया था और यह उन देशों की बढ़ती संख्या में शामिल हो गया है जो ऊर्जा कंपनियों के असाधारण मुनाफे पर कर लगाते हैं। पिछले दो सप्ताह में तेल की औसत कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े कर दरों की समीक्षा की जाती है। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल और उत्पाद की कीमतों में उतार-चढ़ाव के आधार पर बिंडफाल टैक्स में पाक्षिक संशोधन होता है। इससे पहले 1 दिसंबर को सरकार ने कच्चे पेट्रोलियम पर विंडफॉल टैक्स को 6,300 रुपये प्रतिटन से घटाकर 5,000 रुपये प्रतिटन करने की घोषणा की थी। इसके अलावा 16 नवंबर को पिछली समीक्षा के दौरान, सरकार ने कच्चे पेट्रोलियम पर विंडफॉल टैक्स को 3,500 रुपये से घटाकर 9,800 रुपये प्रति टन से 6,300 रुपये प्रति टन कर दिया था। यह वैश्विक स्तर पर तेल कीमतों में गिरावट के रुझान के अनुरूप था।

भारत की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में 6.3 फीसदी की दर से बढ़ेगीः आईएमएफ

नई दिल्ली ।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सोमवार देर रात कहा कि देश भारत की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष में 6.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। आईएमएफ ने एक परामर्श रिपोर्ट में कहा` कि देश का डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा और एक मजबूत सरकारी बुनियादी ढांचा कार्यक्रम विकास को बनाए रखना जारी रखेगा। आईएमएफ की यह रिपोर्ट देश के वर्तमान और मध्यम अवधि के आर्थिक दृष्टिकोण की समीक्षा करती है। आईएमएफ ने कहा कि यदि व्यापक सुधार लागू किए जाते हैं, तो श्रम और मानव पूंजी के अधिक योगदान के साथ भारत में और भी अधिक विकास की संभावना है। 31 मार्च, 2024 को समाप्त होने वाले चालू वित्तीय वर्ष के लिए आईएमएफ का विकास अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 7 प्रतिशत पूर्वानुमान से कम है। आईएमएफ ने कहा कि महंगाई धीरे-धीरे लक्ष्य तक कम होने की उम्मीद है। हालांकि खाद्य कीमतों के झटके के कारण यह अस्थिर बनी हुई है। अस्थिर खाद्य कीमतों ने नवंबर में खुदरा महंगाई को पिछले महीने के 4.87 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.55 प्रतिशत कर दिया।

जबकि यह आरबीआई के 2 प्रतिशत-6 प्रतिशत के सहनशीलता बैंड के भीतर था, यह 4 प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर बना हुआ है।

दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल के लिए एडीबी 25 करोड़ डॉलर का कर्ज देगा

नई दिल्ली । एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने दिल्ली और मेरठ रीजनल रैपिड रेल (आरआरटीएस) गलियारे बनाने और औद्योगिक गलियारे को विकसित करने के लिए 25-25 करोड़ डॉलर के दो कर्जों को स्वीकृति दी है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 82 किलोमीटर लंबे आरआरटीएस गलियारे को बनाने के लिए एडीबी 25 करोड़ डॉलर उपलब्ध कराने जा रहा है। एडीबी ने वर्ष 2020 में आरआरटीएस के निर्माण के लिए 104.9 करोड़ डॉलर का वित्तपोषण कई चरणों में उपलब्ध कराने पर सहमति जताई थी। पहली किस्त में 50 करोड़ डॉलर का कर्ज दिया था। वित्त मंत्रालय में संयुक्त सचिव जूही मुखर्जी ने कर्ज समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद कहा कि इस निवेश से आरआरटीएस शहरी परिवहन में सुधार ला पाएगा और इससे महिलाओं एवं दिव्यांगों को भी आर्थिक लाभ होंगे। एडीबी ने विनिर्माण को अधिक प्रतिस्पर्द्धी बनाने और राष्ट्रीय आपूर्ति श्रंखला को सशक्त करने के लिए औद्योगिक गलियारा विकास के लिए भी 25 करोड़ डॉलर के एक कर्ज को मंजूरी दी है। इस सबप्रोग्राम-2 से परिवहन, लॉजिस्टिक एवं शहरी सुविधाओं से औद्योगिक गलियारों को लैस करने में मदद मिलेगी।

भारत का निर्यात इस वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों में 2.8 प्रतिशत घटा

- चीन, सऊदी अरब समेत प्रमुख पांच देशों का निर्यात बढ़ा

नई दिल्ली । भारत के निर्यात में इस वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों के दौरान 2.8 प्रतिशत की गिरावट आई है लेकिन प्रमुख 10 देशों में से पांच देशों सऊदी अरब, चीन, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड को निर्यात बढ़ा है। वाणिज्य मंत्रालय के संकलित आंकड़ों के अनुसार भारत के कुल वस्तु निर्यात में इन शीर्ष 10 देशों की हिस्सेदारी 49 फीसदी से अधिक है। भारत के तीसरे सबसे बड़े निर्यात मार्केट नीदरलैंड से अप्रैल-नवंबर के दौरान निर्यात सालाना आधार पर 9.6 प्रतिशत बढ़कर 13.5 अरब डॉलर हो गया। हालांकि नवंबर तक अलग-अलग देश-वार व्यापार के आंकड़े उपलब्ध नहीं थे। पहले सात महीने के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार निर्यात की वृद्धि को गति मुख्य तौर पर पेट्रोलियम उत्पादों सहित मशीनरी से मिली है भारत के चौथे सबसे बड़े निर्यात साझेदार चीन से सालाना आधार पर करीब 4 प्रतिशत बढ़कर 10.3 अरब डॉलर हो गया जबकि इस पड़ोसी देश को अप्रैल-जुलाई के दौरान निर्यात में गिरावट आई थी। हालांकि यह रुझान ऑस्ट्रेलिया के मामले में अगस्त के बाद पूरी तरह पलट गया। ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के मामले में सकारात्मक वृद्धि क्रमशः 14.6 प्रतिशत और 13.9 प्रतिशत हुई। इन देशों को निर्यात में वृद्धि पेट्रोलियम, वस्त्र, खाद्य उत्पादों की मशीनरी सहित अन्य वस्तुओं के कारण हुआ। सऊदी अरब को अप्रैल से नवंबर के दौरान निर्यात 2.2 प्रतिशत बढ़कर 7.1 अरब डॉलर हो गया। दूसरी तरफ, शेष पांच देशों को निर्यात गिर गया। इस क्रम में अमेरिका (-5.2 प्रतिशत), यूएई (-0.1 प्रतिशत), सिंगापुर (-1.87 प्रतिशत), बांग्लादेश (-14.1 प्रतिशत) और जर्मनी (-6.3 प्रतिशत) को निर्यात घटा था। इससे देश के कुल निर्यात में गिरावट आई। भारत का वस्तु निर्यात नवंबर में गिरकर नकारात्मक दायरे में आ गया था जबकि इससे पिछले महीने अक्टूबर में 11 महीनों के दौरान सबसे तेज गति से बढ़ा था। इससे वैश्विक मांग और असामान्य आर्थिक सुधार का संकेत मिलता है।

जेडईईएल विलय अनुरोध की तारीख बढ़ाने सहमत नहींः सोनी

नई दिल्ली । सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने कहा कि वह अभी तक जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जेडईईएल) के विलय के अनुरोध की समय सीमा बढ़ाने पर सहमत नहीं हुआ है। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) ने कहा कि वह जेडईईएल की अन्य महत्वपूर्ण समापन शर्तों को पूरा करने की योजना जानने को इच्छुक हैं। बयान में कहा गया कि जी के 17 दिसंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया को भेजे नोटिस में विलय की समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया गया। विलय की समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध इस बात को दर्शाता है कि वे एसपीएनआई, जी का विलय 21 दिसंबर 2023 की समय सीमा तक पूरा नहीं कर पाएंगे। कंपनी ने कहा कि एसपीएनआई को सभी मुद्दों पर अभी चर्चा करनी है और वह समय सीमा बढ़ाने के लिए अभी सहमत नहीं हुआ है। बयान के अनुसार हम जी के प्रस्ताव और वे अन्य महत्वपूर्ण समापन शर्तों को कैसे पूरा करेंगे यह जानने को इच्छुक है। जीईईएल से ताजा घटनाक्रम पर कोई तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 122 अंक , निफ्टी 34.45 अंक बढ़कर बंद

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। इसके साथ ही वैश्विक स्तर पर रिलायंस इंडस्ट्रीज में हुई खरीददारी से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 122.10 अंक करीब 0.17 फीसदी ऊपर आकर 71,437.19 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान ये 308.62 अंक उछलकर अपने शीर्ष स्तर 71,623.71 अंक पर पहुंच गया था। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी कारोबार के दौरान 86.4 अंक तकरीबन 0.40 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 21,505.05 अंक तक आया। अंत में यह 34.45 अंक तकरीबन 0.16 फीसदी बढ़कर 21,453.10 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल नेस्ले, एनटीपीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, पावर ग्रिड और बजाज फाइनेंस के शेयर ऊपर आये हैं।

दूसरी ओर विप्रो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व और मारुति के शेयर गिरे हैं। एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट बढ़त में जबकि हांगकांग का हैंगसेंग गिरा है। इसके अलावा यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में बढ़त रही। अमेरिकी बाजारों में सोमवार को बढ़त का माहौल देख गया। वैश्विक स्तर पर तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.30 फीसदी टूटकी 77.72 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने लगातार लिवाली के बाद गत दिवस 33.51 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों की वजह से बाजार मामूली बढ़त के साथ खुले और इसके बाद इक्विटी बेंचमार्क सूचकांकों ने जल्द ही बढ़त खो दी और अनिश्चित पूर्वाग्रह के साथ कारोबार करते देखा गया। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 71,569 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, लेकिन जल्द ही 71,304 के निचले स्तर तक फिसल गया।

जापान के केंद्रीय बैंक ने अपनी नकारात्मक ब्याज दर नहीं बदली

- बैंक ने कहा, ब्याज दर बढ़ाने से पहले कीमत तथा वेतन रुझानों पर नजर रखेगा

बैंकॉक । इ बैंक ऑफ जापान (बीओजे) ने अपनी ऋण नीति में मंगलवार को कोई बदलाव नहीं किया और कहा कि वह अपनी नकारात्मक ब्याज दर बढ़ाने से पहले कीमत तथा वेतन रुझानों पर नजर रखेगा। हालांकि निवेशकों और विश्लेषकों का मानना है कि केंद्रीय बैंक मूल्य वृद्धि के कारण बदलाव की ओर कदम बढ़ा रहा है, जिससे मुद्रास्फीति अपने दो प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर बनी है। बीओजे के मंगलवार के फैसले के बाद जापानी येन के मुकाबले अमेरिकी डॉलर में तेजी आई और शेयरों की कीमतें बढ़ गईं। नकारात्मक 0.1 प्रतिशत की नीतिगत दर का उद्देश्य बैंकों को अधिक ऋण देने और व्यवसायों तथा उपभोक्ताओं को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए अधिक उधार लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। जापान में मुद्रास्फीति बढ़ी है लेकिन अमेरिका की तुलना में बहुत धीमी गति से, साथ ही अमेरिकी डॉलर, जापानी येन के मुकाबले चढ़ा है। इससे येन की क्रय शक्ति कम हो गई है, जिससे ऊर्जा तथा अन्य वस्तुओं की लागत बढ़ गई है। अमेरिकी डॉलर के जापानी येन के मुकाबले चढ़ने की वजह मुद्रास्फीति का मुकाबला करने के लिए दरें बढ़ाना है। बीओजे के गवर्नर काजुओ उएदा दरें बढ़ाने को लेकर सतर्क हैं। उनका कहना है कि वेतन वृद्धि बढ़ती कीमतों से पीछे रह गई है और मुद्रास्फीति का तय लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि आवास निवेश कमजोर बना हुआ है और सरकारी खर्च सपाट है। बीओजे ने कहा` कि देश और विदेश में अर्थव्यवस्थाओं तथा वित्तीय बाजारों को लेकर अत्यधिक अनिश्चितताओं के बावजूद बैंक धैर्यपूर्वक मौद्रिक सहजता जारी रखेगा। केंद्रीय बैंक अपनी रणनीति की समीक्षा कर रहा है, लेकिन मात्रात्मक सहजता के अपने मौजूदा रुख को छोड़ने की जल्दबाजी नहीं करेगा।

भारत का 2023 में आवक प्रेषण 12.3 प्रतिशत बढ़कर 125 बिलियन डॉलर रहा

मुंबई ।

विश्व बैंक द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2023 में भारत में आवक प्रेषण 12.3 प्रतिशत बढ़कर 125 बिलियन डॉलर हो गया, जो 2022 में 111.22 बिलियन डॉलर था। भारत का आवक प्रेषण अब देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.4 प्रतिशत है। विश्व बैंक की माइग्रेशन एंड डेवलपमेंट ब्रीफ में कहा गया है कि भारत विश्व स्तर पर प्रेषण का सबसे अधिक प्राप्तकर्ता बना हुआ है, इसके बाद मैक्सिको (67 बिलियन डॉलर) और चीन (50 बिलियन डॉलर) हैं। वर्तमान में दक्षिण एशिया में भेजने वाले कुल प्रेषण में भारत की हिस्सेदारी 66 प्रतिशत है, जो 2022 में 63 प्रतिशत से अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, प्रेषण की वृद्धि दर लैटिन अमेरिका और कैरेबियन (8 प्रतिशत) में सबसे अधिक है, इसके बाद दक्षिण एशिया (7.2 प्रतिशत) और पूर्वी एशिया और प्रशांत (3 प्रतिशत) का स्थान है। भारत में बढ़ते प्रेषण के पीछे मुख्य वजह मुद्रास्फीति में गिरावट और उच्च आय वाले देशों में मजबूत श्रम बाजार हैं, जिसने अमेरिका, ब्रिटेन और सिंगापुर में कुशल भारतीयों से प्रेषण को बढ़ावा दिया। भारत में कुल प्रेषण प्रवाह में इन तीन देशों का हिस्सा 36 प्रतिशत है। खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) से उच्च प्रवाह ने भी वृद्धि में योगदान दिया, विशेष रूप से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से, जो भारत के कुल प्रेषण का 18 प्रतिशत हिस्सा है, जो अमेरिका के बाद दूसरा सबसे बड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है, भारत में प्रेषण प्रवाह को सीमा पार लेनदेन के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने और भुगतान और मैसेजिंग सिस्टम को इंटरलिंक करने के लिए सहयोग के लिए एक रूपरेखा स्थापित करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात के साथ फरवरी 2023 के समझौते से विशेष रूप से लाभ हुआ। सीमा पार लेनदेन में दिरहम और रुपये का उपयोग औपचारिक चैनलों के माध्यम से अधिक प्रेषण को प्रसारित करने में सहायक होगा। एक अन्य महत्वपूर्ण कारक दक्षिण एशिया में कम प्रेषण लागत है। 4.3 प्रतिशत पर, दक्षिण एशिया में 200 डॉलर भेजने की लागत 2023 की दूसरी तिमाही में वैश्विक औसत 6.2 प्रतिशत से 30 प्रतिशत कम है। वास्तव में, मलेशिया से भारत तक प्रेषण लागत दुनिया में सबसे सस्ता 1.9 प्रतिशत है।

बीईई का आठ साल पुराने एसी बदलने का सुझाव

नई दिल्ली । बिजली मंत्रालय के अंतर्गते आने वाले ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) ने आठ साल से अधिक पुराने एयर कंडीशनर को आधुनिक ऊर्जा कुशल उपकरण से बदलने का सुझाव दिया है। इस पहल का उददेश्य 2030-31 तक कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक बीईई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने एक कार्यशाला के दौरान किफायती एसी और घरों को ठंडा रखने वाले अन्य उपकरणों (एएचईएडी) के उत्पादन को बढ़ाने पर जोर दिया। इस कार्यशाला का आयोजन विश्व बैंक के साथ मिलकर उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने किया था। उन्होंने आठ साल से अधिक पुराने एयर कंडीशनरों को आधुनिक और कम बिजली खपत करने वाले (पांच सितारा) एसी से बदलने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इससे 2030-31 तक कार्बन उत्सर्जन में पर्याप्त कमी लाई जा सकेगी।

आमरस डोसा से लेकर आइसक्रीम के पकौड़ों तक, ये थे इस साल के अजीब फूड कॉम्बिनेशन्स

साल 2023 खत्म होने वाला है। जाते-जाते इस साल ने फूड लवर्स को कई अनोखे एक्सपीरिएंस दिए। सोशल मीडिया पर इस साल काफी अजीब फूड कॉम्बिनेशन्स देखने को मिले जिन्होंने इंटरनेट पर काफी लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। जानें साल 2023 में कौन-कौन ले फूड आइटम्स सोशल मीडिया पर अपने अनोखे मिश्रण और स्वाद के लिए खूब वायरल हुए।

हर साल अपने साथ कई नए अनुभव और यादें देकर जाता है। इस साल 2023 में भी कई सारी ऐसे चीजें देखने मिली, जिनके बारे में किसी ने सोचा भी नहीं होगा। इन नई चीजों की लिस्ट में कई ऐसी हैं, जो लोगों को खूब पसंद आई, तो साथ ही, कुछ ऐसी भी हैं जिनसे लोगों के होश हो उड़ गए। इस साल ऐसे ही कई अजीबो गरीब फूड कॉम्बिनेशन ने लोगों को हैरान कर दिया। आइए जानते हैं किन अजीब फूड कॉम्बिनेशन्स ने इस साल लोगों की दिलचस्पी जगाई।

फैन्टा मैगी

सबकी फेवरेट मैगी का इस साल एक नया ही रूप देखने को मिला है। वैसे तो, मैगी को कई प्रकार से बनाया जाता है, जैसे- फ्राइड मैगी, वेजिटेबल मैगी, अंडा मैगी आदि, लेकिन इस साल सोशल मीडिया पर एक अनोखी मैगी वायरल हो रही थी। वह है फैन्टा मैगी। जी हां! इस मैगी को फैन्टा में मिलाकर बनाया जाता है। इस मैगी की वजह से लोगों के काफी वियरड रिएक्शन देखने को मिले।

ओरीयो के पकौड़े

ओरीयो कुकीज बच्चों को काफी पसंद होती है। इस साल इसकी एक बहुत ही अनोखी डिश देखने को मिली। वैसे तो यह अपने मीठे स्वाद के लिए जाना जाता है, लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे ओरीयो के पकौड़ों ने सभी को चौंका दिया। बेसन में ओरीयो बिस्कुट को भरकर तला गया और इसके पकौड़े बनाए गए।

आइसक्रीम के पकौड़े

आइसक्रीम खाने में कितनी स्वादिष्ट होती है, यह तो आप जानते ही हैं। इसके अलग-अलग फ्लेवर्स लोगों का दिल लुभा लेते हैं, इन्हीं फ्लेवर्स में एक नया स्वाद जोड़ा आइसक्रीम के पकौड़ों ने। इस साल सोशल मीडिया पर यह आइसक्रीम के पकौड़े खूब वायरल हुए और लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

डेरी मिल्क आमलेट

डेरी मिल्क लोगों की फेवरेट चॉकलेट्स में से एक है, लेकिन लोगों ने इसके स्वाद के साथ कुछ नया करने का सोचा। इस साल सोशल मीडिया पर एक फूड स्टॉल में डेरी मिल्क का आमलेट बनाते हुए देखा गया। इस डिश पर लोगों का मिला-जुला रिएक्शन देखने को मिला।

आमरस डोसा

आमरस और डोसा ये दोनों डिशेज लोगों को खाने में काफी पसंद है, यह तो जानते हैं। लेकिन इस साल इन दोनों डिशेज को मिलाकर एक डिश बनाई गई, जिसका नाम है, आमरस डोसा। डोसे के ऊपर आमरस और चीज डालकर इस डिश को बनाया गया, जिसके बाद इंटरनेट पर यह खूब चर्चा का विषय बना।

पैसे से कांग्रेस की सेहत नहीं सुधरेगी!

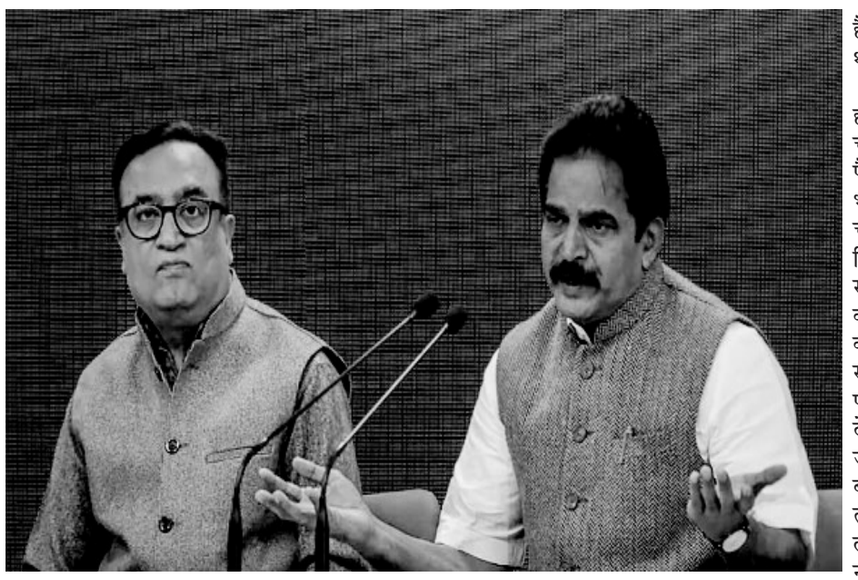

जो गांधी का मूल उद्देश्य था और देवीलाल का हमने बताया कि पैसा नहीं उसके पीछे जोड़ने की भावना? तो इसके लिए कांग्रेस को अपनी नई टीम सामने लानी होगी। एक साल से ज्यादा समय हो गया है, नए अध्यक्ष भी लिखना अब अजीब लगता है, पुराने हो गए उन खरगे जी की टीम अभी तक नहीं बनी है। गैर-जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं।हर पार्टी का अपना नेचर होता है। भाजपा में हवा हवाई बातें चल जाती हैं। मगर कांग्रेस में नुकसान कर जाती हैं। भाजपा के साथ एक तो मीडिया होता है दूसरे उसके और संघ के कार्यकर्ता जो इस बात को भी मिनटों में घर-घर पहुंचा सकते हैं कि गणेश जी दूध पी रहे हैं या राहुल पप्पू हैं और मोदी जो चाहे कर सकते हैं। लेकिन कांग्रेस के पास अगर ठोस बातें और जनपक्षीय कार्यक्रम नहीं हैं तो केवल प्रयोग के लिए प्रयोग से या प्रतीकात्मकता से उसे कोई फायदा नहीं होता उल्टा नुकसान ही होता है।

ईवीएम एक ऐसा ही प्रयोग था जिससे आज कांग्रेस ही सबसे ज्यादा परेशान है। ईवीएम कांग्रेस ही लाई थी। नोटा भी वही लाई। आरटीआई भी। ये सब उसके लिए घातक साबित हुए। बिना जनता के स्तर को ऊपर उठाए अति आदर्शवादी व्यवस्था, नए प्रयोग, उस पार्टी के लिए हमेशा नुकसानदेह होता है जिसे जनता वास्तविक आधारों पर जांचती है। कांग्रेस जब मनरेगा लाती है, किसानों की कर्ज माफी करती है तो लाभान्वित हुए लोगों के सीधे समझ में आता है। और वह 2009 में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए को वापस ले आते हैं। मगर 2012 के बाद जब वही कांग्रेस अन्ना जी, अन्ना जी करने लगती है तो जनता उसे पसंद नहीं करती। अन्ना जी को लाने वाले ओरिजनल लोगों के साथ चली जाती है।

न विधानसभा चुनावों में हार के लिए ईवीएम एक कारण हो सकता है! होगा। लेकिन अगर ऐसा है तो कांग्रेस ने इसके खिलाफ कौन सी मुहिम शुरू की। आडवानी ने 2009 के चुनाव हार जाने के बाद बाकायदा इसके खिलाफ एक मुहिम शुरू की थी। अपने पार्टी के नेता जीवीएल नरसिम्हा राव से किताब लिखवाई थी। खुद उस ईवीएम विरोधी किताब की प्रस्तावना लिखी थी। मगर 2019 के लोकसभा चुनाव और उससे पहले 2017 में हुए कई विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस ने इस पर सवाल तो हमेशा उठाए मगर कोई निर्णायक आन्दोलन शुरू नहीं किया। हमें याद है 2017 के बाद जब राहुल कांग्रेस अध्यक्ष बन गए थे तो दिल्ली के इन्दिरा गांधी ओपन स्टेडियम के कांग्रेस सम्मेलन में उन्होंने ईवीएम पर सवाल उठाए थे। कांग्रेस ने इसके खिलाफ एक प्रस्ताव भी पारित किया था। मगर बाद में कोई फालोअप नहीं हुआ। कांग्रेस पूर्व ब्यूरोक्रेटस की, जो चुनाव कार्यों से जुड़े रहे, एक कमेटी बना सकती थी। उनसे जांच करवा सकती थी। कई रिटायर वरिष्ठ अफसरशाह कांग्रेस से जुड़े हुए हैं।मशीन में गड़बड़ी करने वालों को सख्त मैसेज दे सकती थी। जैसे गडकरी ने बोला था यूपीए के समय, जब उनकी जांच चल रही थी कि किसी भी अफसर को छोड़ेंगे नहीं। वैसे ही सख्त भाषा में बोल सकती थी। आखिर कोई भी डिपार्टमेंट हो, करता तो इंसान ही होगा ना ईवीएम में गड़बड़ी। उसे चेताया तो जा सकता है! मगर कांग्रेस ने हर हार के बाद बोला तो जरूर मगर कोई गंभीर पहल नहीं की। और फिर जनता के मन में यह भी सवाल उठता है कि 2014 में तो कांग्रेस बुरी तरह हारी। तब तो केन्द्र में उसी की सरकार थी। तब भी क्या ईवीएम मैनेज कर ली गई थी? और अगर कांग्रेस के शासन में कांग्रेस के ही खिलाफ ईवीएम मैनेज की जा सकती है तो फिर बात करना ही बेकार है!हालांकि इसमें इतने आश्चर्य की बात नहीं। 2012 से 2014 तक पूरी अफसरशाही, दूसरी संस्थाएं मीडिया सब पूरी तरह कांग्रेस के विरोध में हो गए थे। भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 2012 से 2014 तक सबसे कमजोर सरकार रही। इतनी तो चन्द्रशेखर की सरकार भी कमजोर नहीं थी।सत्ता से बाहर कांग्रेस को दस साल हो रहे हैं। और दो हार के बाद तीसरा चुनाव 2024 सिर पर खड़ा है। मगर अभी तक वह अपनी असली समस्या को समझ नहीं पा रही है। मामला हार्ट और ब्रेन का है। नेताओं के कमजोर दिल और निहित स्वार्थी दिमाग का! मगर पार्टी कास्मेटिक सर्जरी कर रही है।अभी एक नया शिगूफा छेड़ा। क्राउड फंडिंग। राजनीति में यह सफल प्रयोग किया था देवीलाल ने। एक वोट एक नोट! जोर वोट पर था। नोट तो उनसे ज्यादा कोई खर्च कर नहीं सकता। उस समय जिप्सी नई गाड़ी आई थी। चुनाव में पुरानी महिन्द्रा और विलीज जीपें चलती थीं। गांवों में यही जा पाती थीं।

1989 में देवीलाल ने जनता दल के अपने सारे लोकसभा प्रत्याशियों के पास नई सफेद चमचमाती जिप्सी पहुंचा दी थीं। आज के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ उसी समय अपना पहला चुनाव लड़े थे। और जीते थे। राजस्थान के झुन्झुनू से। खुद देवीलाल पड़ोस के सीकर से लड़ रहे थे। इसे शेखावाटी का इलाका कहते हैं।जाट बेल्ट। उस समय के लोकसभा अध्यक्ष बलराम जाखड़ को हराया था। खैर वह बात वोट और नोट की थी। तो वोट तो मिले ही। और नोट तो प्रतीकात्मक था। तो सारी जिप्सियां वहीं कार्यकर्ताओं को दे आए थे।देवीलाल शाहखर्च थे। कांग्रेसी भी हैं। मगर दूसरे के पैसे खर्च करने में। अपना तो सब ने दबाकर रखा हुआ है। पता नहीं किस काम आएगा! जिनके पास रखा है वह कोई नहीं लौटाते हैं। बच्चे बेवजह परेशान होकर घूमते रहते हैं। इससे बेहतर है पार्टी को दे दें। मगर नहीं देंगे। पार्टी से और कुछ मिल जाएगा तो ले लेंगे।

खैर तो यहां कांग्रेस ने गांधी जी को याद किया है। मगर यह भूल गए कि गांधी महामितव्ययी थे। थर्ड क्लास में चलते थे। यहां तो हर नेता को

चार्टेड प्लेन चाहिए। शहर के सबसे अच्छे होटल का सबसे महंगा सुइट। बड़ी गाड़ी, सेवा में चार कार्यकर्ता। लगा लें हिसाब कांग्रेस कि जब पैसा नहीं है तो नेताओं ने जिनमें कुछ बड़े नेता छोड़ भी दो तो छोटे और मंझौले दर्जे के नेताओं के चुनाव में घूमने पर कितना खर्चा आया है। और कितने इन्होंने अपनी प्रदर्शनप्रियता और अफालतूनी रवैये से वोट कटवाए हैं। कितने भले कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को गालियां दी हैं।अपनी क्राउड फंडिंग को गांधी जी के 1920- 21 तिलक स्वराज कोष से प्रेरित बताना तो ठीक है मगर उनकी तरह पाई-पाई का हिसाब क्या कांग्रेस दे पाएगी? जनता पैसे देगी तो क्या हिसाब नहीं मांगेगी?और फिर वही बात जो गांधी का मूल उद्देश्य था और देवीलाल का हमने बताया कि पैसा नहीं उसके पीछे जोड़ने की भावना? तो इसके लिए कांग्रेस को अपनी नई टीम सामने लानी होगी। एक साल से ज्यादा समय हो गया है, नए अध्यक्ष भी लिखना अब अजीब लगता है, पुराने हो गए उन खरगे जी की टीम अभी तक नहीं बनी है। गैर-जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं। अभी देखा कि कमलनाथ को जिन्हें पांच साल से ज्यादा कांग्रेस ने एकछत्र काम करने का मौका दिया। वह संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और प्रभारी रणदीप सुरजेवाला कोव्यंग्तात्मक बधाई और शुभकामनाएं दे रहे हैं। शुक्र है सोनिया और राहुल पर अटैक नहीं किया। अपने बेटे नकुलनाथ का राजनीतिक भविष्य ध्यान में आ गया होगा।

यह हाल है कांग्रेसियों का। सब कुछ देने के बाद भी थैंकफुल होने के बदले थैंकलेस ही नहीं कटुता दिखाते हैं। कभी आडवानी, मुरली मनोहर जोशी या रविशंकर प्रसाद, प्रकाश जावड़ेकर, विजय गोयल या हां अभी ताजा शिवराज सिंह चौहान या वसुंधरा राजे के मुंह से एक भी शब्द नकारात्मक सुना!

कांग्रेस में ऐसे नेताओं की भरमार है बड़े नेताओं की जो सब कुछ पाकर भी पार्टी और नेता पर हमले करते हैं। प्रणव मुखर्जी को राष्ट्रपति बनाया।

मगर संघ मुख्यलय नागपुर जा पहुंचे। बेटी को दिल्ली का चीफ स्पोकसपर्सन। मगर वह किताब लिखकर राहुल और सोनिया को कोस रही हैं। जी 23 इन कांग्रेसियों ने ही बनाया था ना! अब फिर कमजोर दिख रही है तो 23 से ज्यादा भी इकठ्ठा हो जाएंगे।कांग्रेस की समस्या यह है, कृतध्न नेता! जब तक मलाई मिलेगी चिपटे रहेंगे। फिर गालियां देंगे। इन पर सख्ती जरूरी है। थोड़े हों, कम हों पर विश्वसनीय हों। कार्यकर्ता राहुल के साथ हैं।

संपादकीय

क्राउड फंडिंग से कांग्रेस का बढ़ेगा जनाधार

लोकसभा चुनाव के ठीक पहले कांग्रेस ने आर्थिक मदद के नाम से जनता से जुड़ने की अभिनव पहल की है। 28 दिसंबर को पार्टी के 138 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इससे पहले सोमवार को डिजिटल स्वरूप में आमजन से दान लेने की मुहिम की शुरुआत कर रहे हैं। %डोनेट फॉर देश% के नाम से संचालित होने वाले इस अभियान की महत्ता चुनाव लड़ने के लिए धन राशि एकत्र करने तक सीमित नहीं है, वरन उसका महत्व इसलिये भी है कि वह नये सिरे से आम लोगों को अपनी विचारधारा से जोड़ने जा रही है। इसके साथ ही देश की यह सबसे पुरानी पार्टी अपनी उस परम्परा को पुनर्जीवित करने जा रही है, जिसके बल पर दुनिया की सबसे विपन्न भारतीय अवाम के समक्ष विश्व के सर्वाधिक समृद्ध ब्रितानी हुकूमत को घुटने टेकने के लिये मजबूर होना पड़ा था।देश का स्वतंत्रता संग्राम छोटी-बड़ी मदद के बल पर लड़ा गया था। कांग्रेस को इस तरह जनता के सामने झोली फैलाने की ज़रूरत इसलिये आन पड़ी है क्योंकि उसका मुकाबला भारतीय जनता पार्टी जैसे अति सम्पन्न राजनैतिक संगठन के साथ है। दशक भर में उसने जैसा पैसा एकत्र किया है और उसका वह व्यय करती हुई दिख भी पड़ती है, उसके सामने किसी भी सामान्य दल का टिके रहना मुश्किल है। अब तक कांग्रेस उसका जिस प्रकार से भी मुकाबला कर रही है, वह अपने समर्पित कार्यकर्ताओं के बल पर ही, लेकिन 2024 का आम चुनाव लोकतंत्र के लिहाज से जिस प्रकार महत्वपूर्ण हो गया है, उसके चलते सम्भव है कि कांग्रेस कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। देखना यही होगा कि जनता कांग्रेस की दान की अपील को कैसा प्रतिसाद देती है।शनिवार को दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में महासचिव केसी वेणुगोपाल एवं पार्टी के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने बताया कि %डोनेट फॉर देश% अभियान के अंतर्गत आमजन कांग्रेस को परम्परागत तरीकों के अलावा भुगतान के सभी डिजिटल माध्यमों के जरिये भी दान दे सकेंगे। इसके लिये एक अलग वेबसाइट भी बनाई गई है। कुछ ही दिनों में कार्यकर्ता घर-घर घूमकर चंदा एकत्र करेंगे। दान की न्यूनतम राशि 138 रुपये रखी गई है। यह सहयोग राशि उसके गुणा किये जाने वाली संख्या में अधिकतम कुछ भी हो सकती है, यानी 1380, 13800 और ऐसे ही आगे। यह राशि इसलिये चुनी गई है क्योंकि कांग्रेस अपनी स्थापना के 138 वर्ष पूर्ण करने जा रही है। यह धन संग्रह मुहिम करीब एक सौ साल पहले (1920-21) महात्मा गांधी द्वारा देश की स्वतंत्रता के लिये चलाये गये तिलक स्वराज फंड से अभिप्रेरित बतलाई गई है।कांग्रेस को इस तरह के चंदा अभियान की आवश्यकता इसलिये महसूस हुई क्योंकि पिछले कुछ समय से भाजपा ने जहां खुद को आर्थिक दृष्टि से बेहद मजबूत किया है वहीं उसने विरोधी दलों को मदद राशि मिलने के सारे रास्ते यथासम्भव बन्द कर दिये हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की एक रिपोर्ट बताती है कि इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिये प्राप्त हुए करीब 9188 करोड़ रुपये में से 5272 करोड़ रुपए अकेली भाजपा को मिले। शेष लगभग 1780 करोड़ रुपए अन्य 7 राष्ट्रीय व 24 क्षेत्रीय दलों के पास पहुंचे। भारी-भरकम खर्चों से होने वाले चुनावी प्रचार अभियानों के माध्यम से भाजपा ने चुनाव प्रक्रिया को ही इतना खर्चीला कर दिया है कि किसी भी दल का उसके साथ मुकाबला करना बहुत मुश्किल हो गया है।

सत्ता हाथ में होने के कारण और उसकी आर्थिक नीतियों के चलते वह उद्योगपतियों व कारोबारियों की पसंदीदा पार्टी बन गई है। केन्द्र की सरकार उसकी अपनी होने के कारण देश के भीतर जहां उसके दफ्तरों के सामने चंदा देने वालों की कतारें लगती हैं, अन्य दलों द्वारा प्राप्त होने वाले धन पर उसकी वक्र दृष्टि होती है। उसके पास उपलब्ध केन्द्रीय जांच एजेंसियों का वह खुलकर उपयोग विपक्षी दलों व नेताओं के खिलाफ करती है। जिन पूंजीपतियों को उसने अपनी नीति से फायदा पहुंचाया है, उसके फलस्वरूप उसके पास पैसे की किल्लत होने का सवाल ही पैदा नहीं होता। यह चर्चा भी आम है कि नोटबन्दी की बहती गंगा में भाजपा ने अपने हाथ धोये हैं।

कांग्रेस पश्चिम बंगाल में चुन सकती है तृणमूल के साथ गठबंधन का विकल्प

कांग्रेस आलाकमान की बात है, हिंदी पट्टी से पर्याप्त सीटें पाने की उसकी पहले की उम्मीदों को राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्यों के नतीजों के बाद कुछ झटका लगा है। कांग्रेस बंगाल सहित किसी भी राज्य में अपनी मौजूदा लोकसभा सीटें छोड़ने को तैयार नहीं है। यह देखना होगा कि क्या बंगाल कांग्रेस दिल्ली नेतृत्व के अनुरूप चलती है।

19 दिसंबर को नई दिल्ली में भारत के घटक दलों की बैठक की पूर्व संध्या पर कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों से उपलब्ध सभी संकेत बताते हैं कि कांग्रेस आलाकमान बंगाल में भाजपा से मुकाबले के लिए संयुक्त रूप से 2024 लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए तृणमूल कांग्रेस के साथ चुनावी गठबंधन बनाने की इच्छुक है।

इसका मतलब यह है कि अगर कांग्रेस-टीएमसी गठबंधन आकार लेता है तो कांग्रेस को राज्य स्तर पर सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे के साथ अपना गठबंधन खत्म करना होगा। अब तक कांग्रेस और सीपीआई (एम) दोनों राज्य में सत्तारूढ़ टीएमसी से लड़ रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर चौधरी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य में उनके शासन की आलोचना करने में सबसे मुखर रहे हैं। वह इस स्थिति पर कायम रहे हैं कि राज्य कांग्रेस सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे के साथ गठबंधन में भाजपा और टीएमसी दोनों से एक साथ लड़ेगी।वर्तमान लोकसभा में, कांग्रेस के पास दो, भाजपा के पास 17 और टीएमसी के पास 23 सीटें हैं। 1964 में अपने गठन के बाद पहली बार सीपीआई (एम) के पास बंगाल से लोकसभा में कोई सीट नहीं है। 2019 के लोकसभा चुनावों में, भाजपा को 18 सीटें मिलीं, लेकिन आसनसोल में बाद में हुए चुनावों में, टीएमसी ने भाजपा को हरा दिया और इसलिए भाजपा की ताकत घटकर 17 हो गई। इसके अलावा 2019 के एक और भाजपा विजेता अर्जुन सिंह ने भाजपा छोड़ दी और तृणमूल में शामिल हो गये, हालांकि आधिकारिक तौर पर वह अभी भी भाजपा के लोकसभा सदस्य माने जाते हैं। वहीं, बंगाल विधानसभा में भाजपा के विपक्षी नेता शुभेन्दु अधिकारी के पिता और काठी लोकसभा सांसद सिसिर अधिकारी ने टीएमसी से नाता तोड़ लिया है तथा वह अब अपने बेटे का समर्थन कर रहे हैं।

2019 के लोकसभा चुनाव के बाद से पिछले पांच वर्षों में बंगाल के चुनावी परिदृश्य में टीएमसी के पक्ष में काफी बदलाव आया है। 2021 के विधानसभा चुनाव के नतीजों से पता चला कि टीएमसी दक्षिण बंगाल के सभी जिलों में भाजपा से अपना खोया हुआ आधार वापस पाने में सफल रही है, लेकिन उत्तर बंगाल में भाजपा का प्रभाव अभी भी बना हुआ है। टीएमसी ने खुद अपना सर्वेक्षण किया है और उससे पता चला कि उत्तर बंगाल की छह लोकसभा सीटों पर जहां 2019 में भाजपा ने जीत हासिल की थी, वहां टीएमसी अपने दम पर उन्हें हराने की स्थिति में नहीं है, लेकिन अगर कांग्रेस के साथ गठबंधन होता है, तो छह में से कम से कम पांच सीटों पर भाजपा को हार मिल सकती है। सच तो यह है कि कांग्रेस अपने दम पर कोई भी सीट जीतने की स्थिति में नहीं है, लेकिन उत्तर बंगाल की कुछ सीटों पर उसका वोट आधार 5 फीसदी से 12 फीसदी के बीच होने से टीएमसी-कांग्रेस गठबंधन को जीत मिल सकती है।

जहां तक कांग्रेस आलाकमान का सवाल है तो सूत्रों का कहना है कि उसका अपना आकलन कथित तौर पर दिखाता है कि कांग्रेस और सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाला वाम मोर्चा का गठबंधन एक साथ टीएमसी से लड़कर भाजपा को हराने की स्थिति में नहीं है। कांग्रेस के अध्ययन में हाल के चुनावों में सीपीआई (एम) के वोट शेयर का विश्लेषण किया गया है। इसका आकलन बताया गया है कि अगर टीएमसी और सीपीआई (एम) के बीच कोई विकल्प चुनना है, तो 2024 के लोकसभा चुनावों में सीटों की बढ़ोतरी निश्चित करने के लिए टीएमसी के साथ गठबंधन कांग्रेस के लिए वांछनीय है।

सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 4 दिसंबर को टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी के साथ अपनी बातचीत में विपक्षी इंडिया गठबंधन के घटक राजनीतिक दलों को बंगाल में संयुक्त रूप से लड़ने की आवश्यकता का उल्लेख किया था, जिस पर वह सहमत हुईं और उन्हें जल्द से जल्द सीट बंटवारे पर बातचीत शुरू करने के लिए कहा। दोनों ने 19 दिसंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक में सीट बंटवारे पर चर्चा को आगे बढ़ाने का फैसला किया है।

अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में, टीएमसी ने चर्चा के पहले चरण में कांग्रेस को तीन सीटों की पेशकश की है, दो वर्तमान सीटें बरहामपुर और मालदह दक्षिण भी शामिल है। इसके अलावा खबर है कि टीएमसी ने कांग्रेस को रायगंज सीट की पेशकश की है। यह सीट अब भाजपा के पास है। कांग्रेस कम से कम छह सीटों की तलाश में है। लेकिन टीएमसी सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस की सीटों में और बढ़ोतरी इस बात पर निर्भर करेगी कि कांग्रेस असम में टीएमसी को एक सीट और मेघालय में एक सीट पर सहमत होगी। ध्यान रहे कि असम में 14 लोकसभा सीटें और मेघालय को दो लोकसभा सीटें हैं।

टीएमसी उत्तर बंगाल के जिलों पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो भाजपा का सबसे मजबूत क्षेत्र और टीएमसी के लिए सबसे कमजोर क्षेत्र है। दक्षिण बंगाल के जिलों में अब टीएमसी का दबदबा कायम है जहां भाजपा को हराने के लिए पार्टी को वस्तुत- किसी समर्थन की जरूरत नहीं है। लेकिन उत्तर बंगाल के जिलों में 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद से भाजपा की ताकत में थोड़ी गिरावट आई है। फिर भी यह अच्छी संख्या में सीटें पाने के लिए पर्याप्त है। उत्तर बंगाल के जिलों की छह सीटों में अलीपुर दुआर, बालुरघाट, कूचबिहार, दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी और रायगंज शामिल हैं। इन सीटों पर भाजपा का वोट शेयर 59 फीसदी से लेकर न्यूनतम 40 फीसदी तक रहा था।

2014 के लोकसभा चुनाव में टीएमसी को कुल 42 सीटों में से 34 सीटें मिली थीं, जो 2019 के चुनाव में वह घटकर 22 सीटों पर आ गई। अब टीएमसी फिर से 34 सीटों की उस ताकत को बहाल करने पर काम कर रही है। जहां तक कांग्रेस आलाकमान की बात है, हिंदी पट्टी से पर्याप्त सीटें पाने की उसकी पहले की उम्मीदों को राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्यों के नतीजों के बाद कुछ झटका लगा है। कांग्रेस बंगाल सहित किसी भी राज्य में अपनी मौजूदा लोकसभा सीटें छोड़ने को तैयार नहीं है। यह देखना होगा कि क्या बंगाल कांग्रेस दिल्ली नेतृत्व के अनुरूप चलती है या आलाकमान प्रदेश पार्टी नेतृत्व को संगठन के हित में वाम मोर्चा के साथ गठबंधन करने की अनुमति देता है।

अर्जुन से बदला लेने के लिए जब कर्ण के तूणीर में पहुंचा एक जहरीला सर्प

महाभारत से इतर भी हमें महाभारत के संबंध में कुछ कथाएं मिलती हैं। उन्हीं में से एक कथा है कर्ण और सर्प के बारे में। लोककथाओं के अनुसार माना जाता है कि युद्ध के दौरान कर्ण के तूणीर में कहीं से एक बहुत ही जहरीला सर्प आकर बैठ गया। तूणीर अर्थात जहां तीर रखते हैं, जिसे तरकश भी कहते हैं। यह पीछे पीठ पर बंधी होती है। कर्ण ने जब एक तीर निकालना चाहा तो तीर की जगह यह सर्प उनके हाथ में आ गया। कर्ण ने पूछा, तुम कौन हो और यहां कहां से आ गए। तब सर्प ने कहा, हे दानवीर कर्ण, मैं अर्जुन से बदला लेने के लिए आपके तूणीर में जा बैठा था। कर्ण ने पूछा, क्यों?

इस पर सर्प ने कहा, राजन! एक बार अर्जुन ने खांडव वन में आग लगा दी थी। उस आग में मेरी माता जलकर मर गई थी, तभी से मेरे मन में अर्जुन के प्रति विद्रोह है। मैं उससे प्रतिशोध लेने का अवसर देख रहा था। वह अवसर मुझे आज मिला है। कुछ रुककर सर्प फिर बोला, आप मुझे तीर के स्थान पर चला दें। मैं सीधा अर्जुन को जाकर डस लूंगा और कुछ ही क्षणों में उसके प्राण-पखेरू उड़ जाएंगे।

सर्प की बात सुनकर कर्ण सहजता से बोले, हे सर्पराज, आप गलत कार्य कर रहे हैं। जब अर्जुन ने खांडव वन में आग लगाई होगी तो उनका उद्देश्य तुम्हारी माता को जलाना कभी न रहा होगा। ऐसे में मैं अर्जुन को दोषी नहीं मानता। दूसरा अनैतिक तरह से विजय प्राप्त करना मेरे संस्कारों में नहीं है इसलिए आप वापस लौट जाएं और अर्जुन को कोई नुकसान न पहुंचाएं। यह सुनकर सर्प वहां से उड़ गया। यदि कर्ण सर्प की बात मान लेते तो क्या होता?

विंध्याचल पर्वत माला का पौराणिक महत्व

यह पर्वत प्राचीन भारत के सप्तकुल पर्वतों में से एक है। विंध्य' शब्द की व्युत्पत्ति 'विध' धातु से कही जाती है। भूमि को बेध कर यह पर्वतमाला भारत के मध्य में स्थित है। यही मूल कल्पना इस नाम में निहित जान पड़ती है। विंध्य की गणना सप्तकुल पर्वतों में है। विंध्य का नाम पूर्व वैदिक साहित्य में नहीं है। इस पर्वत श्रंखला का वेद, महाभारत, रामायण और पुराणों में कई जगह उल्लेख किया गया है। विंध्य पहाड़ों की रानी विंध्यवासिनी माता है। मां विंध्यवासिनी देवी मंदिर (मिरजापुर, उप्र.) श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। देश के 51 शक्तिपीठों में से एक है विंध्याचल। विंध्यांचल पर्वतश्रेणी पहाड़ियों की टूटी-फूटी श्रृंखला है, जो भारत की मध्यवर्ती उच्च भूमि का दक्षिणी कगार बनाती है। यह पर्वतमाल भारत के पश्चिम-मध्य में स्थित प्राचीन गोलाकार पर्वतों की श्रेणियां है, जो भारत उपखंड को उत्तरी भारत व दक्षिणी भारत में बांटती है। इस पर्वतमाला का विस्तार उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, बिहार तक लगभग 1,086 किमी.तक विस्तृत फैला है। हालांकि इसकी कई छोटी बड़ी पहाड़ियों को विकास का नाम पर काट दिया गया है। इन श्रेणियों में बहुमूल्य हीरे युक्त एक भ्रंशीय पर्वत भी हैं।

इसकी प्रमुख नदियां : पहाड़ों के कटने से यहां से निकलने वाली नदियों का अस्तित्व भी संकट में है। विंध्य पर्वत में से उद्गम पाने वाली नदियां- शिप्रा या भद्रा (सिप्रा), पयोष्णी, निर्विंध्या (नेबुज), तापी निषधा या निषधावती (सिंद), वेण्वा या वेणा (वेणगंगा), वैतरणी (बैत्रणी), सिनीवाली या शिति बाहू, कुमुद्वती (स्वर्ण रेखा), करतोया या तोया (ब्राह्मणी), महागौरी (दामोदर), और पूर्णा, शोण (सोन), महानद (महानदी) और नर्मदा। मध्यप्रदेश और गुजरात की सरकार ने मिलकर सबसे बड़ी नर्मदा नदी की हत्या कर दी है। इस एक नदी के कारण संपूर्ण मध्यप्रदेश और गुजरात के जंगल हरे भरे और पशु पक्षी जीवंत रहते थे। लेकिन अब बांध बनाकर एक ओर जहां नदी के जलचर जंतु मर गए है।

प्राकृतिक संपदा : भारत में पर्यावरण विनाश की सीमा अरावली पर्वत श्रेणियों और पश्चिम के घाटों तक ही सीमित नहीं हैं, मध्यक्षेत्र में भी बेतरतीब ढंग से जारी रहकर प्राकृतिक संपदाओं के दोहन के कारण सतपुड़ा और विंध्याचल की पर्वत श्रेणियां तो खतरे में हैं ही अनेक जीवनदायी नदियों का वजूद भी संकट में है। वे लोग देशद्रोही है जो अपनी ही धरती को छलनी कर उसे विकास के नाम पर नष्ट कर रहे हैं।

पुराणों अनुसार : इसके अंतर्गत रोहतासगढ़, चुनारगढ़, कलिंजर आदि अनेक दुर्ग हैं तथा चित्रकूट, विन्ध्याचल आदि अनेक पावन तीर्थ हैं। पुराणों के अनुसार इस पर्वत ने सुमेरू सेर् ईष्या रखने के कारण सूर्यदेव का मार्ग रोक दिया था और आकाश तक बढ़ गया था, जिसे अगस्त्य ऋषि ने नीचे किया। यह शरभंग, अगस्त्य इत्यादि अनेक श्रेष्ठ ऋषियों की तप :स्थली रहा है। हिमालय के समान इसका भी धर्मग्रंथों एवं पुराणों में विस्तृत उल्लेख मिलता है।

अगस्त्य मुनि : दक्षिण भारत और हिदु महासागर से संबंधि अगस्ति (अगस्त्य) मुनि की गाथा है। उन्होंने विंध्याचल के बीच से दक्षिण का मार्ग निकाला। किंविदंती है कि विंध्याचलपर्वत ने उनके चरणों पर झुककर प्रणाम किया। उन्होंने आशीर्वाद देकर कहा कि जब तक वे लौटकर वापस नहीं आते, वह इसी प्रकार झुका खड़ा रहे। वह वापस लौटकर नहीं आए और आज भी विंध्याचल पर्वत वैसे ही झुका उनकी प्रतीक्षा कर रहा है।

विंध्याचल के जंगल : विंध्यांचल पर्वत श्रेणियों के दोनों तरफ घने जंगल हैं, जो अब शहरी आबादी और विकास के चलते काट दिए गए हैं। अन जंगलों में शेर, चीते, भालु, बंदर, हिरणों के कई झुंड होते थे जो अब दर बदर हैं। अब चंबल, सतपुड़ा और मालवा के पठारी इलाके में ही कुछ जंगल बचे हैं। यहां की पर्वतों की कंदराओं में कई प्राचीन ऋषियों के आश्रम आज भी मौजूद हैं। यह क्षेत्र पहले ऋषि मुनियों का तप स्थल हुआ करता था। पर्वतों की कंदराओं में साधना स्थल, दुर्लभ शैल चित्र, पहाड़ों से अनवरत बहती जल की धारा, गहरी खाईयां और चारों ओर से घिरे घनघोर जंगलों पर अब संकट के बादल घिर गए हैं। यहीं पर भीम बैठका जैसी गुफाएं हैं।

शिव को क्यों प्रिय है भस्म?

शिवजी के पूजन में भस्म अर्पित करने का विशेष महत्व है। बारह ज्योर्तिलंग में से एक उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में प्रतिदिन भस्म आरती विशेष रूप से की जाती है। यह प्राचीन परंपरा है। आइए जानते है शिवपुराण के अनुसार शिवलिंग पर भस्म क्यों अर्पित की जाती है। भगवान शिव अद्भुत व अविनाशी हैं। भगवान शिव जितने सरल हैं, उतने ही रहस्यमयी भी हैं। भोलेनाथ का रहन-सहन, आवास, गण आदि सभी देवताओं से एकदम अलग हैं। शास्त्रों में एक ओर जहां सभी देवी-देवताओं को सुंदर वस्त्र और आभूषणों से सुसज्जित बताया गया है, वहीं दूसरी ओर भगवान शिव का रूप निराला ही बताया गया है। शिवजी सदैव मृगचर्म (हिरण की खाल) धारण किए रहते हैं और शरीर पर भस्म (राख) लगाए रहते हैं। शिवजी का प्रमुख वस्त्र भस्म यानी राख है, क्योंकि उनका पूरा शरीर भस्म से ढंका रहता है। शिवपुराण के अनुसार भस्म सृष्टि का सार है, एक दिन संपूर्ण सृष्टि इसी राख के रूप में परिवर्तित हो जानी है। ऐसा माना जाता है कि चारों युग (त्रेता युग, सत युग, द्वापर युग और कलियुग) के बाद इस सृष्टि का विनाश हो जाता है और पुन: सृष्टि की रचना ब्रह्माजी द्वारा की जाती है। यह क्रिया अनवरत चलती रहती है। इस सृष्टि के सार भस्म यानी राख को शिवजी सदैव धारण किए रहते हैं। इसका यही अर्थ है कि एक दिन यह संपूर्ण सृष्टि शिवजी में विलीन हो जानी है। शिवपुराण के लिए अनुसार भस्म तैयार करने के लिए कपिला गाय के गोबर से बने कंडे, शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर के वृक्ष की लकड़ियों को एक साथ जलाया जाता है। इस दौरान उचित मंत्रोच्चार किए जाते हैं। इन चीजों को जलाने पर जो भस्म प्राप्त होती है, उसे कपड़े से छान लिया जाता है। इस प्रकार तैयार की गई भस्म शिवजी को अर्पित की जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस प्रकार तैयार की गई भस्म को यदि कोई इंसान भी धारण करता है तो वह सभी सुख-सुविधाएं प्राप्त करता है। शिवपुराण के अनुसार ऐसी भस्म धारण करने से व्यक्ति का आकर्षण बढ़ता है, समाज में मान-सम्मान प्राप्त होता है। अत: शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाना चाहिए। जिस प्रकार भस्म यानी राख से कई प्रकार की वस्तुएं शुद्ध और साफ की जाती है, ठीक उसी प्रकार यदि हम भी शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाएंगे तो अक्षय पुण्य की प्राप्ति होगी और कई जन्मों के पापों से मुक्ति मिल जाएगी।

भस्म की यह विशेषता होती है कि यह शरीर के रोम छिद्रों को बंद कर देती है। इसे शरीर पर लगाने से गर्मी में गर्मी और सर्दी में सर्दी नहीं लगती। भस्म, त्वचा संबंधी रोगों में भी दवा का काम भी करती है। शिवजी का निवास कैलाश पर्वत पर बताया गया है, जहां का वातावरण एकदम प्रतिकूल है। इस प्रतिकूल वातावरण को अनुकूल बनाने में भस्म महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भस्म धारण करने वाले शिव संदेश देते हैं कि परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लेना चाहिए। जहां जैसे हालात बनते हैं, हमें भी स्वयं को उसी के अनुरूप बना लेना चाहिए।

क्यों लगाते हैं भोलेनाथ शरीर पर भस्म, कैसे बनती है भस्मार्ती की भस्म

भगवान शिव ने अपने तन पर जो भस्म रमाई है वह उनकी पत्नी सती की चिता की भस्म थी जो कि अपने पिता द्वारा भगवान शिव के अपमान से आहत हो वहां हो रहे यज्ञ के हवनकुंड में कूद गई थी। भगवान शिव को जब इसका पता चला तो वे बहुत बेचैन हो गये। जलते कुंड से सती के शरीर को निकालकर प्रलाप करते हुए ब्रह्माण्ड में घूमते रहे। उनके क्रोध व बेचैनी से सृष्टि खतरे में पड़ गई। जहां जहां सती के अंग गिरे वहां शक्तिपीठ की स्थापना हो गई। पिर भी शिव का संताप जारी रहा। तब श्री हरि ने सती के शरीर को भस्म में परिवर्तित कर दिया। शिव विरह की अग्नि में भस्म को ही उनकी अंतिम निशानी के तौर पर तन पर लगा लिया। पहले भगवान श्री हरि ने देवी सती के शरीर को छिन्न भिन्न कर दिया था। जहां जहां उनके अंग गिरे वहीं शक्तिपीठों की स्थापना हुई। लेकिन पुराणों में भस्म का विवरण भी मिलता है। भगवान शिव के तन पर भस्म रमाने का एक रहस्य यह भी है कि राख विरक्ति का प्रतीक है। भगवान शिव चूंकि बहुत ही लौकिक देव लगते हैं। कथाओं के माध्यम से उनका रहन-सहन एक आम सन्यासी सा लगता है। एक ऐसे ऋषि सा जो गृहस्थी का पालन करते हुए मोह माया से विरक्त रहते हैं और संदेश देते हैं कि अंत काल सब कुछ राख हो जाना है। एक रहस्य यह भी हो सकता है चूंकि भगवान शिव को विनाशक भी माना जाता है। ब्रह्मा जहां सृष्टि की निर्माण करते हैं तो विष्णु पालन-पोषण लेकिन जब सृष्टि में नकारात्मकता बढ़ जाती है तो भगवान शिव विध्वंस कर डालते हैं। विध्वंस यानि की समाप्ति और भस्म इसी अंत इसी विध्वंस की प्रतीक भी है। शिव हमेशा याद दिलाते रहते हैं कि पाप के रास्ते पर चलना छोड़ दें अन्यथा अंत में सब राख ही होगा।

महाकाल की भस्मार्ती

उज्जैन स्थित महाकालेश्वर की भस्मार्ती विश्व भर में प्रसिद्ध है। ऐसी मान्यता है कि वर्षों पहले श्मशान भस्म से भूतभावन भगवान महाकाल की भस्म आरती होती थी लेकिन अब यह परंपरा खत्म हो चुकी है और अब कंडे की भस्म से आरती-श्रृंगार किया जा रहा है। वर्तमान में महाकाल की भस्म आरती में कपिला गाय के गोबर से बने औषधियुक्त उपलों में शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर की लकड़ियों को जलाकर बनाई भस्म का प्रयोग किया जाता है। जलते कंडे में जड़ीबूटी और कपूर-गुगल की मात्रा इतनी डाली जाती है कि यह भस्म ना सिर्फ सेहत की दृष्टि से उपयुक्त होती है बल्कि स्वाद में भी लाजवाब हो जाती है। श्रौत, स्मार्त और लौकिक ऐसे तीन प्रकार की भस्म कही जाती है। श्रुति की विधि से यज्ञ किया हो वह भस्म श्रौत है, स्मृति की विधि से यज्ञ किया हो वह स्मार्त भस्म है तथा कण्डे को जलाकर भस्म तैयार की हो वह लौकिक भस्म है। शिव का शरीर पर भस्म लपेटने का दार्शनिक अर्थ यही है कि यह शरीर जिस पर हम घमंड करते हैं, जिसकी सुविधा और रक्षा के लिए ना जाने क्या-क्या करते हैं एक दिन इसी इस भस्म के समान हो जाएगा। शरीर क्षणभंगुर है और आत्मा अनंत। कई सन्यासी तथा नागा साधु पूरे शरीर पर भस्म लगाते हैं। यह भस्म उनके शरीर की कीटाणुओं से तो रक्षा करता ही है तथा सब रोम कूपों को ढंककर ठंड और गर्मी से भी राहत दिलाती है। रोम कूपों के ढंक जाने से शरीर की गर्मी बाहर नहीं निकल पाती इससे शीत का अहसास नहीं होता और गर्मी में शरीर की नमी बाहर नहीं होती। इससे गर्मी से रक्षा होती है। मच्छर, खटमल आदि जीव भी भस्म रमे शरीर से दूर रहते हैं।

कैसे हुई भीष्म पितामह की पराजय

महाभारत युद्ध के दसवें दिन भी भीष्म पितामह ने पांडवों की सेना में भयंकर मारकाट मचाई। यह देखकर युधिष्ठिर ने अर्जुन से भीष्म पितामह को रोकने के लिए कहा। अर्जुन शिखंडी को आगे करके भीष्म से युद्ध करने पहुंचे। शिखंडी को देखकर भीष्म ने अर्जुन पर बाण नहीं चलाए और अर्जुन अपने तीखे बाणों से भीष्म पितामह को बींधने लगे। इस प्रकार बाणों से छलनी होकर भीष्म पितामह सूर्यास्त के समय अपने रथ से गिर गए। उस समय उनका मस्तक पूर्व दिशा की ओर था। उन्होंने देखा कि इस समय सूर्य अभी दक्षिणायन में है, अभी मृत्यु का उचित समय नही हैं, इसलिए उन्होंने उस समय अपने प्राणों का त्याग नहीं किया।

युधिष्ठिर को दिया धर्म ज्ञान

महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर से कहा कि इस समय पितामह भीष्म बाणों की शैय्या पर हैं। आप उनके पास चलकर उनके चरणों को प्रणाम कीजिए और आपके मन में जितने भी संदेह हो, उनके बारे में पूछ लीजिए। श्रीकृष्ण की बात मानकर युधिष्ठिर भीष्म पितामह के पास गए और उनसे धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का ज्ञान प्राप्त किया। युधिष्ठिर को ज्ञान देने के बाद भीष्म पितामह ने उनसे कहा कि अब तुम जाकर न्यायपूर्वक शासन करो, जब सूर्य उत्तरायण हो जाए, उस समय फिर मेरे पास आना।

ऐसे त्यागे भीष्म पितामह ने अपने प्राण

जब सूर्यदेव उत्तरायण हो गए तब युधिष्ठिर सहित सभी लोग भीष्म पितामह के पास पहुंचे। उन्हें देखकर भीष्म पितामह ने कहा कि इन तीखे बाणों पर शयन करते हुए मुझे 58 दिन हो गए हैं। उन्होंने श्रीकृष्ण को संबोधित करते हुए कहा कि अब मैं प्राणों का त्याग करना चाहता हूं। ऐसा कहकर भीष्मजी कुछ देर तक चुपचाप रहे। इसके बाद वे मन सहित प्राणवायु को क्रमश: भिन्न-भिन्न धारणाओं में स्थापित करने लगे। भीष्मजी का प्राण उनके जिस अंग को त्यागकर ऊपर उठता था, उस अंग के बाण अपने आप निकल जाते और उनका घाव भी भर जाता। भीष्मजी ने अपने देह के सभी द्वारों को बंद करके प्राण को सब ओर से रोक लिया, इसलिए वह उनका मस्तक (ब्रह्म रंध्र) फोड़कर आकाश में चला गया। इस प्रकार महात्मा भीष्म के प्राण आकाश में विलीन हो गए।

एक्सिस म्युचुअल फंड ने 'एक्सिस रिटायरमेंट सेविंग्स फंड' लॉन्च किया

भारत की अग्रणी परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों में से एक, एक्सिस म्युचुअल फंड ने अपना नया फंड-'एक्सिस रिटायरमेंट सेविंग्स फंड' लॉन्च किया। यह फंड ओपन-एंडेड रिटायरमेंट समाधान-आधारित स्कीम है, जिसकी लॉक-इन अवधि 5 वर्ष या रिटायरमेंट की उम्र (जो भी पहले हो) तक है। इस नए फंड ऑफर (एनएफओ) को 29 नवंबर, 2019 से 13 दिसंबर, 2019 तक सब्सक्राइब किया जा सकेगा। रिटायरमेंट की प्लानिंग देश के कामकाजी आयुवर्ग वालों के लिए धीरे-धीरे एक प्रमुख समस्या बनती जा रही है, चूंकि उनके पास रिटायरमेंट के बाद लंबी जिंदगी जीने की चुनौती होती है। औपचारिक सामाजिक सुरक्षा और बदलती परंपरागत सहायक पारिवारिक संरचनाओं के मद्देनजर, यह चुनौती गंभीर बन जाती है। एक्सिस एएमसी द्वारा बाजार पर कराये गए एक अध्ययन के निष्कर्षों से इस स्थिति की पुष्टि हुई है। इस अध्ययन के दौरान विभिन्न पृष्ठभूमियों और अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों से संपर्क किया गया, जिनमें से सभी ने रिटायरमेंट को लेकर अपनी तैयारी से जुड़ी चिंताएं जाहिर की। लोग चाहते हैं कि रिटायरमेंट के बाद भी वो आत्मनिर्भर बने रहें और साथ ही, वो नहीं चाहते कि रिटायरमेंट के चलते उनकी जीवनशैली में कोई बदलाव आए। इन चुनौतियों को लेकर बढ़ती जागरूकता के साथ, लोगों को उनकी सहायता हेतु सही वित्तीय समाधान की जरूरत अधिकाधिक महसूस हो रही है। एक्सिस रिटायरमेंट सेविंग्स फंड को निवेशकों को उक्त सहायता हेतु विशिष्ट तरीके से डिजाइन किया गया है। इस फंड की कई विशेषताएं हैं, जैसे-लचीले जोखिम प्रोफाइल्स वाले अलग-अलग निवेश प्लान्स, विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में मजबूत फंड प्रबंधन क्षमताएं, कर पर छूट, रिटायरमेंट के बाद की आय के लिए फंड के उपयोग की छूट और साथ ही, निवेशकों के लिए जीवन सुरक्षा उपलब्ध है, ताकि उन्हें अनुशासित बने रहने हेतु प्रोत्साहित किया जा सके। एक्सिस रिटायरमेंट से विंग्सप्लान की लॉक-इन अवधि पांच साल या रिटायरमेंट की उम्र (जो भी पहले हो) तक है। निवेशकों की विभिन्न जोखिम प्रोफाइल्स को ध्यान में रखते हुए, इस फंड में तीन निवेश विकल्प हैं- एग्रेसिव प्लान जिसमें 65-80 प्रतिशत निधि इक्विटी में निवेश की जाएगी, डाइनैमिक प्लान जिसमें 65-100 प्रतिशत निधि को परिवर्तनात्मक तरीके से इक्विटी में निवेश किया जाएगा और कंजर्वेटिव प्लान 40-80 प्रतिशत डेब्ट में निवेश किया जाएगा। रिटायरमेंट फंड जैसे दीर्घकालिक समाधान उपलब्ध कराते समय, विभिन्न जोखिम प्रोफाइल्स के लिए अलग विकल्प होना आवश्यक है। इसका कारण यह है कि जोखिम प्रोफाइल उनकी उम्र और परिस्थिति के आधार पर बदलती रहती है।

मुख्य बातें

- कामकाजी आयुवर्ग-जो रिटायरमेंट के बाद आत्मनिर्भर बने रहना चाहता है- के लिए रिटायरमेंट की प्लानिंग चुनौती बनती जा रही है।
- एक्सिस रिटायरमेंट सेविंग्स फंड को इस प्रकार से डिजाइन किया गया है, ताकि निवेशक दीर्घकालिक रिटायरमेंट प्लानिंग कर सकें।
- इस ओपन एंडेड फंड में निवेशकों की आयु व बदलती परिस्थितियों के आधार पर बदलती जोखिम प्रोफाइल्स के अनुरूप तीन अलग-अलग प्लांस हैं।
- आई-प्लससिप इंश्योरेंस दीर्घकालिकसिप निवेशकों की लंबितसिप प्रतिबद्धताओं के अनुरूप अनूठा निःशुल्क जीवन सुरक्षा प्रदान करता है।
- एनएफओ की तिथि: 29 नवंबर से 13 दिसंबर, 2019 तक।

आई- प्लससिप इंश्योरेंस

इस फंड की अनूठी एवं नई विशेषता यह है कि इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि निवेशक का दीर्घ कालिक योजनाबद्ध निवेश अज्ञात जोखिम के शिकार न हों। आई-प्लससिप इंश्योरेंस निवेशकों को निःशुल्क जीवन सुरक्षा प्रदानकरता है, जोकि उनके दीर्घकालिकसिप की शेष वचनबद्धता के बराबर है। इसकी इस खूबी के चलते, निवेशकों के मन को सुकून मिलेगा, क्योंकि वो अपने परिवार एवं आश्रितों को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक निवेश प्लान्स बनाते हैं। एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा यह इंश्योरेंस प्रदान किया जाएगा।

35 के बाद मां बनने पर शिशु को हो सकता है इस बड़ी बीमारी का खतरा

बेटा होगा तो बढ़ेंगी मुश्किलें

ज्यादा उम्र की महिलाओं से जन्मे लड़कों में दिल संबंधी बीमारियों का खतरा ज्यादा होता है। एक हालिया शोध में यह दावा किया गया है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज द्वारा किए गए शोध में पाया गया कि उम्रदराज माताओं के गर्भनाल में होने वाले बदलाव के कारण उनसे जन्मे लड़कों के स्वास्थ्य को आगे चलकर नुकसान पहुंच सकता है।

35 के बाद मां बनने से मुश्किल: यह शोध चूहों पर किया गया और पाया गया कि 35 की उम्र के ऊपर मां बनने वाली महिलाओं के बेटों के साथ ऐसी समस्या हो सकती है। हालांकि, शोध में पाया गया कि देर से मां बनने वाली महिलाओं के बेटों को तो इसके नकारात्मक परिणाम भुगतने पें लेकिन बेटियों में ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिला, बल्कि उनमें कुछ फायदा ही देखा गया। शोधकर्ताओं ने कहा कि माताओं की उम्र ज्यादा होने से गर्भनाल द्वारा बच्चे तक पोषण और ऑक्सीजन पहुंचाने की क्षमता कम हो जाती है। पहली गर्भावस्था की उम्र बती जा रही है- शोधकर्ता डॉक्टर अमांडा पेरी ने कहा, महिलाओं में पहली गर्भावस्था की औसत आयु दिनों-दिन बती जा रही है, इसलिए यह समझना जरूरी है कि ज्यादा उम्र में मां बनने वाली महिलाओं के बच्चों में वयस्क होने पर किस तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

शोधकर्ताओं ने कहा कि मां को गर्भ में पल रहे बच्चे से जोने वाली गर्भनाल बेहद गतिशील होती है। महिलाओं की उम्र बने से होने वाले जेनेटिक बदलावों के कारण गर्भनाल के कार्य करने की क्षमता भी प्रभावित होती है। बढ़ती उम्र में पोषण का बंटवारा करना मुश्किल होता है।

शोधकर्ता डॉक्टर टीना नापसो ने कहा कि, ज्यादा उम्र में गर्भधारण करना मां के लिए काफी महंगा साबित होता है क्योंकि उसके शरीर के लिए बच्चों के साथ पोषण का बंटवारा करना थो मुश्किल हो जाता है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि शोध के दौरान देखा गया कि उम्रदराज मां और मादा भ्रूण के मामले में गर्भनाल फायदे देता हुए पाया गया। इस दौरान गर्भनाल में सकारात्मक बदलाव देखे गए जो भ्रूण के विकास को ज्यादा फायदा पहुंचाते हैं।

वहीं शोध में पता चला कि नर भ्रूण के मामले में उम्रदराज माताओं का गर्भनाल कमजोर हो जाता है और ठीक से अपना काम नहीं कर पाता।

मसाला दलिया

सामग्री

- 1 कप भुना हुआ दलिया
- 1 हरी मिर्च
- 1 प्याज
- 1 कप लौकी
- 1 चम्मच सरसों के बीज
- हल्दी पाउडर
- 1 बड़ा चम्मच घी
- 1 कप कटी हुई गाजर
- 1/2 कप शिमला मिर्च
- 1 छोटा चम्मच हल्दी
- 1/2 कप कटे हुए टमाटर
- ½ कप हरी मटर
- ½ कप स्वीट कॉर्न
- ½ टीस्पून काली मिर्च पाउडर
- 1 नींबू का रस
- नमक स्वाद अनुसार
- अनार के बीज और धनिया पत्ती गार्निशिंग के लिए

विधि

सबसे पहले एक पैन में घी गर्म करें। अब इसमें राई और प्याज डाल दें। प्याज को गोल्डन ब्राउन होने के बाद भूने। इसके बाद इसमें हरी मिर्च, लौकी, कॉर्न्स, गाजर, शिमला मिर्च और मटर डालकर भूनें। अब पैन में टमाटर डालें। इसके बाद पैन में नमक, काली मिर्च और हल्दी पाउडर डालकर पैन को 3-4 मिनट के लिए ढक दें। थोड़ी देर बाद सब्जियों को अच्छी तरह से मिला लें। अब पैन में डालिया और पानी डालकर पैन को दोबारा ढक दें। दलिया को समय-समय पर चेक करते रहे। एक बार दलिया पकने के बाद गैस को बंद करके दलिया में नींबू का रस मिलाकर उसे गर्मा-गर्म प्लेट में अनार के दानों और धनिया पत्ती से गार्निश करके सर्व करें।

मसाला बनाना करी

सामग्री

- 2 कच्चे केले
- नमक
- 1/4 टीस्पून हल्दी
- 1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर
- 1 टेबलस्पून अदरक का पेस्ट, तेल
- बारीक कटा प्याज और टमाटर
- चुटकी भर मेथी दाना और सौंफ
- करी पत्ते
- 2 टेबलस्पून लहसून का पेस्ट
- 2 टेबलस्पून धनिया व जीरा पाउडर
- 2 टेबलस्पून इमली का पल्प

विधि

छिले हुए केलों को मोटे और गोल टुकड़ों में काट लें। उन पर नमक, हल्दी पाउडर, 1/2 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर और आधा अदरक का पेस्ट अच्छी तरह मिला लें। एख नॉनस्टिक पैन में तेल गर्म कर केले के स्लाइसेज भूनें। एक कड़ाही में मेथी दाना, सौंफ, करी पत्ते और प्याज भूनें। बचा हुआ अदरक का पेस्ट, लहुसन का पेस्ट और टमाटर उसमें मिला लें। केलों पर थोड़ा पानी छिड़कें और ढककर पकने दें। अब हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर और लाल मिर्च पाउडर मिलाएं। उसमें आधा कप पानी और नमक मिलाने के बाद केले के टुकड़े और इमली का पल्प मिलाएं। आंच धीमी कर थोड़ा और पानी डालकर कड़ाही ढक दें। 1-2 मिनट तक पकाने के बाद गरमागरम सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2682

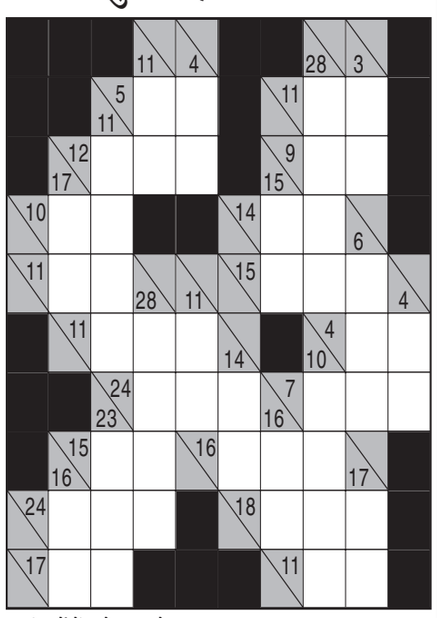

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2681 का हल

हंसी के फव्वारें

एक हीरो का जब बुरा समय आया तो एक होटल में बैरागिरी करने लगा. एक दिन उसका दोस्त उस होटल में खाना खाने पहुंचा. जब उसने हीरो को वहां वेटर के रूप में देखा तो उसने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा-'अरे! तुम ऐसे मामूली होटल में बैरागिरी कर रहे हो ?'

'हां !' हीरो शान्त स्वर में बोला-'सब समय की बात है. फिर भी अभी ऐसी हालत नहीं हुई कि इस होटल में खाना खाना पड़े.'

□ □ □

एक अधिकारी ने कागजी कार्यवाही के दौरान अपने पास बैठे एक आदमी से पूछा-'आपकी राष्ट्रीयता तो भारतीय है ना!'

'जी नहीं !'

'फिर ?'

'मेरे मां और बाप दोनों अंग्रेज थे, इसलिए मेरी राष्ट्रीयता अंग्रेजी है.'

'मगर आप पैदा तो भारत में हुए थे.'

'तो क्या हुआ!'वह आदमी कड़क आवाज में बोला-'आपकी कुतिया यदि घुड़साल में जाकर पिल्ला दे तो क्या आप उसे घोड़ा मान लेंगे ?'

□ □ □

बेटा-'पापा मुझे तीन विषयों में एक समान अंक मिले हैं.'

पिता-कितने अंक मिले हैं.

बेटा-'शून्य,शून्य,शून्य !'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली-2682

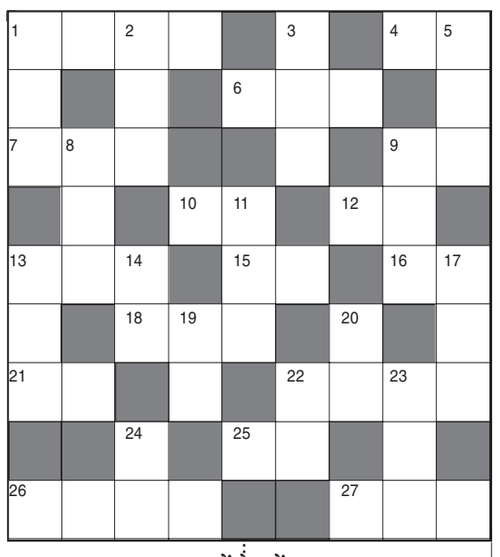

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की 'होरी खेले' गीत वाली फिल्म-४
४. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली अमिताभ, जैकी श्रॉफ, मधु सप्रे, कैटरीना कैफ, जीनत, सीमा की फिल्म-२
६. सुनील शेट्टी, सोनाली बेंद्रे की 'तुम से मिलने को' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चढ़ गया ऊपर रे' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
९. अमजद, विनोद मेहरा, बिंदिया की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१२. बलराज साहनी, नूतन की 'तु प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मेरी पैंट भी सैक्सी' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, पुजा, सोनाली की 'तुम आये तो' गीत वालीफिल्म-२
१६. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
१८. अजय, अभिषेक, बिपाशा की 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
२१. अमिताभ वाली फिल्म 'यारना' की नायिका कौन थी-२
२२. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी की फिल्म-४
२५. धर्मेन्द्र, हेमा की 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'अल्हड़ मस्त जवानी' गीत वाली अजय देवगन, ग्रेसी सिंह की फिल्म-४
२७. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'जब दिल चुराये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षय, रवीना की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
२. 'ऑखों के रस्ते' गीत वाली बॉबी देओल रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. गोविंदा, करिश्मा की 'तुमसा कोई प्यारा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'चुपके से दिल' गीत वाली राजकुमार, राजेश खन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
८. अनिल कपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'लड़की है क्या' गीत वाली फिल्म-३
९. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-३
११. संजय, सलमान, माधुरी की 'जियें तो जियें' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'बत्रो तेरी आँखियाँ' गीत वाली सनी, जैकी, मनीषा की फिल्म-३
१४. डिनो, बिपाशा की 'कितना प्यारा है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'रहें ना रहें हम' गीत वाली धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-३
१९. 'मैं चुप रहूँगी' में सुनीलदत्त के साथ नायिका कौन थी ?-२
२०. फिल्म 'करीब' में बॉबी देओल के साथ नायिका कौन थी ?-२
२२. आफताब, उर्मिला की 'सुना था देखा ना था' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
२४. जाकिर, शबाना, अरूणा की 'बादल चाँदी बरसाये' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2681

ऐ	त	बा	र		जु	मं		जी	
त		द		क	मां		घा	त	क
रा	हु	ल		री	ना	रा	य		मं
ज			हि	ना		जा	ल		यो
	फ	की	रा		शी	बा		बा	गी
क	जं		स	नी		बू	म		
र		शी	त	ल			हा	सि	ल
म	हा	न		क	न्या	दा	न		व
	द		ना	म		दा	ता		स्ते
सं	सा	र		ल	की			नू	री

सूडोकु -2682

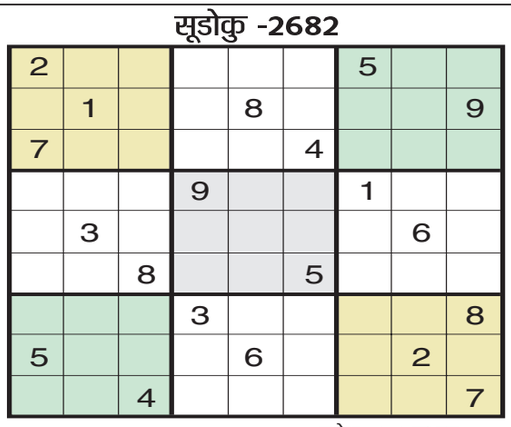

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2681 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

शब्द पहेली - 2682

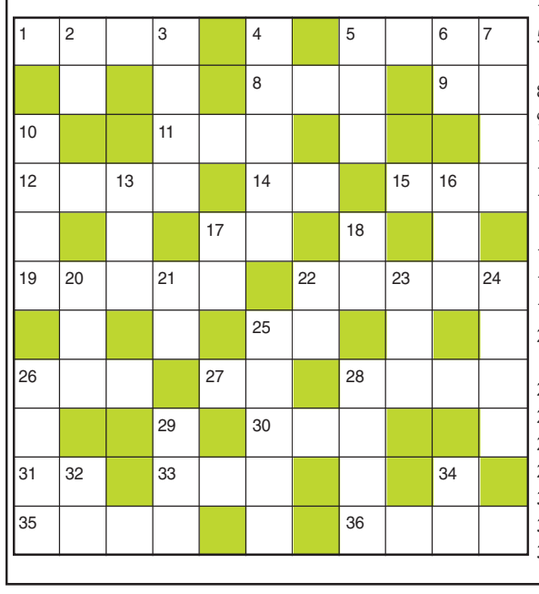

बाएँ से दाएँ

1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे

2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली -2681 का हल

	सो	नि	या	गां	धी		म	हा	न	ता
खा	ना		प		र	क्ष	क		म	ल
ना		म	न	सि	ज		र	ज		मे
ब	ला	त			वा	दा		म	ह	ल
दो		दा		क	ला		आ		व	
श	य	न	क	क्ष		दि	शा	ही	न	ता
	म		प		ह	ल		न		क
का	ज	ल		शा	म			त	ह	त
म		त	य		व	फा	दा	र		व
घो	र		की	म	त		म		का	र
र	म	जा	न		न	य	न	ज	ल	

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए आडवाणी और जोशी को मिला निमंत्रण

नई दिल्ली। राम मंदिर आंदोलन के अग्रणी रहे भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी को आधिकारिक तौर पर राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया है। विश्व हिन्दू परिषद की ओर से इस संबंध में एक वक्तव्य और फोटो साझा की गई है। तस्वीर में संघ के सह सरकार्यवाह डॉ कृष्ण गोपाल, अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख रामलाल और विहिप के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार हैं। वे लाल कृष्ण आडवाणी को निमंत्रण पत्र दे रहे हैं। विहिप ने कहा, 'राम मंदिर आंदोलन के पुरोधा आदरणीय लाल कृष्ण आडवाणी जी और आदरणीय डॉ. मुरली मनोहर जोशी जी को अयोध्या में 22 जनवरी, 2024 को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में आने का निमंत्रण दिया। रामजी के आंदोलन के बारे में बात हुई। दोनों वरिष्ठों ने कहा कि वह आने का पूरा प्रयास करेंगे।'

यह भारत का क्षण है : जेजीयू प्रोफेसर की पुस्तक के विमोचन पर जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा आजादी के 75 साल बाद विदेश नीति के बारे में अधिक आत्मनिरीक्षण करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि अक्सर हम सोचते हैं कि जो निर्णय लिए गए, वे ही एकमात्र निर्णय थे जो लिए जा सकते थे, जो शायद पूरी तरह सच नहीं हो। तो, मुझे लगता है कि काल्पनिक होने की आवश्यकता नहीं है। पीछे मुड़कर देखना, तरोताजा रहना, खुद को सही करना महत्वपूर्ण है। विदेश नीति को सही करने के लिए पीछे मुड़कर देखना महत्वपूर्ण है, पीछे मुड़कर देखते रहें, तरोताजा होते रहें और खुद को सही करते रहें। विदेश मंत्री जयशंकर ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल इनिशिएटिव्स के डीन पूर्व भारतीय राजनयिक, प्रो. मोहन कुमार की पुस्तक, इंडियाज़ मोमेंटः चेंजिंग पावर इक्वेशन अराउंड द वर्ल्ड के विमोचन के मौके पर बोल रहे थे। पुस्तक का प्रकाशन हार्पर कॉलिन्स द्वारा किया गया है। जयशंकर ने कहा, विदेश नीति के संदर्भ में हम सभी वार्ताकार हैं।

सरसंघचालक 21 दिसम्बर को आएंगे बिहार

पटना। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत 21 दिसम्बर को बिहार आएंगे। वे 22 दिसम्बर को भागलपुर जिले में महर्षि मेंही आश्रम कुप्पाघाट जाएंगे। यहां 9:30 बजे सुबह महर्षि मेंही आश्रम में रह रहे आचार्य साधु-सन्यासियों से मिलकर कई बिंदुओं पर वार्ता करेंगे। वे महर्षि मेंही पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'महर्षि मेंही-एक व्यक्तित्व एक विचार' का लुक आउट भी जारी करेंगे। सरसंघचालक के आगमन को लेकर तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। भागलपुर जिला पुलिस विभाग भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने में जुटा है। अखिल भारतीय संतमत सत्संग महासभा महर्षि मेंही आश्रम, कुप्पाघाट के महामंत्री दिव्य प्रकाश के मुताबिक, सरसंघचालक मोहन भागवत 9:30 बजे सुबह कुप्पाघाट परिसर में पहुंचकर महर्षि मेंही परमहंस और संत सेवी महाराज के समाधि स्थल पर पुष्पांजलि करेंगे।

कांग्रेस ने 2024 के आम चुनावों के लिए 5 सदस्यीय राष्ट्रीय गठबंधन समिति का गठन किया

नई दिल्ली। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार को 2024 के आम चुनावों के लिए 5 सदस्यीय राष्ट्रीय गठबंधन समिति का गठन किया है। इस समिति में मुकुल वासनिक, वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, सलमान खुर्शीद और मोहन प्रकाश को शामिल किया गया है। मुकुल वासनिक को समिति का संयोजक बनाया गया है। राष्ट्रीय गठबंधन समिति में अशोक गहलोत और भूपेश बघेल को ऐसे समय में शामिल किया गया है जब हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को राजस्थान और छत्तीसगढ़ में हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस ने I.N.D.I.A गठबंधन की बैठक से पहले गठबंधन समिति का गठन किया है। 2024 के आम चुनावों को लेकर ही मंगलवार को I.N.D.I.A गठबंधन की बैठक दिल्ली में होनी है। इस बैठक में विपक्षी नेता आगामी लोकसभा चुनाव पर चर्चा करेंगे।

प्रधानमंत्री ने स्मार्ट इंडिया हैकथॉन के प्रति जताई उत्सुकता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि वह स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2023 के ग्रैंड फिनाले के प्रतिभागियों के साथ बातचीत को उत्सुक हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आज रात 9:30 बजे, मैं स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2023 - एक बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम - में अग्रणी नवप्रवर्तकों के साथ शामिल होने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने कहा कि मुझे हमारे युवाओं द्वारा किए जा रहे रिकॉर्ड नवाचारों के बारे में और अधिक जानकर खुशी हो रही है, जिनके परिणाम भारत की प्रगति यात्रा को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि मैं आपसे कार्यक्रम में शामिल होने और हमारी युवा शक्ति का समर्थन करने का आग्रह करता हूं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज (19 दिसंबर) रात 9: 30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2023 के

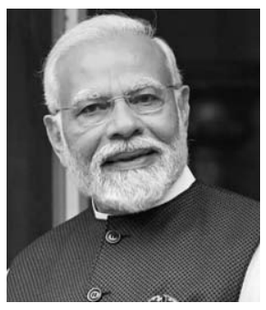

ग्रैंड फिनाले के प्रतिभागियों के साथ बातचीत करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री प्रतिभागियों को संबोधित भी करेंगे।

इस साल एसआईएच का ग्रैंड फिनाले 19 से 23 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है। एसआईएच 2023 में, 44,000 टीमों से 50,000 से अधिक विचार प्राप्त हुए, जो पहले एसआईएच की तुलना में लगभग सात गुना वृद्धि को दर्शाता है। देश भर के 48 नोडल केंद्रों पर आयोजित होने वाले ग्रैंड फिनाले में 12,000 से अधिक प्रतिभागी और 2500 से अधिक सलाहकार और मार्गदर्शक भाग लेंगे। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, स्मार्ट शिक्षा, आपदा प्रबंधन, रोबोटिक्स और ड्रोन, विरासत और संस्कृति सहित विभिन्न विषयों पर समाधान प्रदान करने के लिए इस वर्ष ग्रैंड फिनाले के लिए कुल 1282 टीमों का चयन किया गया है। भाग लेने वाली टीमें 25 केंद्रीय मंत्रालयों और राज्य सरकारों के 51 विभागों द्वारा पोस्ट किए गए 231 समस्या विवरणों (176 सॉफ्टवेयर और 55 हार्डवेयर) का समाधान प्रदान करेंगी।

पूर्व सीएम चौहान ने कहा- सेवा ही संकल्प है, पार्टी जहां बोलेगी वहां काम करूंगा

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार के मंत्रिमंडल पर सस्पेंस बना हुआ है। इस बीच चुनाव परिणाम आने के बाद पहली बार पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान मंगलवार को दिल्ली पहुंचे। उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। इस दौरान पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने 'सेवा ही संकल्प' की बात कही। उन्होंने कहा कि पार्टी जो तय करेगी वो मंजूर है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कहीं भी काम करने को तैयार हूं। राज्य हो या केंद्र, जहां भी पार्टी बोलेगी वहां काम कर लूंगा। इस दौरान शिवराज मीडिया से भी रूबरू हुए। भाई बहन और मामा के सवाल पर पूर्व सीएम ने कहा कि भाई-बहन का प्यार अलग है। उसका किसी पद से कोई लेनादेना है।पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया पर लिखा कि दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष

जेपी नड्डा जी से भेंट की। इस दौरान राष्ट्र उत्थान, लोक कल्याण एवं जनसेवा के विषय में चर्चा हुई। 'सेवा ही संकल्प है' के ध्येय के लिए भाजपा के हम समस्त कार्यकर्ता समर्पित हैं।

मध्य प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव और दो डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला के शपथ ग्रहण करने के बाद मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर चर्चा बनी हुई है। रविवार को केंद्रीय नेतृत्व के साथ सीएम और प्रदेश के नेताओं की मंत्रिमंडल के नाम पर बैठक हुई। इसमें नए चेहरों के साथ ही कुछ पुराने चेहरे के नाम पर सहमति बनने की बात सामने आई, लेकिन दिग्गज नेताओं की भूमिका को लेकर पेंच फंस गया है। इसके चलते मंत्रिमंडल विस्तार के कुछ दिन टलने की बात सामने आ रही है।

विपक्षी सांसद ने बनाया राज्यसभा सभापति का मजाक, धनखड़ बोले- यह सदन का अपमान

नई दिल्ली। विपक्षी सांसदों के निलंबन के खिलाफ मंगलवार को विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसदों के विरोध प्रदर्शन के दौरान टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी पर राज्यसभा सभापति की नकल उतारने के आरोप लग रहे हैं। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी इस दौरान जगदीप धनखड़ की नकल उतारते हुए कल्याण बनर्जी का वीडियो शूट कर रहे हैं।

जताई नाराजगी

इस पर राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने नाराजगी जाहिर की है। जगदीप धनखड़ ने कहा कि एक सांसद मजाक बना रहे थे और एक बड़े नेता उनका वीडियो शूट कर रहे थे। धनखड़ ने कहा कि यह सदन का अपमान है। बता दें कि हंगामे के चलते राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई है। बता दें कि हंगामे के चलते राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई है। बता दें कि संसद की सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर विपक्ष सरकार पर हमले कर रहा है और विपक्ष की मांग है कि सरकार इस मुद्दे पर सदन में चर्चा करे। वहीं सरकार विपक्ष पर इसे लेकर राजनीति करने का आरोप लगा रही है।

राज्यसभा सभापति ने

सीएम ने किया खेल महाकुंभ का शुभारंभ, खिलाड़ियों को मिलेगा सीधे राष्ट्रीय खेलों में एंट्री का मौका

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स स्टेडियम में राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ का शुभारंभ किया। इस दौरान सीएम ने कहा कि इस प्रतियोगिता में क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ियों को सीधे राष्ट्रीय खेलों में एंट्री दी जाएगी। प्रतियोगिता में पहले दूसरे और तीसरे स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को खेल किट दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, हरिद्वार फ्लाईओवर के नीचे खाली पड़ी जगह का इस्तेमाल बैडमिंटन, जिम आदि खेल गतिविधियों के उपयोग के लिए किया जाएगा।

तमिलनाडु में बाढ़ से तीन की मौत, लोगों के रेस्क्यू के लिए सेना ने संभाला मोर्चा

थुटुकुडी । तमिलनाडु के दक्षिणी जिले इन दिनों बाढ़ जैसे हालात से जूझ रहे हैं। दरअसल इन जिलों में पिछले तीन दिनों से भारी बारिश हो रही है। इससे कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार तमिलनाडु में बारिश और बाढ़ के चलते पैदा हुए हालातों में तीन लोगों की मौत हो गई है। तमिलनाडु के थुटुकुडी जिले में कई जगहों पर 525 मिमी बारिश हुई। इसके चलते थुटुकुडी में बाढ़ से आम जनजीवन बुरी तरह त्रस्त है। मौसम विभाग के ताजा अनुमान ने बाढ़ से जूझ रहे लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में वायुसेना के हेलीकॉप्टर्स से खाने के पैकेट और अन्य जरूरी सामान गिराया जा रहा है।

लोगों को बचाने के लिए सेना ने संभाला मोर्चा

भारतीय सेना ने बाढ़ प्रभावित थुटुकुडी जिले में 57 महिलाओं, 39 पुरुषों और 15 बच्चों का रेस्क्यू किया। बाढ़ जैसे हालात के चलते कई इलाकों में लोग फंसे हुए हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, भारतीय सेना और वायुसेना लोगों के रेस्क्यू में जुटी हैं। जलमग्न इलाकों में भारतीय कोस्ट गार्ड के जवान फंसे हुए लोगों को निकालने और लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाने में जुटे हैं। वायुसेना ने बाढ़ प्रभावित इलाकों से लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए ऑपरेशन चल रही है। लोगों को एयर लिफ्ट किया जा रहा है। एक गर्भवती महिला और डेढ़ साल की बच्ची समेत चार यात्रियों को वायुसेना ने सुरक्षित बचाया।

मध्य प्रदेश विधानसभा में नेहरू की तस्वीर हटाकर अंबेडकर की लगाए जाने का मामला गरमाया

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में स्पीकर की कुर्सी के पीछे लगी देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर के स्थान पर संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की तस्वीर लगाए जाने के मामले ने सियासी रंग ले लिया है। कांग्रेस इस पर सवाल उठा रही है, वहीं भाजपा के नेताओं ने कहा है कि आखिर ऐसा करने में बुराई क्या है। राज्य विधानसभा में स्पीकर की कुर्सी के पीछे एक तरफ जहां महात्मा गांधी तो दूसरी ओर प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू की तस्वीर लगी हुई थी। मगर अब नेहरू की जगह अंबेडकर की तस्वीर लग गई है। इस मामले पर कांग्रेस ने एतराज जताया है। साथ ही नेहरू की तस्वीर लगाए जाने की मांग की है।

इंडिया अलायंस की मीटिंग से पहले उद्धव ठाकरे ने कहा, मैं पीएम बनने का सपना नहीं देखता

नई दिल्ली/मुंबई। राष्ट्रीय राजधानी में इंडिया अलायंस की बैठक से कुछ ही घंटे पहले, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष, उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को घोषणा की कि वह प्रधानमंत्री बनने का सपना नहीं देखते हैं। ठाकरे ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, ÷मैं भारत के लिए किसी नेतृत्वकारी भूमिका (प्रधानमंत्री) का सपना नहीं देख रहा हूं. तुरंत पोस्ट करें,

सवालों के जवाब में, एसएस-यूबीटी सुप्रीमो ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के मुकाबले किसी को भी इंडिया ब्लॉक के 'प्रधान मंत्री पद के चेहरे' के रूप में पेश नहीं किया जा रहा है, हालांकि विपक्षी गठबंधन को इस मुद्दे पर बहुत जल्द निर्णय लेना होगा। उन्होंने कहा, ÷हमने प्रधानमंत्री पद के लिए किसी का सिर नहीं फुलाया है, हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता लोकतंत्र को बचाना है और इसी उद्देश्य से देश भर से विभिन्न विचारधाराओं वाले सभी राजनीतिक दल भाजपा को

चुनौती देने के लिए एकजुट हुए हैं।' ठाकरे ने कहा, 'हालांकि,इंडिया गठबंधन को (प्रधानमंत्री के चेहरे पर) जल्द ही निर्णय लेना होगा।

मणिपुर में हिंसा के बाद चुराचांदपुर जिले में धारा 144 लागू, स्थिति अभी भी तनावपूर्ण

चुराचांदपुर (मणिपुर)। मणिपुर सरकार ने नए सिरे से हिंसा के बाद चुराचांदपुर जिले में दो महीने के लिए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा आदेश लागू किया है। एक आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गई है। इस पूर्वोत्तर राज्य के विभिन्न हिस्सों में इस साल मई के बाद से जातीय संघर्ष जारी है। चुराचांदपुर जिले में सोमवार को खासतौर पर थिंगकांगफई गांव में कई स्थानों पर हिंसा की छिटपुट घटनाएं दर्ज की गईं। जिला मजिस्ट्रेट ने एक आदेश में कहा, ''लोगों के दो समूहों के बीच टकराव के कारण शांति भंग होने की आशंका अब भी हैज्और स्थिति अभी तनावपूर्ण है।'' निषेधाज्ञा आदेश सोमवार को लागू किया गया और यह 18 फरवरी 2024 तक लागू रहेगा। इसके तहत पांच और उससे अधिक लोगों के एकत्रित होने तथा हथियार रखने पर मनाही है।

सांसदों के निलंबन को लेकर विपक्ष ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। लोकसभा और राज्यसभा से 92 सांसदों के निलंबन को लेकर विपक्ष ने राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में मंगलवार को संसद भवन परिसर में विरोध प्रदर्शन किया।

आईएनडीआईए घटक दलों के सांसदों ने सुबह खड़गे के साथ बैठक की। उसके बाद सभी सांसद संसद भवन परिसर में स्थित गांधी प्रतिमा के सामने एकत्र हुए और सरकार विरोधी नारे लगाए। प्रदर्शन के दौरान खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने सदन की गरिमा का अपमान किया है। संसद की सुरक्षा में सेंध के बावजूद वो संसद में आकर बयान नहीं देते। खड़गे ने कहा कि इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में सांसदों को निलंबित किया गया। ये लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाने जैसा है। यह सदन की मर्यादा पर गहरी ठेस है। समाजवादी पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि जिस तरीके से सदस्यों को निलंबित किया जा रहा है, उससे यह लगता है कि सरकार विपक्ष विहीन संसद चाहती है। एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि हम सिर्फ संसद की सुरक्षा में सेंध पर जवाब मांग रहे थे। हमें सदन से बाहर कर दिया गया।

यूपी कैबिनेट का बड़ा निर्णय: एनसीआर के 2.40 लाख अधूरे घरों का निर्माण किया जाएगा पूरा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में एनसीआर के अधूरे पड़े 2.40 लाख घरों को पूरा करने की मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से खरीदारों को राहत मिलेगी। दरअसल, रियल स्टेट प्रोजेक्ट्स की समस्याओं के निदान के लिए नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया था जिसने डेवलपर्स की खराब वित्तीय हालत को देखते हुए अपनी संस्तुतियां दी थी जिस पर निर्णय लिया गया है। इससे रुकी हुई परियोजनाओं को पूरा किया जाएगा और खरीदारों को फ्लैट मिल सकेंगे। कैबिनेट ने नगर निगम कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी और आगरा के लिए म्युनिसिपल बांड जारी करने और स्थापना विकास निधि से क्रेडिट

रेटिंग इन्वेस्टमेंट के लिए धनराशि उपलब्ध कराए जाने को स्वीकृति दे दी है।

बैठक के बाद वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने प्रेस कांफ्रेंस में फैसलों को लेकर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बैठक में प्रदेश के 57 जिलों में साइबर क्राइम पुलिस थानों की स्थापना की मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम में आरोपियों की गिरफ्तारी से लेकर उन्हें सजा दिलाने और वसूली में यूपी देश में अव्वल है।

पवार ने सांसदों के निलंबन पर सरकार को घेरा, सुरक्षा चूक पर जताई चिंता

नई दिल्ली/मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने मंगलवार को संसद सुरक्षा चूक पर सरकार से बयान मांगने के बाद सांसदों को निलंबित करने के फैसले की जमकर आलोचना की। राज्यसभा सांसद पवार ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को पत्र लिखकर सुरक्षा चूक की घटना के लिए स्पष्टीकरण मांगने वाले सांसदों को निलंबित करने के फैसले को 'जवाबदेही और पारदर्शिता के सिद्धांतों के प्रतिकूल' बताया।84 वर्षीय पवार ने कहा, 'सांसदों को स्पष्टीकरण मांगने और संसदीय माहौल की सुरक्षा सुनिश्चित करने का वैध अधिकार है, जो हमारे देश के लोकतंत्र का प्रतीक है।' 'हालांकि, सरकार ने न केवल इस तरह के बयान से खुद को दूर कर लिया, बल्कि देश की सर्वोच्च कानून बनाने वाली संस्था की सुरक्षा में चूक पर स्पष्टीकरण/बयान मांगने वाले सांसदों को निलंबित करने की कार्रवाई भी की। ये दुर्भाग्यपूर्ण है। पवार ने कहा कि उन्हें यह बताया गया है कि कुछ सांसद जो सदन के वेल में नहीं गए, नारेबाजी नहीं की और 'लगातार' व्यवधान में शामिल नहीं थे, उन्हें भी निलंबित सांसदों की सूची में शामिल किया गया है। पवार ने कहा, 'हमले और उसके बाद निलंबन के मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए, मैं आपसे संसदीय प्रक्रियाओं और मिसालों और लोकतांत्रिक मूल्यों की अखंडता को बनाए रखने के हित में इस मामले को संबोधित करने का अनुरोध करूंगा।'

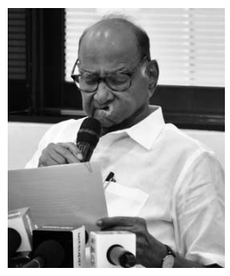

अक्टूबर तक 72 लाख से ज्यादा विदेशी पर्यटक आ चुके भारत, केंद्र सरकार ने लोकसभा में दी जानकारी

नई दिल्ली। लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में रेड्डी ने कहा कि इस वर्ष अक्टूबर तक 72.4 लाख से ज्यादा विदेशी पर्यटक भारत आ चुके हैं। ब्यूरो आफ इमिग्रेशन के आंकड़ों के मुताबिक, 2018 में 1.05 करोड़, 2019 में 1.09 करोड़, 2020 में 27.4 लाख, 2021 में 15.2 लाख और 2022 में 64.4 लाख विदेशी पर्यटक भारत आए थे। रेड्डी ने यह भी बताया कि केंद्रीय खान मंत्रालय ने पूर्ववर्ती भारत गोल्ड माइन्स लिमिटेड (कोलार गोल्ड फील्ड्स) के बुनियादी ढांचे को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव पर्यटन मंत्रालय के समक्ष रखा है। केंद्र सरकार ने सोमवार को ये भी बताया कि देश में प्राचीन ऐतिहासिक काल के हिंदू मंदिरों और गुफाओं के साक्ष्य या अवशेष पाए गए हैं।

कोविड के बढ़ते मामलों के बीच कर्नाटक सरकार अलर्ट, सीमावर्ती इलाकों के लिए जारी की एडवाइजरी

बेंगलुरु। कोविड के बढ़ते प्रकोप को देखते कर्नाटक सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। दरअसल, कर्नाटक सरकार ने मंगलवार को एडवाइजरी जारी कर 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों, गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को बाहर जाने पर फेस मास्क पहनने और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचने को कहा है।

स्वास्थ्य अधिकारियों को सतर्क रहने की सलाह

सरकार ने केरल और तमिलनाडु की सीमा से लगे जिलों में अधिकारियों को सतर्क रहने और पर्याप्त परीक्षण और कोविड मामलों की समय पर रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए भी एक सर्कुलर जारी किया।

देश में कोविड-19 के वर्तमान परिदृश्य और JN.v सब वेरिएंट के उद्भव, सर्दी और नए साल के उत्सव के दौरान भीड़-भाड़ की स्थिति को देखते हुए यह एडवाइजी जारी की है।

फेस मास्क पहनने और भीड़-भाड़ से बचने का आग्रह

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सेवाओं के आयुक्त, रणदीप डी द्वारा जारी एडवाइजरी में कहा गया, सभी बुजुर्ग (60 वर्ष और उससे अधिक), सहरुग्ण, गर्भवती महिलाएं और स्तनपान कराने वाली माताएं, जब बाहर जाएं, तो फेस मास्क पहनें और बंद, खराब हवादार स्थानों और भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर जाने से सख्ती से बचें।' जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि बुखार, खांसी, सर्दी और नाक बहने जैसे श्वसन संबंधी लक्षणों वाले सभी लोगों को शीघ्र डॉक्टरों से परामर्श लेना चाहिए। मरीजों को फेस मास्क पहनना चाहिए और बंद, खराब हवादार स्थानों और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचना चाहिए।

बीमार और वरिष्ठ लोगों से दूर रहने की सलाह

सर्कुलर में आगे कहा गया है कि बार-बार हाथ धोने और अच्छी व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखना आवश्यक है। साथ ही कहा गया है, ÷अस्वस्थ होने पर, घर पर रहें और अन्य लोगों, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और जो कमजोर हैं, उनके साथ कम से कम संपर्क करें। भीड़-भाड़ वाली जगहों पर, विशेष रूप से, यदि अच्छी तरह हवादार न हो, तो मास्क पहनने की सलाह दी जाती है।

एडवाइजरी में कहा गया है कि विदेश यात्रा करते समय सतर्क रहें और प्रासंगिक यात्रा सावधानियां अपनाएं। एयरपोर्ट पर और विमान के अंदर मास्क पहनना और खराब वेंटिलेशन वाले भीड़-भाड़ वाले इलाकों से बचना है।

खासी मांग है देश के साथ-साथ विदेशों में भी

मेडीकल लैब टैक्नीशियन की

मेडीकल लैब टैक्नीशियन, डाक्टरों के निर्देश पर काम करते हैं। उपकरणों के रख-रखाव और कई तरह के काम इनके जिम्मे होता है। लैबोरेटरी में नमूनों की जांच और विश्लेषण में काम आने वाला घोल भी लैब टैक्नीशियन ही बनाते हैं। इन्हें मेडीकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों के बारे में पूरा ज्ञान होता है। लैब टैक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते।

नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टैक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एम.एल.टी. कुछ सैम्पलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एम.एल.टी. का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।

मेडीकल लैब टैक्नोलॉजिस्ट में सर्टीफिकेट डिप्लोमा, डिग्री एवं मास्टर्स के दौरान बेसिक फिजियोलॉजी, बेसिक बायोकैमिस्ट्री एंड ब्लड बैंकिंग, एनाटोमी एंड फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, एनवायरनमैंट एंड बायोमैडीकल वेस्ट मैनेजमैंट, मैडीकल लैबोरेटरी टैक्नोलॉजी एवं अस्पताल प्रशिक्षण दिया जाता है।

सर्टीफिकेट इन मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी (सी.एम.एल.टी.) छह महीने का कोर्स है जिसके लिए योग्यता है 10वीं पास। वहीं डिप्लोमा इन मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इस कोर्स की अवधि है एक वर्ष। 12वीं प्रमुख विषय के रूप में फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी (पी.सी.बी.) तथा फिजिक्स, कैमिस्ट्री या मैथ्स (पी.सी.एम.) के साथ पास होना अनिवार्य है।

बी.एससी. इन एम.एल.टी. के लिए 12वीं विज्ञान विषयों के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी है। जिसकी अवधि है 3 वर्ष। एम.एस.सी. इन मैडीकल लैबोरेटरी टैक्नोलॉजिस्ट (एम.एल.टी.) प्रोग्राम में प्रवेश करने के लिए अभ्यर्थी के पास पहले हाई स्कूल डिप्लोमा होना चाहिए, इसके बाद 2 साल का एसोसिएट प्रोग्राम करना होता है। यह प्रोग्राम कम्युनिटी कालेज, टैक्नीकल, स्कूल, वोकेशनल स्कूल या विश्वविद्यालय द्वारा कराया जाता है।

मैडीकल लैबोरेटरी तकनीशियनों को काम में निपुणता और जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण की जरूरत पड़ती है।

छात्र इस तरह क प्रशिक्षण लैबोरेटरी कार्यों के दौरान ही साथ ही साथ प्राप्त कर सकते हैं। अधिकतर प्रांतों में मैडीकल लैबोरेटरी तकनीशियनों के लिए कोई प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं होती, लेकिन कुछ राज्यों में इन तकनीशियनों के पास काम करने के लिए प्रमाण पत्र होना जरूरी है।

प्रमाण पत्र वाले तकनीशियनों के लिए इस क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं होती हैं। आप किसी भी मैडीकल लैबोरेटरी हॉस्पिटल, पैथोलॉजिस्ट के साथ काम कर सकते हैं। ब्लड बैंक में इनकी खासी मांग रहती है। आप बतौर रिसर्चर व कंसल्टैंट के अलावा खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं।

सामान्य तौर पर एक एम.एल.टी. का वेतन 10 हजार से शुरू होता है जबकि पैथोलॉजिस्ट को तीस हजार रुपए से चालीस हजार रुपए तक सैलरी मिल जाती है। साथ ही योग्यता और तजुर्बे के आधार पर उनके वेतन में इजाफा होता चला जाता है। देश के साथ-साथ विदेशों में भी इनकी खासी मांग है।

आधे से ज्यादा लोग अपनी जॉब से रहते हैं नाखुश!

क्या आप जानते हैं कि आधे से ज्यादा लोग अपनी नौकरी से नाखुश रहते हैं और आधे से ज्यादा लोग इस बात को महसूस करते हैं कि वह जिस जॉब को कर रहे हैं, उसमें उनका कोई भविष्य नहीं है या उन्होंने अपनी जिंदगी में गलत करियर चुन लिया।

यह बात ब्रिटेन स्टडी में सामने आई है। स्टडी में कहा गया है कि ब्रिटेन में काम करने वाले लोग अपनी जॉब से परेशान हैं और वह मानते हैं कि वह अपने भविष्य को सही जगह नहीं ले गए। इसके साथ ही एक चौथाई लोग अपने आपको गरीब कर्मचारी मानते हैं। वह लोग ऐसा इसिलए समझते हैं, क्योंकि वह अपनी जॉब से खुश नहीं होते।

स्टडी के मुताबिक 7 में से 1 कर्मचारी ऐसा भी होता है, जो अपनी जॉब से परेशान होकर उसकी आदर नहीं करते और वह जॉब पर ध्यान नहीं देता। इसके साथ-साथ 49 फीसदी ब्रिटेन के कर्मचारी ऐसे भी हैं, जो जॉब करने के साथ साथ किसी और फिल्ड में भी अपना कैरियर तलाश करते हैं।

प्रतिद्वंद्वी को अपना अच्छा दोस्त बनाएं

जब दोस्त ईष्या करने लगे

कई बार ऑफिस में प्रमोशन मिलने से आपकी बैस्ट फ्रैंड को भी आपसे ईर्ष्या हो जाती है। ऐसे में अपनी ही दोस्त के बिहेवियर में जलन का भाव देख कर किसी को भी टैंशन होना लाजिमी है, उसे बताएं कि बहुत सी चीजें वक्त के साथ ही संभव हो पाती हैं, कल उसे भी तो प्रमोशन मिल सकता है, बस मेहनत करते रहो। इस प्रकार दो दोस्तों के दिलों में पडने़ वाली दीवार को समय रहते मिटाया जा सकता है।

शिकायत करने वालों से बचें

ऐसे दोस्तों की भी कमी नहीं जिसे हमेशा आपसे कोई न कोई शिकायत रहती हो। हर बार कमी गिनाने वाले लोग पॉजीटिव सोच वाले नहीं हो सकते। अत- जरूरी है कि उसकी अधिकांश शिकायतों को उसकी आदत जान कर नजरअंदाज करना आरंभ करें। जब भी वह आपसे शिकायत करने लगे तो बात का टॉपिक ही बदल दें, यदि फिर भी वह न समझे, तो उसे साफ.-साफ कह दें कि हर समय अपनी कमी सुनना अपको पसंद नहीं और वह भी अपने नैगेटिव थॉट्स छोड़ कर पॉजीटिव बातों की तरफ ध्यान दे।

हमेशा सलाह देने वालों से बचें

कुछ लोगों की आदत होती है कि अपने फ्रैंड्स को परेशान देख कर बिना उसकी परेशानी का सबब जाने ही उसे सलाह देने बैठ जाएंगे, बिना यह जाने कि उसे इसकी जरूरत है भी या नहीं। ऐसे दोस्तों को लगता है कि आप में किसी प्रकार का फैसला लेने की क्षमता नहीं है और आपकी भलाई हमेशा उन्हें ऐसा करने को प्रेरित करती रहती है।

अब भले ही आपको यह सब बुरा लगे, पर इतनी सी बात पर दोस्ती कोई नहीं तोड़ता। अब की बार जब वह आपको बिन मांगे सलाह देने लगे तो बड़े प्यार से उसे यह समझाएं कि आप उसकी सलाह एवं राय का आदर करती हैं पर आप भी दूसरों की तरह अपनी ही गलतियों से सीखना चाहती हैं। यदि आपको उसकी सलाह की आवश्यकता होगी तो आप स्वयं उससे सलाह मांग लेंगी, तब तक उन्हें खुद ही इसका हल ढूंढने दिया जाए।

खुद करें पहल

दोस्ती एक ऐसा फेवीकोल है जो बिखरते रिश्तों को मजबूती से जोडने़ का काम करता है। यदि आप किसी दूसरे से बेहतर बनना चाहती हैं, तो उसकी दोस्त बन जाएं, फिर आपको उससे प्रतिस्पर्धा करने में तनाव भी नहीं होगा और आपको एक नया दोस्त भी मिल जाएगा, जिससे आप प्रतिदिन कुछ नया सीखेंगी। नए रिश्ते बनाने में पहल किसी को तो करनी ही होती है, तो क्यों न आप ही शुरूआत करें क्योंकि प्रतिद्वंद्वी को ही अपना अच्छा दोस्त बनाने से बेहतर और क्या हो सकता है।

बीती बातों को भुलाना बेहतर

कभी किसी दोस्त के लिए गुस्से में अपशब्द निकल गए हों तो उसे भुला कर उससे माफी मांग लें, क्योंकि बीती बातों को दोहराने का कोई लाभ नहीं। माफी मांग लेने से आप एक अच्छे दोस्त को खोने से बच जाएंगी और साथ ही उसकी नजरों में आपका स्थान और ऊंचा हो जाएगा।

अनुवादक

कॅरियर का बेहतरीन विकल्प

आज दुनिया भर के कई देशों में डिस्कवरी सबसे लोकप्रिय चैनल है। यह चैनल दुनिया के कई देशों में उनकी भाषा में प्रसारण करता है। ऐसा संभव होता है अनुवाद के कारण। अनुवाद एक ऐसा माध्यम है जिसने ग्लोबल दुनिया को एक-दूसरे से जुडने़ में अहम भूमिका निभाई है। दुनिया की कई भाषाओं में अच्छे अनुवादकों की आज भारी मांग है। अच्छे अनुवादकों को अच्छा काम और अच्छा पैसा मिलने की चिंता नहीं करनी पड़ती है। अच्छे अनुवादक की योग्यता- यह ध्यान रखने की बात है कि अनुवाद मूल लेखन से भी मुश्किल है। सबसे पहले आपको अपनी मातृभाषा के अलावा दूसरी भाषा की जानकारी हो। इसके लिए महज फर्राटे से स्पैनिश और फ्रेंच बोलने से काम नहीं चल जाता। अनुवादक का मकसद एक से दूसरे भाषा क्षेत्र में जाना होता है। इसलिए इसके लिए धैर्य, स्थिरता और समय की जरूरत होती है। अनुवाद शुरू करने से लेकर खत्म करने तक में अनुवादक को कई तरह के प्रयोग करने होते हैं। शब्दों के विकल्पों में से सटीक शब्द चुनना होता है। मूल लेखन और टारगेट रीडर के बीच की दूरी खत्म करनी होती है। यह दूरी जितनी ज्यादा कम हो जाए, अनुवाद उतना सफल होता है। अवसर- शिक्षा और मीडिया से जुड़े लोगों के बीच अनुवाद के काम की बहुत मांग है। विभिन्न दूतावासों में भी अच्छे अनुवादकों की दरकार होती है। फिल्मों और धारावाहिकों में डबिंग के लिए भी अनुवादक की जरूरत होती है। एक प्रोफेशनल अनुवादक के लिए रोजगार के कई अवसर हैं। आज देश में लगभग पांच करोड़ लोग ऐसे हैं जिन्हें तीन भाषाओं का ज्ञान है। आने वाले समय में यह संख्या बढ़ेगी जिसके कारण रोजगार की संख्या बढ़ेगी। जिन लोगों को दो या तीन भाषाओं की अच्छी जानकारी होती है, वे अनुवादक के रूप में अच्छा करिअर बना सकते हैं। अनुवाद का मानव सभ्यता और संस्कृति के विकास में बहुत बड़ा योगदान है। अनुवाद दरअसल एक सेतु है, जो दो भाषाओं, दो संस्कृतियों और दो सभ्यताओं को आपस में जोड़ता है। भूमंडलीकरण के इस दौर में अनुवादकों की माँग बहुत ज्यादा बढ़ रही है। अनुवाद करने वालों के लिए प्रकाशन गृह में हमेशा स्थान होता है। इसके अलावा फिल्मी दुनिया में भी विदेशी फिल्मों के सबटाइटल' बनाने और किसी अ न्य भाषा में फिल्म की डबिंग करने के लिए अनुवादकों की आवश्यकता होती है। अखबार और पत्रिकाओं में भी अनुवाद का बहुत काम होता है, इसलिए प्रिंट मीडिया में भी अनुवादकों के लिए अवसर मौजूद होते हैं। निजी क्षेत्र के अलावा शासकीय क्षेत्र में भी अनुवादकों के लिए रोजगार के कई अवसर उपलब्ध होते हैं। शासकीय दूतावासों में अनुवादक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। दूतावास में काम करने वाले अनुवादकों को विदेश जाने के अवसर एवं प्रतिष्ठापूर्ण ओहदा मिलता है। कई लोग अनुवाद को केवल हिंदी और अंग्रेजी के साथ जोड़कर ही देखते हैं। जबकि ऐसा नहीं है, अनुवाद के संदर्भ में हिंदी और अंग्रेजी का क्षेत्र बहुत विस्तृत है, लेकिन अन्य भाषाओं में भी अनुवाद के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। यदि हम अपने देश के बारे में बात करें तो हिंदी के अलावा गुजराती, मराठी, कन्नड, तमिल जैसी भाषाओं में भी अनुवादकों के लिए बहुत से अवसर उपलब्ध हैं। यदि अनुवादक के रूप में नौकरी न करना चाहें तो फ्रीलांस अनुवादक के रूप में काम किया जा सकता है। फ्रीलांस अनुवादकों के लिए भी अवसरों की कमी नहीं है। फ्रीलांस अनुवादकों के लिए इंटरनेट बहुत बड़ा अवसरदाता है। कई वेबसाइट अनुवादकों को अवसर मुहैया करवा रही है। इन साइटों पर अनुवादक अपना पंजीयन करवाते हैं।

> भाषा संप्रेषण का माध्यम है लेकिन यदि भाषा पर अधिकार हो तो करिअर बनाने की डगर बहुत आसान हो जाती है। वैसे तो आप किसी भी क्षेत्र में अपना करिअर बनाएँ, दो या दो से अधिक भाषाओं पर अच्छी पकड़ आपको हर क्षेत्र में खास तवज्जो दिलाएगी। दो भाषाओं पर अच्छा अधिकार अपने आप में एक विशेषता है।

आईपीएल 2024 नीलामी

हर्षल पटेल सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ी बने, स्टार्क की रिकॉर्डतोड़ बोली के बीच छाए

दुबई (एजेंसी)। दुबई में आईपीएल 2024 के लिए मिनी ऑक्शन जारी है। इस ऑक्शन में 332 खिलाड़ियों के नाम पर बोली लग रही है। जिसमें 216 भारतीय खिलाड़ी हैं। अभी तक नीलामी में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का ज्यादा बोल बाला दिखा। जहां सबसे महंगे खिलाड़ी के रूप में मिचेल स्टार्क 24.75 करोड़ में बिके तो उनके ही हमवतन पैट कमिंस को सनराइजर्स हैदराबाद ने 20.50 करोड़ में अपनी टीम में शामिल किया। लेकिन इस बीच हर्षल पटेल छा गए। हर्षल पटेल बतौर भारतीय खिलाड़ी सबसे महंगे खिलाड़ी बिके।

आईपीएल के इस मिनी ऑक्शन में टीम इंडिया के तेज गेदंबाज हर्षल पटेल का जलवा देखने को मिला। उन्हें पंजाब किंग्स ने 11.75 करोड़ रुपये में खरीदा। हर्षल इस नीलामी में बिकने वाले सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ी रहे। हर्षल आईपीएल के पिछले सीजन में आरसीबी का पार्ट थे।

नीलामी में गुजरात टाइटंस ने सबसे पहले उन पर बोली लगाई। फिर पंजाब और लखनऊ के बीच उन्हें खरीदने की रेस लगी। लखनऊ के पर्स में कम

कीमत होने के कारण वो पीछे हट गई। आरसीबी ने हर्षल के लिए थोड़ी भी दिलचस्पी नहीं दिखाई।

हर्षल टी20 क्रिकेट के बेहतरीन गेंदबाज माने जाते हैं। स्लोअर गेंदों से विकेट चटकाने में माहिर हर्षल ने आईपीएल 2021 में आरीसीबी के लिए खेलते हुए पर्पल कैप हासिल की थी।

मुंबई इंडियंस की कप्तान संभालने के बाद पहली बार जिम में नजर आये हार्दिक

मुम्बई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस क्रिकेट टीम की कप्तानी संभालने के बाद हार्दिक पंड्या पहली बार जिम में नजर आये। इसका एक वीडियो भी पांड्या ने साझा किया है। मुम्बई टीक ने आईपीएल के अगले सत्र के लिए अभी से अभ्यास शुरु कर दिया है। पंड्या की नजरें इस बार अपनी टीम को आईपीएल खिताब दिलाना है। पंड्या जब से मुम्बई के नये कप्तान बने हैं। सोशल मीडिया पर रोहित शर्मा के साथ चर्चा में बने हुए हैं। रोहित की जगह पंड्या को मुम्बई का कप्तान बनाने के कारण प्रशंसकों की मिली जुली प्रतिक्रियाएं मिली हैं। कुछेक ने इसे भविष्य के लिए साहसिक कदम बताया तो कइयों ने इसपर नाराजगी जतायी है।

हालांकि पांड्या इन चर्चाओं से परेशान नहीं हैं। हार्दिक ने मुंबई इंडियंस के कप्तान बनने के बाद जिम में अभ्यास का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाऊंट पर साझा किया है। पंड्या की मुंबई इंडियंस में वापसी एक तरह की उनके लिए घर वापसी तरह ही है। उन्होंने 2015 में फ्रेंचाइजी के लिए आईपीएल में पदार्पण किया और कुछ ही समय में वह एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित हो गये थे। उनका ऑलराउंडर के तौर पर कौशल और आक्रामक खेल शैली मुंबई इंडियंस के खेल के तरीके से मिलता भी है।

आईपीएल 2024: ऋषभ पंत को फिट होने में लगेगा समय, विकेटकीपर बल्लेबाज ने खुद दिया फिटनेस अपडेट

गक्बेरहा (एजेंसी)। भारत के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को उम्मीद है कि वह अगले कुछ महीनों में पूरी तरह से फिट हो जाएंगे और अगले साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में बहुप्रतीक्षित वापसी करेंगे। बता दें कि, पंत पिछले साल सड़क दुर्घटना में चोटिल हो गए थे जिसके कारण वह वर्ष 2023 में नहीं खेल पाए। वह प्रशंसकों के प्यार और स्नेह से अभिभूत हैं जिससे उन्हें उम्मीद से जल्दी फिट होने में मदद मिली।

दिल्ली कैपिटल्स ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो जारी किया है जिसमें पंत ने कहा,'' मुझे लगता है कि पिछले कुछ महीनों की तुलना में मैं अब काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं। मैं अब भी शत प्रतिशत फिटनेस हासिल करने की राह पर हूं। लेकिन उम्मीद है कि अगले कुछ महीनों में मैं पूरी तरह से फिट हो जाऊंगा।'' ऋषभ पंत के सड़क दुर्घटना में चोटिल होने के बाद प्रशंसकों ने उनके प्रति जो प्यार और स्नेह दिखाया वह इस विकेटकीपर बल्लेबाज के दिल को छू गया जिसका अहसास उन्हें पहली बार हुआ।

उन्होंने कहा,'' यह वास्तव में शानदार अहसास है क्योंकि जब हम क्रिकेट खेलते हैं तो ऐसा लगता है कि कोई हमसे प्यार नहीं करता क्योंकि कई चीजों का दबाव रहता है। लेकिन वास्तव में यह काफी मुश्किल समय था और मुझे पता चला कि लोग हमें प्यार करते हैं। वे हमारा सम्मान करते हैं और मेरे चोटिल होने के बाद वे भी चिंतित थे। यह दिल को छूने वाला था और मेरे लिए यह काफी मायने रखता है।''

पंत ने आगे कहा,''जब आप बुरे दौर से गुजर रहे होते हैं या आपके साथ ऐसा कुछ होता है तो यह केवल शारीरिक ही नहीं मानसिक लड़ाई भी होती है और अगर आपके प्रशंसक आपके प्रति प्यार और स्नेह दिखाते हैं तो यह काफी मायने रखता है और इससे वास्तव में चोट से उबरने में मदद मिली।'' पंत की अनुपस्थिति में पिछले सत्र में ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने दिल्ली कैपिटल्स की अगुवाई की थी।

आईएलटी20 ने नवीन उल हक पर लगाया प्रतिबंध

मुम्बई। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज नवीन-उल-हक पर 20 माह का प्रतिबंध लगा दिया गया है। नवीन पर ये प्रतिबंध इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) ने लगाया है। नवीन पर ये पाबंदी शारजाह वॉरियर्स के साथ अपने खिलाड़ी समझौते का उल्लंघन करने के लिए लगाया गया है। वॉरियर्स ने सीजन 1 के लिए

नवीन से करार किया था। वहीं एक बयान के अनुसार, नवीन को वॉरियर्स द्वारा एक और साल के विस्तार की पेशकश की गई थी पर उन्होंने सीज़न 2 के लिए रिटेंशन नोटिस पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया। इसके कारण अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज ने शारजाह वॉरियर्स के साथ अपना करार समाप्त कर दिया। गौरतलब है कि नवीन ने जनवरी-फरवरी 2023 विंडो में शारजाह वॉरियर्स के लिए आईएलटी 20 के सीजन 1 में खेला था, जिसने इस साल की शुरुआत में उन्हें खिलाड़ी करार शर्तों के अनुसार समान नियमों और शर्तों पर रिटेंशन नोटिस दिया था। वहीं शारजाह वॉरियर्स ने इस विवाद में हस्तक्षेप करने के लिए आईएलटी 20 से संपर्क किया था। आईएलटी 20 की तीन सदस्यीय अनुशासन समिति लीग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेविड व्हाइट, सुरक्षा और भ्रष्टाचार विरोधी प्रमुख कर्नल आजम और अमीरात क्रिकेट बोर्ड के सदस्य जायद अब्बास शामिल थे, ने दोनों पक्षों को अलग-अलग सुना। डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 के सीईओ डेविड व्हाइट ने कहा कि सभी से अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी अनुबंध संबंधी प्रतिबद्धताओं का पालन करें।

रोहित के मुंबई इंडियंस के छोड़ने की खबरों पर लगा विराम

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के लिए मुंबई इंडियंस ने जब से रोहित की जगह हार्दिक पांड्या को नया कप्तान बनाया है, तभी से अलग-अलग तरह की खबरें मीडिया में आ रही हैं। एक खबर चर्चा में आई कि मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा बुधवार के बाद किसी और टीम को ट्रेड किए जा सकते हैं, इसके अलावा मुंबई इंडियंस के सीनियर खिलाड़ी जैसे जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और ईशान किशन भी किसी और फ्रेंचाइजी टीम को ट्रेड किए जा सकते हैं। मुंबई इंडियंस के अधिकारी के हवाले से कहा गया हैं कि यह सब बस अफवाह है, ना रोहित शर्मा कहीं जा रहे हैं और ना ही कोई और खिलाड़ी।

मुंबई इंडियंस के अधिकारी ने कहा, इस तरह की खबरें पूरी तरह से झूठी और गलत हैं। कोई भी मुंबई इंडियंस का खिलाड़ी हमें छोड़कर नहीं जा रहा है और ना ही हम किसी को ट्रेड करने जा रहे हैं। मुंबई इंडियंस की तरफ से इस तरह का बयान पहली बार आया है क्योंकि हार्दिक पांड्या के कप्तान बनने के बाद से ही अलग-अलग तरह की खबरें सोशल मीडिया पर फैल रही हैं। मुंबई इंडियंस की ओर से कहा गया हैं कि पांड्या को कप्तान बनाने से पहले हर खिलाड़ी को कॉन्फिडेंस में लिया गया था। रोहित को भी इस बारे में खबर दी गई थी। और वह इस फैसले को लिए जाने वाले ग्रुप का हिस्सा था।

शानदार एकदिवसीय पदार्पण से उत्साहित हैं सुदर्शन

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। युवा बल्लेबाज साईं सुदर्शन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी अच्छी शुरुआत से बेहद उत्साहित हैं। साईं ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार एकदिवसीय पदार्पण करते हुए 55 रन बनाये। वहीं सोशल मीडिया पर इस बल्लेबाज ने कहा, यह बेहद शानदार था क्योंकि एक युवा खिलाड़ी के रूप में हर कोई देश के लिए खेलना चाहता है। टीम की जीत में अपना योगदान देना और देश के लिए ट्रॉफियां जीतना हर कोई खिलाड़ी चाहता है। इसलिए, मैं अपने प्रदर्शन से खुश था और यह एक बहुत ही अच्छा अनुभव है।

साथ ही कहा कि एक संस्कृति जो मुझे पसंद है, वह है डेब्यू कैप मिलना जिसे मैं तमिलनाडु के दिनों से देखना पसंद करता हूं। तब राष्ट्रगान के दौरान मैं थोड़ा भावुक था। यह एक शानदार एहसास है और मैंने इसका आनंद लिया। इस बल्लेबाज ने अपने पहले ही मैच में एक बेहतरीन कवर ड्राइव के साथ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपना प्रभाव दिखाया और अपने पहले एकदिवसीय मैच में चौके के साथ अपना खाता खोला। इतना ही नहीं सुदर्शन ने स्पिनरों के खिलाफ अपने फुटवर्क का इस्तेमाल करने के तरीके से भी प्रभावित किया।

सुदर्शन ने कहा कि इस सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए की ओर से लाल गेंदों के चार दिवसीय मैच खेलने के अनुभव से भी मदद मिली। उन्होंने कहा, मैंने बस इस बारे में जितना संभव हो सके उतनी जानकारी एकत्र करने की कोशिश की। मुझे अंदाजा था कि दक्षिण अफ्रीका में हालात कैसे होंगे।

हेजलवुड मार्च और अप्रैल में आईपीएल नहीं खेलेंगे, अन्य ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी उपलब्ध रहेंगे

मुम्बई। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड मार्च और अप्रैल में आईपीएल नहीं खेले पायेंगे। वह मई माह से ही इस लीग से जुड़ेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस बारे में सभी आईपीएल टीम को जानकारी दे दी है। माना जा

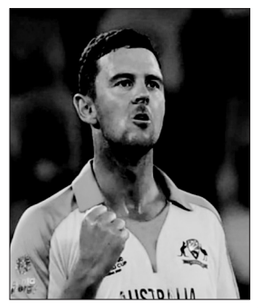

रहा है कि हेजलवुड अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण आईपीएल में नहीं खेल पाएंगे। इस तेज गेंदबाज को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने पहले ही 'रिलीज कर दिया था। वहीं ऑस्ट्रेलिया के अन्य सात खिलाड़ी आईपीएल के पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा बांग्लादेश के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान भी 22 मार्च से 11 मई तक ही उपलब्ध रहेंगे। बांग्लादेश के ही तेज गेंदबाज तास्किन अहमद और शोरिफुल इस्लाम अगले साल होने वाले आईपीएल को मार्च और अप्रैल में श्रीलंका और जिंबॉब्वे के खिलाफ होने वाली घरेलू श्रृंखला के लिए खेलना है इसलिए वह भी आईपीएल में इस समय उपलब्ध नहीं रहेंगे। वहीं श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा और तेज गेंदबाज दुष्मंथा चमीरा आईपीएल के पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगे क्योंकि उन्हें टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है जबकि श्रीलंका की टेस्ट टीम में शामिल अन्य खिलाड़ी बांग्लादेश के खिलाफ तीन अप्रैल को समाप्त होने वाली श्रृंखला के बाद ही आईपीएल में खेलेंगे।

ऑस्ट्रेलिया से शर्मनाक हार पर बोले पूर्व कप्तान- गेंदबाजों ने पाकिस्तान को निराश किया

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान अजहर अली ने अपने गेंदबाजों की जमकर आलोचना करते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में पर्थ की उस पिच पर वह अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे जिससे असमान उछाल मिल रही थी। ऑस्ट्रेलिया ने पहला टेस्ट मैच 360 रन से जीतकर तीन मैचों की श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की।

अजहर ने कहा, 'जिस तरह से चौथे दिन पिच से असमान उछाल मिल रही थी उसे देखते हुए पाकिस्तान का 89 रन पर आउट होना हैरानी भरा नहीं रहा। हर समय इस तरह की असमान उछाल से निपटना मुश्किल था।' अजहर ने गेंदबाजों की कड़ी आलोचना की जिनके बारे में उनका मानना है कि उन्होंने हाल के कुछ वर्षों में ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने कहा, 'कितनी बार गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया को कम स्कोर पर आउट किया जबकि बल्लेबाजों ने समय-समय पर अच्छा स्कोर बनाया। जब तक आप ऑस्ट्रेलिया को 250 या 300 रन से कम पर आउट नहीं करते हो तब तक आप ऑस्ट्रेलिया में मैच जीतने की उम्मीद नहीं कर सकते हो।'

लेडीज यूरोपीय टूर : प्रणवी संयुक्त 5वें स्थान पर पहुंची, टेन शीर्ष पर पहुंची

माराकेश। भारत की प्रणवी उर्स यहां अच्छा प्रदर्शन करते हुए लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) में संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर पहुंच गयी हैं। प्रणवी का अंतिम क्वालीफायर के दूसरे दौर में 4 अंडर 68 का स्कोर बनाया। वहीं पहले दौर में उन्होने 68 का स्कोर बनाया था। वहीं सिंगापुर की शेनन टेन भी 68 का स्कोर बनाने के साथ ही प्रणवी के साथ ही संयुक्त रूप से 5वें स्थान पर रही है। वहीं फर्नांडा लिरा दूसरे दौर में 71 के स्कोर से कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ शीर्ष पर चल रही हैं। भारत की ही नेहा त्रिपाठी दूसरे दौर में छह अंडर 67 के स्कोर से तीन अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 25वें स्थान पर चल रही हैं। इसके अलावा वाणी कपूर (73 और 70) संयुक्त 37वें, त्वेसा मलिक (74 और 70) संयुक्त 51वें, अमनदीप द्राल 75 और 70) संयुक्त 63वें, रिद्धिमा दिलावरी (74 और 72) संयुक्त 77वें, अवनी प्रशांत (76 और 71) संयुक्त 85वें स्थान पर चल रही हैं।

गावस्कर का दावा, मुंबई इंडियंस में नई सोच लेकर आएंगे हार्दिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने दावा किया है कि मुंबई इंडियंस के नए कप्तान हार्दिक पांड्या इस टीम में नई सोच लेकर आएंगे। उन्होंने कहा कि रोहित थके हुए नजर आ रहे थे और पिछले कुछ वर्षों से उन्होंने बल्लेबाजी में पर्याप्त योगदान नहीं दिया। बता दें कि भारत की टी20 टीम के कप्तान हार्दिक को मुंबई इंडियंस ने दुबई में मंगलवार को होने वाली आईपीएल नीलामी से पहले अपनी टीम से जोड़ा। मुंबई ने बाद में उन्हें अपना नया कप्तान नियुक्त किया। रोहित और चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल के सबसे सफल कप्तानों में शामिल हैं। इन दोनों की अगुवाई में उनकी टीम ने पांच-पांच खिताब जीते हैं। हालांकि मुंबई इंडियंस 2021 के बाद खिताब नहीं जीत पाया और 2022 में वह अंतिम स्थान पर रहा था। गावस्कर ने कहा कि ऐसा रोहित के थके हुए होने के कारण हो सकता है क्योंकि वह लगातार सिर्फ आईपीएल टीम ही नहीं, भारत के कप्तान की भूमिका भी निभा रहे थे।

गावस्कर ने कहा कि हमें हार्दिक को मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाना सही या गलत के रूप में नहीं देखना है। उन्होंने यह फैसला टीम के फायदे के लिए लिया है। रोहित का यहां तक कि बल्लेबाजी में भी योगदान थोड़ा कम हो गया है। उन्होंने कहा कि इससे पहले रोहित बल्लेबाजी में काफी योगदान देते थे लेकिन पिछले कुछ वर्षों में वे नौवें या दसवें नंबर पर रहे हैं। पिछली बार उन्होंने प्लेऑफ में जगह बनाई, लेकिन मुंबई इंडियंस में जो जोश पहले दिखाई देता था वैसा नहीं दिखाई दिया। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि रोहित लगातार क्रिकेट खेलता रहा है जिससे वह थक गए होंगे। वह लगातार भारतीय टीम और फिर मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे थे।

बता दें कि हार्दिक की अगुवाई में गुजरात टाइटंस ने 2022 में अपने शुरुआती सत्र में ही खिताब जीता था जबकि इस साल उसकी टीम उप विजेता रही थी। हालांकि क्रिकेटर से कमेंटेटर बने गावस्कर का मानना है की हार्दिक ने गुजरात की टीम के साथ खुद को साबित किया है और मुंबई इंडियंस में उनकी वापसी से टीम में नई सोच जुड़ेगी। उन्होंने कहा कि मुंबई ने यह फैसला कर लिया है। वह कप्तानी के मामले में युवा खिलाड़ी है जो गुजरात टाइटंस को दो बार फाइनल में पहुंचाकर और एक बार खिताब दिलाकर खुद को साबित कर चुका है। इस पर गावस्कर ने कहा कि उन्होंने इसी नई सोच के साथ उसे टीम का कप्तान बनाया है।

दुनिया भर की फुटबाल टीमों में हैं भारतीय मूल के कई खिलाड़ी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) राष्ट्रीय टीम में चयन के लिए विदेश में खेल रहे भारतीय मूल के व्यक्तियों (पीआईओ) के चयन की संभावना पर गौर कर रहा है और जल्द ही ऐसे 24 खिलाड़ियों से संपर्क करेगा। पीआईओ और भारत के विदेशी नागरिक (ओसीआई) खिलाड़ियों का राष्ट्रीय टीम में चयन लंबे समय से बहस का मुद्दा रहा है। राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमेच पहले ही भारतीय टीम में पीआईओ खिलाड़ियों के चयन की जरूरत की वकालत कर चुके हैं। लेकिन ऐसा करना आसान नहीं होगा क्योंकि भारतीय कानून दोहरी नागरिकता को स्वीकृति नहीं देता। अगर कोई पीआईओ खिलाड़ी भारत के लिए खेलना चाहता है तो उसे भारतीय नागरिकता लेनी होगी। नागरिकता के लिए आवेदन करने से पहले उस व्यक्ति को 12 महीने भारत में रहना होगा। चौबे ने खिलाड़ियों के नाम का खुलासा किए बिना कहा, 'हम 24 पीआईओ खिलाड़ियों से संपर्क करने पर विचार कर रहे हैं जो दुनिया भर में खेल रहे हैं। लेकिन आपको पता है कि दोहरी नागरिकता का मुद्दा है।

एनिमल ने सुपरस्टार्स में लाकर खड़ा कर दिया रणबीर को

बालीवुड एक्टर रणबीर कपूर को एनिमल की धुआंधार कामयाबी ने सबसे बड़े भारतीय सुपरस्टार्स में लाकर खड़ा कर दिया है। भारत ही नहीं, विदेशों में भी एनिमल की कमाई तेज गति से आगे बढ़ रही है। थिएटर्स में फिल्म जिस तरह का बिजनेस कर रही है, वो सीधा शाहरुख खान की दो बड़ी ब्लॉकबस्टर पठान और जवान के स्तर पर है।

निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने रणबीर को जिस खूंखार अवतार में स्क्रीन पर पेश किया है, उसका जलवा जनता को लगातार थिएटर्स में खींच रहा है। फिल्म की पॉपुलैरिटी का कमाल ये है कि 11 दिन में फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 737 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन जुटा लिया। 12वें दिन रणबीर की फिल्म 750 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई है और इसने एक नया रिकॉर्ड बना लिया है। एनिमल ने 12 दिन के अंदर कनाडा में 5.28 मिलियन डॉलर (44 करोड़ रुपये) का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है।

रणबीर की फिल्म ने इस आंकड़े तक पहुंचते हुए शाहरुख खान की ब्लॉकबस्टर जवान को भी पीछे छोड़ दिया है। जवान ने कनाडा में 5.27 मिलियन डॉलर का बिजनेस किया था। अब एनिमल कनाडा में दूसरी सबसे बड़ी भारतीय फिल्म बन चुकी है।एनिमल ने 11 दिन में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 401 करोड़ रुपये से ज्यादा नेट कलेक्शन कर लिया। शाहरुख की जवान ने भी इतने ही दिन में इंडियन बॉक्स ऑफिस पर 400 करोड़ का आंकड़ा पार किया था और अब ये दोनों फिल्में सबसे तेज इस माइलस्टोन तक पहुंचने वाली फिल्में हैं।

ट्रेड रिपोर्ट्स कहती हैं कि एनिमल ने 12वें दिन इंडिया में करीब 13 करोड़ का नेट कलेक्शन किया है। इसके साथ भारत में फिल्म का नेट कलेक्शन 458 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया है। 12 दिन बाद सिर्फ हिंदी वर्जन से एनिमल करीब 412 करोड़ रुपये कमा चुकी है। अभी कनाडा में सबसे बड़ी भारतीय फिल्म का रिकॉर्ड शाहरुख की पठान के नाम है, जिसने 6 मिलियन डॉलर (50 करोड़ रुपये से ज्यादा) का बिजनेस किया था। लेकिन अब जल्दी ही रणबीर की फिल्म, शाहरुख की इस फिल्म को भी पीछे छोड़ देगी और रणबीर कनाडा में सबसे बड़े इंडियन सुपरस्टार बन जाएंगे।

ऑडियो फॉर्मेट बहुत अधिक बोझिल और चुनौतीपूर्णः मसाबा

कहानी कहने के ऑडियो फॉर्मेट पर की खुलकर बात

एक्ट्रेस नीना गुप्ता की बेटी और मशहूर फैशन डिजाइनर और अभिनेत्री मसाबा गुप्ता ने कहानी कहने के ऑडियो फॉर्मेट पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि यह बहुत अधिक बोझिल और चुनौतीपूर्ण है। हिंदी ऑडिबल ऑरिजिनल पॉडकास्ट सीरीज मार्वल्स वेस्टलैंडर्स - ब्लैक विडो में ब्लैक विडो/हेलेन ब्लैक की आवाज के रूप में करीना कपूर खान, लिसा कार्टराईट के रूप में मसाबा, जॉर्डन टेम्पल के रूप में विहान समत, येलेना बेलोवा के रूप में अदा शर्मा, जूडी ऋेट्ज के रूप में नीतू चंद्रा और के.आई.एम के रूप में अदिति भाटिया शामिल हैं। एक बातचीत में मसाबा ने कहा कि उन्हें यह माध्यम दिलचस्प लगा क्योंकि उनका ऑडियो आम तौर पर किसी वीडियो प्रारूप का अनुसरण करता है। मसाबा ने कहा, यह नया था क्योंकि आप ऑडियो के माध्यम से दुनिया का निर्माण कर रहे हैं। यह बहुत अधिक कठिन और चुनौतीपूर्ण है क्योंकि ऐसा नहीं है कि लोग किसी चीज को समझने के लिए दृश्य का सहारा ले सकते हैं। मुझे यह चुनौतीपूर्ण भी लगा क्योंकि इसमें कोई संदर्भ नहीं था। मुझे यह बहुत दिलचस्प लगता है। यह मेरे लिए आश्चर्य की बात है लेकिन मैं कहानी कहने की इस नई पीढ़ी और नई परत के खुलने के लिए उत्साहित हूं।

करीना के साथ काम करने पर एमटीवी सुपरमॉडल ऑफ द ईयर के जज ने कहा, यदि आप एक ही कहानी में हैं तो आपको एक ही लाइन पर चलना होगा। मेरा मतलब है कि जब आप विशेष रूप से आवाज रिकॉर्ड कर रहे हों तो ही ऐसा हो सकता है। चाहे मैं अलग-अलग बैंडविड्थ पर बोल रही हूं और वह अलग-अलग बैंडविड्थ पर बोल रही हो, भले ही हमारे किरदार अलग-अलग हों, हमें उसका मिलान करना होगा। उन्होंने कहा, दिलचस्प बात यह है कि यह काम कर गया। इस प्रोजेक्ट के लिए हां कहने का मेरा बड़ा कारण यह था कि करीना ब्लैक विडो का किरदार निभा रही हैं।

स्ट्रीमिंग सीरीज कर्मा कॉलिंग में नजर आएंगी रवीना टंडन

बालीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन स्ट्रीमिंग सीरीज कर्मा कॉलिंग में नजर आएंगी। एक्ट्रेस विश्वासघात से भरी चकाचौंध और ग्लैमर की दुनिया में इंद्राणी कोठारी की भूमिका निभाएंगी। सीरीज के बारे में बात करते हुए रवीना टंडन ने कहा, इंद्राणी कोठारी का मानना है कि दुनिया उनका मंच है। मैंने बहुत लंबे समय से ऐसा कोई किरदार नहीं निभाया है।

कर्मा कॉलिंग निश्चित रूप से जो दिखता है, उससे कहीं अधिक है और यह अमीरों की दुनिया के विभिन्न पहलुओं की पड़ताल करता है। इंद्राणी की भूमिका निभाने से मुझे एक अभिनेत्री के रूप में खुद को और अधिक तलाशने में मदद मिली। यह पहले कभी नहीं देखी गई और पहले कभी नहीं की गई भूमिका है और मैं दर्शकों की प्रतिक्रियाओं का इंतजार कर रही हूं। रुचि नारायण के साथ सहयोग करना असाधारण रहा है। निर्देशक रुचि नारायण ने कहा, कर्मा कॉलिंग बेहद अमीर और संपन्न कोठारी परिवार और उनकी दुनिया में उनके इर्द-गिर्द रची गई साजिशों की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

सीरीज में भव्यता और ग्लैमरस दृष्टिकोण है, जिसकी कहानी बदला, धोखे, विश्वासघात को बुनती है और कोठारी परिवार के अनुभवों को भी दर्शाती है। सीरीज निश्चित रूप से आपके लिए आनंददायक होगी और आपको और अधिक देखने के लिए लालायित कर देगी। रवीना टंडन और डिज्नी ?लस हॉटस्टार के साथ सहयोग करना एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है। आर.ए.टी फिल्म्स द्वारा निर्मित कर्मा कॉलिंग 26 जनवरी, 2024 को डिज्नी ?लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी। बता दें कि यह सीरीज अमेरिकी मूल सीरीज रिवेंज पर आधारित है, जो 2011-2015 तक प्रसारित हुई थी।

वरुण तेज और मानुषी छिल्लर स्टारर 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' का टीजर रिलीज

वरुण तेज और मानुषी छिल्लर स्टारर 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' का टीजर रिलीज कर दिया गया है।' अक्षय कुमार स्टारर 'सम्राट पृथ्वीराज' से बॉलीवुड में कदम रखने वालीं मानुषी छिल्लर अब तेलुगू सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं। उनकी फिल्म 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। इस फिल्म के जरिए एयर फोर्स के जवानों द्वारा झेली जाने वाली चुनौतियों को करीब से दिखाया जाएगा।' ऑपरेशन वैलेंटाइन' में वरुण तेज आईएएफ अफसर अर्जुन देव के रोल में हैं। वहीं मानुषी छिल्लर राडार अफसर के किरदार में हैं। टीजर की शुरुआत में दिखाया गया है कि एयर फोर्स की एक टीम को किसी और देश में भेजा जा रहा है। पहले ही यह अंदेशा जता दिया जाता है कि एयर फोर्स को किसी और देश में भेजना युद्ध जैसी स्थिति पैदा करने जैसा है। आवाज आती है, 'अगर हम ऐसे ही बदला लेते रहे हो, देश नहीं बचेगा सिर्फ बॉर्डर रह जाएंगे।' वहीं एयर फोर्स पायलट बने वरुण तेज टीम से बोलते हैं, 'वक्त आ गया है कि हम दुश्मन को याद दिलाएं कि ये देश गांधी जी ही नहीं, सुभाष चंद्र बोस का भी है।' ऑपरेशन वैलेंटाइन' को तेलुगू और हिंदी भाषा में शूट किया गया है।सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस और संदीप मुद्धा की रेनेसां पिक्चर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म को शक्ति प्रताप सिंह हाडा ने निर्देशित किया है।यह फिल्म 16 फरवरी 2024 को रिलीज होगी।

सनी देओल की फिल्म सफर में कैमियो करेंगे सलमान खान!

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान, सनी देओल की आने वाली फिल्म सफर में कैमियो करते नजर आ सकते हैं। सनी देओल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म सफर की तैयारी कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि सनी देओल जनवरी में फिल्म सफर की शूटिंग करेंगे। सफर एक बेहद दिल छू लेने वाली फिल्म होने वाली है, जो सनी देओल और एक चाइल्ड आर्टिस्ट की अलग-अलग मुश्किलों से भरे सफर की कहानी होगी। सनी देओल चाहते थे कि सलमान फिल्म में कैमियो करें। इसके लिए उन्होंने खुद कॉल कर उनसे कैमियो की रिक्वेस्ट की थी। सलमान खान कॉल पर ही फिल्म के लिए राजी हो गए। सलमान खान जनवरी 2024 में फिल्म सफर की शूटिंग करेंगे। उनका शूटिंग शेड्यूल महज 1 दिन का होगा। फिल्म में सलमान रियल लाइफ के सुपरस्टार सलमान खान बनकर ही नजर आएंगे।सलमान खान और सनी देओल फिल्म जीत में साथ काम कर चुके हैं।फिल्म सफर को विशाल राणा, एकलॉन प्रोडक्शन बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं।

विद्युत जामवाल और नोरा फतेही की फिल्म क्रैक की शूटिंग पूरी

विद्युत जामवाल और नोरा फतेही स्टारर फिल्म क्रैक की शूटिंग पूरी हो गयी है। नोरा फतेही इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म क्रैक को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह अभिनेता विद्युत जामवाल के साथ नजर आयेंगी। फिल्म क्रैक की शूटिंग पूरी हो गई है। नोरा फतेही ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर रैप-अप शूट की कई तस्वीरें शेयर की हैं। सेट पर नोरा बॉडीकॉन ड्रेस और डेनिम जैकेट में हाथ में क्लिप बोर्ड लेकर पोज दे रही हैं। एक तस्वीर में वह हाथों में गुलदस्ता लिए पोज रही हैं।फोटोज शेयर करते हुए नोरा फतेही ने कैप्शन में लिखा, क्रैक की शूटिंग खत्म। पूरी टीम के साथ मेरा अनुभव बहुत ही खास रहा। मुझे एक लीड के रूप में लेने के लिए आदित्य दत्त, विद्युत जामवाल और पूरी टीम को शुक्रिया। मैंने सेट पर बहुत कुछ सीखा है और मैं दुनिया के इस फिल्म के देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। फिल्म 23 फरवरी 2024 को रिलीज हो रही है।

डंकी और सालार की होगी बडी टक्कर

बालीवुड स्टार शाहरुख खान की डंकी और प्रभास स्टारर सालार को लेकर जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। दोनों बड़े बजट की फिल्में हैं। इन फिल्मों के कलेक्शन पर सभी की निगाहें हैं। इन दोनों फिल्मों की बॉक्स ऑफिस पर सबसे बड़ी टक्कर होने वाली है। पहले सालार सितंबर में रिलीज होने वाली थी लेकिन फिर इसे बढ़ाकर दिसंबर में कर दिया गया। उम्मीद जताई जा रही हैं कि दोनों ही फिल्में अच्छा कलेक्शन करेंगी लेकिन क्या टकराव से उनके कलेक्शन पर फर्क पड़ेगा इस पर ट्रेड एक्सपर्ट क्या कहते हैं इस रिपोर्ट में बताते हैं। क्रिसमस पर बॉक्स ऑफिस पर पैसा ही पैसा बरसने वाला है क्योंकि दो बड़े स्टार्स की फिल्में आने वाली हैं। राजकुमार हिरानी निर्देशित फिल्म डंकी में शाहरुख मुख्य भूमिका में हैं। इस साल यह उनकी तीसरी फिल्म है। पहले दोनों फिल्में पठान और जवान ब्लॉकबस्टर हुईं तो डंकी से भी काफी उम्मीदें हैं।

पहली बार शाहरुख और हिरानी साथ काम कर रहे हैं। ट्रेड एक्सपर्ट का मानना है कि

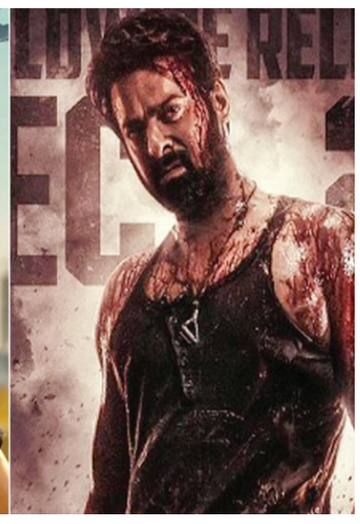

टकराव से दोनों फिल्मों को नुकसान होगा और यह पठान-जवान जैसा कलेक्शन नहीं कर पाएगी। इस बारे में ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला ने कहा, मुझे यकीन है कि अकेले रिलीज की तुलना में शुरुआती वीकेंड थोड़ा कम रहेगा। दोनों फिल्में एक दूसरे के बिजनेस को नुकसान पहुंचाएंगी और बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड संख्या दर्ज करने की संभावना नहीं है। जब फिल्म सिंगल रिलीज होती है तब आमतौर पर रिकॉर्ड टूटते हैं। एक ही समय में दो बड़ी फिल्मों के आने से यह बंट जाता है। दोनों फिल्मों की ओपनिंग जवान, पठान या आरआरआर के लेवल की नहीं होगी। आने वाले समय में अगर अच्छा वर्ड ऑफ माउथ रहा तो फिल्मों को फायदा होगा और नंबर बढ़ सकते हैं।

यह फिल्म के विषय पर निर्भर करेगा। हिंदी बेल्ट में शाहरुख बहुत बड़े स्टार हैं। एक अन्य ट्रेड एनालिस्ट अतुल मोहन ने कहा, नॉर्थ में डंकी एग्जीबिटर्स की पहली पसंद बनी रहेगी। इसमें कोई शक नहीं है। शाहरुख की दो बड़ी हिट के बाद यह फिल्म आ रही है। जबकि प्रभास के लगातार फ्लॉप के बाद सालार आ रही है। इस वजह से जाहिर है शाहरुख की फिल्म को अधिक शोज मिलेंगे। कम से कम शुरुआती हफ्तों में तो यही होने वाला है। उसके बाद यह वर्ड ऑफ माउथ पर निर्भर करेगा।